हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 1993

खण्ड 1, अंक 11

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 10 मार्च, 1993

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(11)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(11)20
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(11)21
विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओं के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा संबंधित सदस्यों को सूचनाएं देना	(11)22
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा विभिन्न मन्त्रियों द्वारा दिए गए संक्षिप्त वक्तव्य– (1) हरियाणा के मन्त्रियों/सांसदों द्वारा बनाई गई हरियाणा आद र्ा जन प्रतिनिधि को आप्रेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटिड, पंचकूला के पंजीकरण सम्बन्धी	(11)23
वाक आउटस	(11)29
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य– (2) पलवल भाहर के क्षेत्र में पीने के पानी में सीवरेज	(11)30

का पानी मिलने सम्बन्धी	
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(11)34
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(11)35
बैठक का समय बढ़ाना	(11)36
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(11)36
वाक आउटस	(11)71
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(11)72
बैठक का समय बढ़ाना	(11)77
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(11)77
बैठक का समय बढ़ाना	(11)81
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(11)81

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 10 मार्च, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Desilting of Garhwa and Motipura Minors

***402. Sh. Amar Singh:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Garhwa Minor, Motipura Minor and other minors of Bhiwani Circle have not been desilted for the last 3 to 4 years; if so, the reasons thereof; and

(b) if the reply to part (a) above is in affirmative the year in which desilting work of the said minors was done together with the amount spent thereon ?

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra):

(a) No, Sir.

(b) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Sr.	Name of Channels		1990-91 Amount (in Rs.)	1991-92 Amount (in Rs.)	1992-93 Amount (in Rs.)
1.	A	Motipura Disty.	74944/-	183368/-	
	B	Garhwa Disty.	65964/-	132553/-	
	C	Others Disty. and Minors	669422/-	1498899/-	83000/-

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने रिप्लाई में बताया है कि मोतीपुरा माईनर पर वर्श 1990–91 से 74944 रूपये, वर्श 1991–92 में 183368 रूपये और 1992–93 में निल तथा इसी प्रकार से बडवा में वर्श 1990–91 से 65964 रूपये, वर्श 1991–92 में 132553 रूपये और 1992–93 में निल तथा अदर डिस्ट्रीब्यूटरी और माईनरज पर वर्श 1990–91 से 669422 रूपये, वर्श 1991–92 में 1498899 रूपये और 1992–93 में 83000 रूपये डीसिटिंग पर खर्च किया गये हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री माहदेय से जानना चाहता हूं कि वर्श 1990–91 में कोन से महीने में मोतीपुरा माईनर की डीसिल्टिंग करवाई गई और उस पर कितना पैसा खर्च किया गया ? इसी प्रकार से 1991–92 में मोतीपुरा माईनर में कौन से महीने में डीसिल्टिंग करवाई गई और उस पर कितना पैसा खर्च किया गया ? इसी

तरह से स्पीकर साहब, मैं यह भी जानना चाहता हूं कि गडवा माईनर और दूसरी माईनरज पर कौन कौन से महीने में डीसिल्टिंग करवाई गई और उस पर कितना पैसा खर्च हुआ ? स्पीकर साहब, मेरा दूसरा सवाल यह है कि जो डीसिल्टिंग करवाई गई है, वह महकमे के आदमियों से करवाई गई है अथवा लेबर से काम करवाया गया है अगर लेबर से काम करवाया गया है तो उस पर मन्थ वाईज कितना खर्च आया है ? स्पीकर साहब, मेरा तीसरा सवाल यह है कि माईनरों की टेल पर पानी नहीं पहुंच रहा है, इसका क्या कारण है ? स्पीकर साहब, मोतीपुरा और गडवा माईनर पर मैं स्वयं 28 फरवरी को जाकर आय हूं। वहां पर पुल की जरूरत नहीं है, नहर के दोनों और की मिटटी भुर भुर कर नहर में गिर रही है और मैं आराम से वहां गाडी निकाल कर लाया हूं। दोनों नहरों की टेल पर पानी नहीं पहुंच रहा है, क्या मन्त्री महोदय इस बारे में बताएंगे ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मोतीपुरा माईनर और गडवा माईनर की डिसिल्टिंग के लिए हुए खर्च का ब्यौरा मैंने माननीय सदस्य को दे दिया है। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरा इनसे कहना है कि वर्श 1990791 और 1991–92 में इन दोनों कैनाल्ज की डिसिल्टिंग हुई थी और वर्श 1992–93 में मेन सिवानी कैनाल की डिसिल्टिंग हुई थी, इसलिए इन दोनों की डीसिल्टिंग 1992–93 में नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, इनका दूसरा सवाल यह है कि डीसिल्टिंग कौन से महीने में की गई, क्या यह

महकमे ने की या ठेके पर करवाई गई है। इसके लिए मैं इनको बताना चाहूंगा कि डीसिल्टिंग बारि ा के बाद होती है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि बारि ा के पहले आमूमन मई और जून के महीनों में आंधियां चलती हैं जिससे रेत उड कर नहरों में गिरती रहती है। ये दोनों चैनल्ज राजस्थान के ऐडज्वायनिंग ऐरिया के नजदीक हैं। सिवानी मेन कैनाल की टेल एण्ड पर पडती है। मई जून में आंधियां चलती हैं, जिसकी वजह से मिटटी उड कर नहरों में गिरती है। बारि ा के महीनों में यमुना के पानी में मिटटी ज्यादा आती है। जुलाई, अगस्त और सितम्बर के महीनों में मिटटी नहरों में आती है और आमूमन अक्तूबर के महीने में डीसिल्टिंग का काम होता है। ज्यादातर डीसिल्टिंग ठेके पर करवाई जाती है। कुछ महकमे के लोगें के द्वारा भी की जाती है। लेकिन उनके पास आदमी ज्यादा नहीं होते, इसलिए यह ठेके पर करवाई जाती है।

श्री अमर सिंहः मैंने तो स्पैसीफिक महीने के बारे में पूछा है कि कौन से महीने में हुई ?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पैसीफिक तो नहीं कह सकता पर मैंने बता दिया कि भाायद अक्तूबर के महीने में करवायी है।

श्री अमर सिंहः मेरा तीसरा प्र न था कि टेल एंड पर दो माईनर्ज में पानी क्यों नहीं पहुंचता ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, हम कोि ा ा कर रहे हैं कि वहां पर पानी पहुंचे। जैसा कि मैंने पहले भी अर्ज किया है कि ये माईनर्ज टेल एंड पर हैं और यह इलाका राजस्थान में लगता है। वह सेंडी एरिया है जिसकी वजह से रेत उड कर माईनर्ज में आ जाता है।

श्री सूरज मलः अध्यक्ष महोदय, नेहरा साहब ने दूलहेडा ब्रांच को दो महीने पहले जाकर देखा था कि उसमें बहुत ज्यादा सिल्ट है। इन्होंने अस्थल बोहर से लेकर बहादुरगढ तक देखा था। वह सारी माईनर सिल्ट से भरी पडी है। क्या सिल्ट निकालने के लिए इन्होंने कोई प्रोग्राम बनाया है क्योंकि वहां से कई और माईनर्ज निकलती हैं जिसकी वजह से टेल पर पानी नहीं पहुंचता ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैंने मौके पर जाकर देखा था जहां तक मेन चैनल की बात है वहां पर डी सिल्टिंग होनी है और काफी माईनर्ज में डी सिल्टिंग हुई भी है। हम मेन चैनल में डी सिल्टिंग करवाएंगे।

श्री सूरज मलः अध्यक्ष महोदय, वहां पर डी सिल्टिंग न होने की वजह से सिर्फ 1/3 पानी माइनर्ज में जाता है। क्या मंत्री जी पूरा पानी देने का कोई प्रबन्ध करेंगे ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, सिल्ट होने की वजहइ से माईनर्ज की डिस्ट्रीब्यूटिंग कपैसिटी कम हो जाती है।

इसमें कोई दो राय नही ंहै। यह जो दुलेहडा ब्रांच है इसकी कैपेसिटी में जो फर्क है वह मैं मानता हूं।

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, नेहरा साहब ने झज्जर सब ब्रांच को खुद मौके पर जाकर देखा है और उसकी जितनी भी सैंक ांड कपैसिटी है वह मिटटी की वजह से आधी रह गई है। क्या मंत्री जी हाऊस में आ वासन देंगे कि बारि ा के बाद उसकी सैंक ान्ड कपैसिटी के अनुसार पानी मिलेगा ?

दूसरे डि सिल्टिंग करने का क्या क्राईटेरिया है ? हमारे रोहतक सर्कल में जहां पक्की नहरें हैं उन पर डी सिल्डिटग के लिए लाखों रूपए खर्च कर दिए गए हैं और हमारे यहां जहां कच्ची नहरें हैं और जहां पर डी सिल्टिंग की ज्याद जरूरत है वहां पर बहुत कम पैसा खर्च किया गया है। क्या कृपा करके मंत्री जी इसके बारे में भी बताएंगे ?

चौधरी जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, झज्जर डिस्ट्रीब्यूटरी को देखने के लिए मैं इनके साथ मौके पर गया था और सारे मौके देख कर आया था। यह बात इनकी ठीक है कि काफी सालों से उसकी डी सिल्टिंग नहीं हुई है और उसकी कपैसिटी भी कम हो रही है। इस साल हम कोि ा ा करेंगे कि उसकी डी सिल्टिंग हो और उसको कपैसिटी पूरी हो। ज्यादा इसलिए मेन कैनाल के बारे में कहा है कि इसकी डी सिल्टिंग ज्यादा करते हैं। ज्यादा इसलिए करते हैं क्यौंकि यह पक्की हैं।

इसकी कच्ची केनाल है, इसलिए उसकी कम करते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो मेन कैरियर है उनकी डी सिल्टिंग ज्यादा करनी पडती है। क्योंकि वह कैरियर चैनल हैं। जैसे 1992–93 में मेन कैरियर चैनल था, उनकी डी सिल्टिंग करवाई, चाहे वह भाखडा का था चाहे डब्ल्यू0जे0सी0 का था, क्योंकि मेन कैनाल की डी सिल्टिंग चार पांच साल से नहीं हुई थी, इसलिए उन पर ज्यादा पैसा खर्च किया गया। इस बार हम चाहते हं कि आखिर की जो माईनर्ज हैं उनकी डीसिल्टिंग करवाई जाए।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, ये रोहतक सर्कल में सब डिवीजन वाईज चाहे अपना रिकार्ड देख लें, उसमें कैरियर चैनल या मेन कैनाल की बात नहीं है। सब डिवीजन वाईज इसमें डिसक्रीमीने ान किया गया है। आईन्दा इस बात को ध्यान में रखते हुए पैसे का इक्वीटेबल डिस्ट्रीब्यू ान होना चाहिए और वहां पर ज्यादा पैसा खर्च करना चाहिए। दूसरे मेरा एक और सवाल है कि क्या झज्जर सब ब्रांच की लाईनिंग करने और पक्का करने का भी सरकार का विचार है ?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर सर, जैसा इन्होंने कहा कि वहां पर डिसक्रिमिने ान किया जाता है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि ऐसी कोई बात नहीं है। डिसक्रिमीने ान नहीं किया जाता। बहुत से मेन चैनल्ज ऐसे हैं जिनकी डी सिल्टिंग नहीं हुई है। बल्कि उनके माईनरों की डी सिल्टिंग हुई है। साथ ही बहुत से चैनल्ज ऐसे भी हैं जिनकी डी सिल्टिंग हुई है और माईनरों की

डी सिल्टिंग नहीं हुई। कितनी डी सिल्टिंग हुई है, यह इसी पर निर्भर करता है। इसके अलावा, जहां तक इन्होंने झज्जर की मेन ब्रांच के बारे में कहा, मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारा उसको पक्का करने का विचार है। वि व बैंक से इस प्रोजैक्ट के लिए पैसा आया हुआ है, इसलिए हम इस नहर को पक्का करायेंगे।

Enhancemnet of wages of Village Chowkidar

***420. Sh. Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Chief Minister be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to enhance the wages of the village Chowkidar ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): जी हां। मामला राज्य सरकार के विचाराधीन है।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इन्होंनें अपने जवाब में कहा है कि यह मामला विचाराधीन है। विचाराधीन तो लम्बा होता है, पता नहीं यह काम कब पूरा होगा ? स्पीकर साहब, चौकीदार गांव का एक ऐसा ऐम्पलाई होता है जिसको 24 घंटे चैन नहीं मिलता। आज चौकीदार का जो वेतन मिलता है, उससे वह अपने लिए भरपेट भोजन नहीं जुटा सकता। इसलिए मुख्य मंत्री जी बतायें कि कब तक इनको बढा हुआ वेतन मिल जाएगा ?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि चौकीदार का काम काफी कठिन है। इसलिए उसका वेतन भी

बढना चाहिए। मैं इनको बताना चाहता हूं कि हमने इसके लिए एफ0सी0आर0 की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है, जिसमें होम सैक्रेटरी, डी0जी0पी0 और ज्वायंट सैक्रेटरी रेवेन्यू है। इस कमेटी ने अपनी दो मीटिंग भी कर ली है। इसके अलावा, हमें इसमें दो और डिपार्टमैंटस भाामिल करने पडेंगे। ये डिपार्टमैंटस पंचायत और हैल्थ हैं। इनको भाामिल करने के बाद हमारी यह कोि ा ा होगी कि पांच छः महीने के अंदर अंदर चौकीदारों का वेतन देने का फैसला हो जाए। जहां तक वेतन बढाने का सवाल है, मैं इनको बताना चाहता हूं कि 1979 में जब मैं चीफ मिनिस्टर बना था, तो मैंने चीफ मीनेस्टर बनते ही इनका वेतन 55 रूपये से 100 रूपये किया था और उसके बाद भी मैंने ही 100 रूपये से 150 रूपये किया था। स्पीकर साहब, गरीब आदमियों का भला आज की ही सरकार करेगी।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इनकी जानकारी में यह बात नहीं है काफी गांवों में पिछले काफी दिनों से चौकीदारों को वेतन नहीं मिला है ? स्पीकर सहब, पहले चौकीदारों को गांव के नम्बरदार पैसे इकटठे करके देते थे लेकिन अब यह सिस्टम भी समाप्त हो गया है। इसलिए काफी दिनों से चौकीदारों को वेतन नहीं मिल रहा है, वे इससे वंचित रह गये हैं इसलिए वे लोग अपना काम भी ठीक ढंग से नहीं कर पा रहे हैं। अगर उसने कहा जाता है तो वे कहते हैं कि हमें वेतन नहीं मिला। स्पीकर साहब,

सरकार को पहले उनके पिछले वेतन देने की बात करनी चाहिए और उसके बाद वेतन बढाने की बात करनी चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने बताया है कि हमने इसके लिए एक कमैटी बना दी है। हमें उनके वेतन बढाने के लिए रूल्ज भी अमैंड करने पडेंगे और सही रूल्ज बनाकर वेतन देने पडेंगे। आप जानते हैं या तो गांव के रकबे के हिसाब से इनको लगाते हैं। गांव का टोटल रकबा 110 लाख एकड हो या फिर रोज पांच या चार रूपये देकर लगाते हैं। इसके अलावा, इनको घरों के हिसाब से चूल्हों के हिसाब से भी लगाते हैं। अब हम इनमें से कौन सा सिस्टम अपनायैं रूल्ज में किस प्रकार से अमैंडमैंअ की जाए, इसी बात को लेकर हमने एक कमेटी बनायी हुई है जो इस बात का फैसला 6 महीनै के अंदर अंदर कर देगी। अध्यक्ष महोदय मैं तो यहां तक कहता हूं कि 150 रूपये से भी इनका कुछ बनने वाला नहीं है। हम तो यह चाहते हैं कि चौकीदारों को 150 रूपये देने की बजाये तीन सौ, चार सौ या पांच रूपये महीना दिये जायें। इसके अलावा जो उनके पिछले वेतन रूके हुए हैं, उनको भी हम देंगे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने सप्लीमैंट्री के जवाब में फरमाया कि भाायद रूल्ज को अमैंड करना पडेगा। मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जब इन्होंने 1979 में 55 रूपये से बढाकर 100 रूपये किये थे तथा बाद में 100 रूपये से बढा कर 150 रूपये किये थे, क्या तब रूल्ज अमैंड

नहीं हुए होंगे ? रूल्ज के अमैंड हुए बिना तो आप उनके वेतन रिवाइज कर ही नहीं सकते थे। इसलिए जब पहले रूल्ज अमैंड हो चुके हैं तो अब फर्दर रूल्ज अमैंड करने की क्या जरूरत पडेगी ? अगर जमीन के हिसाब से वेतन देना है तो रूल्ज तो पहले ही अमैंड हुए हैं और अगर उनको रैगुलर ऐम्पलाईज की तरह से तनखाह देने की बात है तो फिर तो रूल्ज अमैंड करने की जरूरत पडेगी। इसलिए मैं यह जानना चाहता हूं कि जो रूल्ज पहले ही अमैंड हो चुके हैं, क्या उनको फिर से अमैंड करने की जरूरत पडेगी ? मैं समझता हूं कि उन्हीं रूल्ज के अनुसार ही यह मामला अब ऐक्सपीडाईट हो सकता है लेकिन अगर उनको रैगुलर ऐम्पलाईज की तरह वेतन देने की बात है, तब रूल्ज फिर अमैंड करने की जरूरत पडेगी। तो मुख्य मंत्री जी यह सब बता दें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसमें रूल्ज अमैंड करने की जरूरत इसलिए पडेगी कि पहले लैण्ड रैवेन्यू ऐक्ट के तहत जब पटवारी मालिया इकटठा करता था तो नंबरदार वसूली भी कर लेता था। अब हमने सवा छह एकड तक मालिया माफ कर दिया है इसलिए अब नम्बरदार की वो बात नहीं रह गई है। उनसे कैसे वसूल किया जाए इसलिए इसमें अमैंडमैंट करने की जरूरत है। चूल्हा टैक्स पंचायत इकटठा करती थी, उसी तरह से या पंचायत के जिम्मे इस काम को लगाएं या सारकार इस काम को करे या इनको गवर्नमैंट आफि ायल समझा जाए या पब्लिक सर्वेंट समझा जाये। इसलिए जरूरी है कि रूल्ज अमैंड करने पडेंगे।

श्री पीर चन्द: अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी मुख्य मंत्री जी ने जवाब दिया। कि सवाल बहुत अहम है क्योंकि इसके अंदर सैंट परसैंट लोग हरिजन और गरीब हैं। ये तो पहले ही बढानी चाहिए। सरकार इस बात पर विचार करे कि उनको सरकारी कर्मचारी बना दिया जाए ताकि गांव के लोगों पर बर्डन भी न पडे और इन गरीब आदमियों का भला भी हो।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इसलिए कमेटी बनाई गई है जो सारी तह में जाकर रिपोर्ट देगी फिर सरकार फैसला करेगी कि उसे पब्लिक के पैसे से नौकरी दी जाए या सरकारी खजाने से नौकरी दी जाए, क्या रास्ता निकालें, इसी का मतलब कमेटी से है। इनकी पे भी कुछ बढाएंगे, इनको जो हर हालत में हर फसल के साथ मनी मिलती रही है उगाही के साथ उसी तरह से मिले। इसका कोई सिस्टम बनाएंगे इसलिए कमेटी बना रहे हैं।

Fly Over on Palwal Aligarh Road

***496. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether thee is any proposal under consideration of the Govt. to construct a fly over on the Railway line of Palwal Aligarh Road; and

(b) if so, the time by which the afore said fly over is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी)

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न उत्पन्न नहीं होता।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो अलीगढ रोड है उस पर से रोज तकरीबन 50–60 हजार आदमी गुजरता है क्योंकि वह रास्ता यू0पी0 को जाता है। रेलवे लाइन के ऊपर कोई पुल न होने की वजह से वाहनों की बहुत लंबी कतार लग जाती है। पीछे जो बाई पास है वहां तक वाहन खडे हो जाते हैं जिसकी वजह से न सिर्फ फाटर पर इतनी बडी समस्या को सुलझाने के लिए कब तक उस रेलवे लाईन के ऊपर पुल के निर्माण का विचार रखते हैं ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, रेलवे लाईन पर ब्रिज बनाने के कुछ नार्मज हैं उसके मुताबिक एक अंतर्राज्यीय सडक जो हरियाणा में पलवल से उत्तर प्रदे ा में अलीगढ तक जाती है और पलवल के समीप देहली मथुरा बडी रेलवे लाईन से गुजरती है। वर्श 1989 में रेलवे फाटक के स्थान पर सडक ऊपरी पुल निर्माण के औचित्य हेतु सडक यातायात की गणना की गई थी। भारतीय सडक कांग्रेस ने अपने कोड में सडक ऊपरी पुल के निर्माण करने के बारे में कुछ दि ाा निर्दे ा दिए हुए हैं। उन नार्मज के हिसाब से पचास हजार डैली ऐवरेज ट्रैफिक होना चाहिए

जो सडक और लाईन से गुजरता है। औसत यातायात सडक पर तीव्र गति से चलने वाले वाहनों को रेलवे फाटक से गुजरने वाली रेलगाडियों से गुणा करके निकाला जाता है। उस सर्वे के अनुसार 32400 ऐवरेज डेली ट्रैफिक पाया गया अतः सडक ऊपर पुल के निर्माण का प्रस्ताव उचित नहीं पाया गया था।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः मन्जी ने सदन में यह बताया है कि कोई सर्वे कराया गया था। मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जिस रेलवे फाटक पर जमुना नदी पर पुल बनाने की बात है, उससे आगे रहीमपुर के पास जमुना पर पुल बना हुआ है। इस फाटक पर पुल बनने के बाद राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदे ा की रोडवेज की बसें बहुत गुजरेगी। जहां यह रेलवे फाटक है, यह पलवल की आबादी में आ गया है। स्पीकर साहब, यह सर्वे ठीक नहीं है, मैं मन्त्री जी से प्रार्थना करूंगा कि दुबारा सर्वे कराया जाए। इस फाटक पर पुल बनाना बहुत जरूरी है क्योंकि वहां पर ऐक्सीडैंट बहुत होते हैं। इन सब बातों को देखते हुए क्या मंत्री जी इस पुल को बनाने पर विचार करेंगे ?

श्री राम रत्नः स्पीकर साहब, जहां यह फाटक है वहां पर मेरा गांव है और उस फाटक के पास कम से कम दस हजार की आबादी है। जो लोग वहां रहते हैं, वे बैकवर्ड और हरिजन हैं। अगर वह पुल बन गया तो वे लोग तबाह हो जाएंगे। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इस पुल को न बनाया जाए। पलवल स्टे ान से दूसरी तरफ अगर पुल बन जाए तो ठीक रहेगा। क्या मंत्री महोदय

इस जगह की बजाए किसी और जगह पर पुल बनाने पर विचार करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: स्पीकर साहब, चौधरी राजेन्द्र सिंह बिसला की बात ठीक है कि यह सर्वे बहुत पुराना है। हम दुबारा सर्वे करवा लेंगे। अगर वहां पुल बनाना जरूरी होगा तो रेलवे विभाग को केस भेज दिया जाएगा।

Completionof Road from Baland to Kharkhoda

***505. Ch. Balwant Singh Maina:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-whether there is any proposal under considerationof the Govt. to complete the road from Baland to Kharkhoda; if so, the time by which it is likely to be completed ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): बालंदसे खरखौदा तक सडक के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है। फिर भी हसनगढ चुनाव क्षेत्र में बालंद से करोंथा तक एक सडक के निर्माण का कार्य प्रगति पर है जिसे धनराि ा की उपलब्धता के अनुसार पूरा किया जाएगा।

चौधरी बलवन्त सिंह मैना: स्पीकर साहब, मैंने बालंद से करोंथा की सडक के बारे में पूछा था लेकिन जो जवाब दिया गया है यह बालंद से खरखौदा सडक के बारे में दिया है। खरखौदा तो मैंने पूछा ही नहीं है। क्यामंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बालंद से करोंथा तक की सडक कब तक पूरी हो जाएगी ?

Mr. Speaker: As regards the original question from Sh. Balwant Singh, the same was that-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to complete the roads from Baland to Kharkhoda, which is lying incomplete;

(b) if so, the time by which it is likely to be completed ?

This is he original question given by him.

चौधरी आनंद सिंह डांगी: बालंद से करोंथा तक एक सडक के निर्माण का कार्य प्रगति पर है जिसे धनराि ा की उपलब्धता के अनुसार पूरा किया जाएगा।

चौधरी बलवन्त सिंह मैना: क्या मन्त्री महोदय इस सडक को पूरा करने का टाईम लिमिट बताने की कृपा करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: जितनी जल्दी हो सकेगा, पूरा कर देंगे।

Pucca Pond

***511. Sh. Ram Kumar Katwal:** Will the Minister for Development and Panchayat be pleased to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Govt. to construct a pucca pond of village Dudana in District Jind; and

(b) if so, the time by which the pond as referred to in part (a) above is likely to be made pucca ?

विकास मन्त्री (राव बंसी सिंह):

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) प्र न ही नहीं उठता।

श्री राम कुमार कटवालः अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि गांव दुडाना में एक पक्के तालाब के निर्माण की कोई योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसा गांव है जहां 36 बिरादरी के लोग हिन्दू, सिख, ईसाई, मुसलमान वगैरह इकटठे होते हैं और हर साल वहां मेला लगता है। उस मेले में लाखों आदमी इकटठे होते हैं लेकिन पांच मटके पानी के भी नहीं मिलते। यह एक बहुत ही अहम मुददा है। क्या सरकार इस ओर वि ोश ध्यान देकर इस गांव के तालाब को पक्का करवाने व पानी मुहैया करवाने की कृपा करेगी ताकि इस मेले में इकटठे होने वाले लोगौं को किसी प्रकार की कोई दिक्कत का सामना न करना पडे और दूसरे प्रदे ाों से आने वाले लोगों पर बुरा प्रभाव न पडे।

राव बंसी सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस गांव में तीन तालाब हैं एक तालाब एक एकड में है दूसरा दो एकड में है और तीसरा ये किजकर कर रहे हैं 6 एकड में है। उस तालाब को पक्का करने के बारे में हमारे पास वहां के सरपंच की ओर से कोई प्रस्ताव

नहीं आया है जिसके तहत सरकार कोई पग उठा सके, लेकिन सरपंच की ओर से हमारे पास लिखित रूप में आया हुआ है कि उनको ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है और न ही वे इसे बनवाना चाहते हैं। लेकिन फिर भी हम इनकी भावनाओं को देखते हुए यह चाहते हैं कि इस तालाब के अंदर पानी का होना अत्यंत आव यक है। ताकि दूसरे प्रदे ाों से आने वाले लोगों पर कोई बुरा प्रभाव न पडे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इससे 15–20 हजार रूपए की सालाना आमदनी भी है और लाखों लोग वहां पर इकटठे भी होते हैं। सरकार का ध्यान तो इस तरफ है लेकिन सरपंच की तरफ से लिखित रूप में हमारे पास है, जिसका जिकर मैंने अभी किया है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, क्या विकास मन्त्री महोदय यह बताएंगे कि डिसक्रि ानरी ग्रांटस देने का सरकार का कोई क्रायटेरिया भी है या जिस गांव पर ये फिदा हो जाएं उसी को जितनी ग्रांट ये चाहें दे सकते हैं ? जिस गांव को चाहे 20 लाख दे दें, जिसको चाहे 10 लाख दे दें। जिस तालाब का मेरे भाई ने जिकर किया है वह एक बडा ही अहम मुददा है क्योंकि उस तालाब पर मेले के दिन हर साल लाखों आदमी इकटठे होते हैं। क्या मंत्री महोदय उस तालाब की तरफ गौर फरमाएंगे ताकि उसको पक्का किया जा सके और आने वाले लोगों को हर प्रकार की सुविधाएं भी मुहैया करवाई जा सकें ?

राव बंसी सिंहः अध्यक्ष महोदय, भार्मा जी ने डिसक्रि ानरी ग्रांट की बात कही। इसके बारे में मैं इनको बताना चाहता हूं कि हर मन्त्री को अपनी डिसक्रि ानरी ग्रांट में से जिस गांव को जितनी चाहे ग्रांट देने की पूरी पावर हैं संबंधित मन्त्री जितनी ग्रांट चाहे दे सकता है। अध्यक्ष महोदय, जिस गांव की डिवैल्पमैंट के लिए पहले एक पैसा भी न दिया गया होक, वहां कोई डिवैल्पमैंट का काम भी न हुआ हो, किसी गांव के साथ पहले बेइन्साफी होती रही हो गलियां कच्ची हों गांवों में गलियों की आव यकता हो, भौचालयों की जरूरत हो, वहां हर कांस्टीचुऐंसी के दो गांवों में हम ऐसे हालत के मुताबिक पहले मदद देते हैं लेकिन इस गांव में तालाब के बारे में जैसा कि मैंने पहले ही बताया है वहां के सरपंच की ओर से हमें कोई प्रस्ताव आएगा तो हम गौर करेंगें और ऐसे धार्मिक स्थानों के लिए जितनी जयादा से ज्यादा रा ि ा हमसे बन पाएगी हम देंगे।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, विकास मन्त्री जी ने अभी

10.00 बजे।

एक प्र न के उत्तर में बताया कि हर हल्के में दो गांवों को विकास के नाते महत्व दिया गया है। मैंने भी डी0सी0 के माध्यम से इनका पत्र आने पर बादली हल्के के दो गांवों का नाम लिख कर भेजा था लेकिन उन गांवों के विकास के लिए

आज तक एक पैसा भी नहीं मिला। तो क्या ऐसी बातें केवल कहने के लिए ही है या इनको अमली जामा भी पहनाया जाएगा ?

राव बंसी सिंहः स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि हमने हर हल्के के दो दो गांवों की लिस्ट मांगी थी। जहां जहां ऐसी लिस्ट आ चुकी हैं, उन सब को एस्टीमेट जे0ई0 बनाता है और उसके बाद एस0डी0ओ0 उसको एप्रूव करता है और अन्त में चीफ इंजीनियर पास करता है। हो सकता है इनके गांवों को एस्टीमैट पास न हो पाया हो, कागजों में कोई त्रुटि रह गई होगी। हमारी सरकार बिना भेद भाव से काम करती है और कथनी और करनी में कोई अन्तर नहीं रखती।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, अभी इन्होंने कहा है कि उस पर भाायद अभी जे0ई0 और एस0डी0ओ0 कार्यवाही कर रहे होंगे। मैं इनको जानकारी देना चाहता हूं कि जिन गांवों के नाम मैंने लिख कर भेजे हैं, उन पर अभी तक कोई कार्यवाही जे0ई0 या दूसरे अफसर की तरफ से नहीं हुई है।

राव बंसी सिंहः स्पीकर साहब, यह बात रिकार्ड से मालूम करनी पडेगी कि वास्तव में कार्यवाही हुई हैं या नहीं। जो अफसर इस पर कार्यवाही करने के लिए जिम्मेदार हैं और वह अपनी डियूटी अगर जान बूझ कर नहीं करेंगे तो उनके खिलाफ सख्त एक ान लिया जाएगा।

Collection of Market Fee in the State

***534. Ch. Birender Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-the total income accured as market fee to the Market Committees in the State during the year 1992&93 ?

Agriculture Ministe (Sh. Harpal Singh): Rs. 5302.82 lacs (upto 31st January, 1993.)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होंने सदन के पटल पर जो सूचना रखी है, उसके मुताबिक 5302.82 लाख रूपए की इंकम मार्किट कमेटियों की बताई है। इस इंकम में से ग्रामों के विकास के लिए एप्रोच रोडज बनाने के लिए 1992–93 में कितना पैसा खर्च किया गया ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, ऐसा है मार्किटिंग कमेटीज की आमदनी को ज्यादा तौर पर किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं पर खर्च किया जाता है। इस साल हमने 12 करोड रूपये नई मंडियों के लिए रखा है साढे चार करोड रूपए पुरानी मंडियों को ठीक करने के लिए रखा है 12 करोड रूपये नई सडकें बनाने के लिए रखा है और जो लिंक रोडज हैं उनकी रिपेयर के लिए पी0डब्ल्यू0डी0 को 7 करोड रूपए दिए गए हैं। यह मेन खर्चा है। बाकी खर्चा आफिस बनाने के लिए या कोई छोटा मोटी बिल्डिंग बनाने के लिए या किसानों के लिए रैस्ट हाउसिज बनाने के लिए प्रोविजन है।

चौधरी अजमत खानः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी बताया कि मार्किटिंग कमेटीज की जो आमदन है उसको ज्यादा तर किसानों को सुविधाएं देने के लिए खर्च किया जाता है। लेकिन मार्किट कमेटीज ज्यादा पैसा म्यूनिसिपल कमेटी के ऐरिया में सडकें बनाने पर खर्च करती है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मार्किट कमेटीज में जो आमदन है, वह किसानों का पैसा है। इसलिए क्या उस पैसे को मार्किट कमेटीज के ऐरिया में खर्च करने का प्रावधान करेंगें। किसानों के लिए खास तौर से सडकें या यातायात के साधन बहुत जरूरी हैं लेकिन रैस्ट हाउसिज के नाम पर पैसा खर्च किया जाता है, उससे किसानों को कोई फायदा नहीं होता केवल कर्मचारियों को फायदा हो रहा है। मैं जानना चाहूंगा कि क्या सरकार रैस्ट हाउसिज बनाने की बजाय ज्यादा से ज्यादा सडकें बनाने पर पेसा खर्च करेगी ताकि किसानों को ज्यादा सुविधाएं मिल सके ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य कह रहे हैं कि मार्किटिंग बोर्ड का पैसा म्यूनिसिपल कमेटीज को रोडज पर ज्यादा खर्च हो रहा है। यह बात दुरूस्त नहीं है। मार्किटिंग बोर्ड की लगभग 100 फीसदी जो खर्च हो रहा है उसमें से केवल मात्र 15 परसैंट पैसा म्यूनिसिपल कमेटीज की रोडज पर खर्च हो रहा है और वह भी उन रोडज पर जो मण्डी को मिलाती है और जो एप्रोच रोड हैं। जो किसान देहात से आते हैं उनके लिए एप्रोच रोडज पास तो करनी पडती हैं इसलिए किसानों को

सहूलियत देने के लिए उन रोडज की टेकअप किया गया है लेकिन इन रोडज पर 15 फीसदी से ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, चमराडा से पूठर और सीवाहा से जेजडोला तक सडकें मंजूर हो गई थीं और उनके लिए टैंडर भी काल हो गए थे। क्या सरकार उन सडकों को बनाने के लिए काम भुरू करेगी या उन ट्रैंडर्ज को तोड कर फैंक देगी। कोई भेदभाव न रखते हुए, क्या सरकार उन सडकों को बनाने की कोि ा ा करेगी ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, यह तो प्रोसैस की बात है। पहले टैंडर काल किए जाते हैं। फिर उसके बाद टैंडर आते हैं और उसके बाद खोले जाते हैं। फिर किसी को काम अलाट होता है और काम भुरू होता है। इस हिसाब से हर जगह जहां पर काम सैंक ांड है वहां काम चालू है। मैं सदन को बताऊंगा कि पिछले डेढ साल में मार्किटिंग बोर्ड ने 565 किलोमीटर लम्बी सडकें तैयार की हैं इससे पहले के चार सालों में कभी भी इतना काम नहीं किया गया। पिछले चार सालों में कभी 600 किलोमीटर लम्बी सडक नहीं बनी थी लेकिन हमने डेढ साल में 600 किलोमीटर के लगभग सडक तैयार की है, इतना काम इससे पहले कभी नहीं हुआ था।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने एक सप्लीमैंटरी के जवाब में बताया कि 12 करोड रूपया देहातों

में नई सडकें बनाने के लिए खर्च किया गया है। मैं उनसे इस बारे में डिस्ट्रिक्टवाइज डिटेल जानना चाहूंगा कि कौन कोन से डिस्ट्रिक्ट में मार्किटिंग बोर्ड ने कितनी कितनी लम्बी सडकें बनाई हैं। इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन है जिसके तहत जितना आमदनी मार्किट फीस से एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड को होती है उसमें से कम से कम आधा पैसा अलग से रख करके एक रिवोलविंग फंड क्रिएट किया जाए ताकि किसानों को एग्रीकल्चरल इम्पलीमैंटस पेस्टीसाईडज फर्टीलाईजर और सीडज पर सबसिडी दी जा सके।

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इनके पहले सवाल के जवाब में तो मैं यही कहना चाहता हूं कि ये इसके लिए अलग से नोटिस दे दें क्योंकि इस वक्त मैं यह नहीं बता सकता कि सारी स्टेट में किस किस जिले में मार्किट कमेटीज द्वारा सडकें कहां कहां पर कितने कितने किलोमीटर बनाई गई हैं। दूसरा सवाल इनका रिवाल्विंग फण्डज के बारे में हैं। इस बारे में उन्होंने पहले भी एक क्वै चन किसी दिन किया था। रिवाल्विंग फण्ड के बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि जो हमारा मौजूदा एक्ट है उसके तहत हम रिवोल्विंग फण्ड नहीं दे सकते, यह हमारी दिक्कत है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक सवाल तो मेरा यह है कि भिवानी जिले में मार्किटिंग बोर्ड द्वारा कितेन किलोमीटर रोडज बनाई गई हैं और उन पर कितना पैसा खर्च किया गया है।

दूसरा मैं इनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि ज्वायंट पंजाब के वक्त 1963–64 में तकरीबन 8–10 एकड जमीन में लाखों रूपये खर्च करके बवानी खेडा में सबयार्ड बनाया गया था जबकि उस वक्त तो इल्ड भी अधिक नहीं थी। अब वहां पर कुछ इलाके में पानी होने की वजह से ईल्ड भी अधिक होती है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या ये वहां पर मार्किट कमेटी बनाने के लिए तैयार हैं ?

श्री अध्यक्षः आपका यह सवाल मेन सवाल से संबंधित नहीं है।

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, आपकी बात ठीक है कि यह सवाल इस मेन सवाल से कोई ताल्लुक नहीं रखता फिर भी मैं आपकी आज्ञा सें इनको बताना चाहता हूं कि भिवानी जिले की मार्किट कमेटियों की आमदनी सबसे कम है। जुई मार्किट कमेटी की एक साल की आमदनी 17000 रूपये है और बहल मार्किट कमेटी की एक साल की आमदनी 30000 रूपये है जबकि इस आमदनी से वहां के स्टाफ का खर्चा भी नहीं निकलता। स्टाफ का खर्चा मार्किटिंग बोर्ड से लोन लेकर चलाना पडता है।

श्री जिले सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि 12 करोड रूपया नई मंडियों पर और साढे चार करोड रूपया पुरानी मंडियों के विकास पर खर्च किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय के ध्यान में लाना

चाहता हूं कि मेरे ध्यान में 5–7 मण्डियां ऐसी हैं जो 5–7 साल पहले बनाई गई थी जैसी बेरी, घरोण्डा, झज्जर, कोसली आदि। इन मण्डियों में सीवरेज और वाटर सप्लाई की सुविधा न होने की वजह से हालात बहुत खराब है। मैं चाहूंगा कि सरकार नई मण्डियां बनाने की बजाये जो पुरानी मण्डियां पहले बन चुकी हैं। उनके विकास पर अधिक ध्यान दें ताकि उनमें वाटर सप्लाई सीवरेज आदि की सुविधा हो सके। क्या सरकार मेरे इस सुझाव पर गौर करके पुरानी मण्डियों को डिवैल्प करने पर विचार करेगी ?

श्री हरपाल सिंहः मैंने पहले भी बताया है कि पुरानी मण्डियों पर जो साढे चार करोड रूपया खर्च किया जा रहा है वह इसलिए खर्च किया जा रहा है कि उन मण्डियों में जो अधूरे काम पडे हैं, वे पूरे हो सकें। साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहता हूं कि रोहतक जिला, सोनीपत जिला और दिल्ली के आसपास की जो मण्डिया हैं, उनकी सारी फसल इन मंडियों में न जाकर, दिल्ली में बिकती है जिसकी वजह से मार्किटिंग बोर्ड को काफी घाटा उठाना पड रहा है। अब की बार तो फसल को कहीं पर भी लाने ले जाने पर बैन न होने की वजह से पानीपत और करनाल तक की फसल भी दिल्ली में जा कर बिकी है। इस बारे में मेरा सभी एम0एल0एज0 साहेबान से अनुरोध है कि वे ऐसी कोई सुजै ान सरकार को दें जिससे इन मंडियों का विकास हो सके।

श्री के0एल0 भार्मः स्पीकर साहब, अभी माननीय मंत्री जी ने बताया है कि मार्किटिंग बोर्ड द्वारा 565 किलोमीटर लम्बी सडकों को बनाया जा चुका है। वर्श 1991–92 में मार्किट कमेटी के पास जितना भी बजट था उसमें से एक किलोमीटर सडक भी नहीं बनाई गई और सारा बजट लैप्स हो गया। मैं इस बारे में मार्किटिंग बोर्ड के चेयरमैन से भी मिला था। मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि हमारे भााहबाद की सडकों का मुहर्त कब होगा ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, भार्मा जी अभी रिसैन्टली हमारे पास आए हैं, इनकी सडकों को मुहर्त भी जल्दी ही कर दिया जाएगा। (हंसी)

श्री रामपाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने कहा है कि वर्तमान एक्ट के तहत रिवाल्विंग फण्ड बनाये जाने का कोई प्रावधान नहीं है। मार्किटिंग फीस को किसानों के हित के लिए इस्तेमाल करने के बारे में मैं चाहूंगा कि इस ऐक्ट में अमैंडमैंट लाई जाए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस ऐक्ट में अमैंडमैंट करके मार्किट बोर्ड की फीस से रिवाल्विंग फण्ड किसानों के लिए बनाए जाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं, यदि नहीं तो क्या ऐक्ट में अमैंडमैंट करके रिवाल्विंग फण्ड बनाए जाने पर सरकार विचार करेगी ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मार्किट कमेटी के फण्डज आल रेडी किसानों के वैल्फेयर के लिए खर्च होते हैं इसलिए मैं इस बात की कोई आव यकता नहीं समझता कि इस ऐक्ट को अमैंड किया जाए।

श्री के0ए0ल भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल के जवाब में मंत्री महोदय ने कहा है कि ये रिसैंटली आए हैं, इस वजह से मेरी सडकों का मुहूर्त बाद में निकालेंगे। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो सदस्य विपक्ष के हैं, क्या उनकी सडकों को मुहूर्त कभी नहीं निकलेगा ?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, वह तो मैंने भार्मा जी को मजाक में कहा था। इनकी सडकों का जो बैकलोग है हम उसको जल्दी ही पूरा कर देंगें।

सरदार जसविन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि मार्किट कमेटीज का पैसा किसानों के भले के लिए खर्च होता है। पेहोवा हल्के में मेरा गांव है जिसकी 6200 एकड जमीन है और सबसे ज्यादा मार्किट फीस मेरे गांव से जाती है। 1970 से पहले वहां पर एक लिंक रोड बना था लेकिन उसके बाद कोई सडक नहीं बनाई गई। मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो गांव सबसे ज्यादा मार्किट फीस दे कया उसी के रकबे और आबादी को देखते हुए ज्यादा पैसा उसी इलाके पर खर्च किया

जाए जहां से ज्यादा पैसा फीस के रूप में आता है क्या इस बारे में सरकार विचार करेगी ?

श्री हरपाल सिंहः जो बात जसविन्द्र सिंह जी ने पूछी है उसके बारे में भाायद उनके नोटिस में नहीं है। हम स्ट्रिक्टली ज्यादा पैसा वहीं पर खर्च करते हैं जहां से ज्यादा मार्किट फीस आती है। जो कमेटी रैजोल्यू ान पास करके भेजती हैं, मार्किटिंग बोर्ड उसके मुताबिक पैसा बजट में दे देता है इसमें कोई दिक्कत नहीं है।

Widening of Roads from Yamunan Nagar to Karnal via Gumthala etc.

***523. Sh. Lehri Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to wide the road from Yamuna Nazgar to Karnal via Jathlana, Gumthala. Garhi Birbal from Radaur to Jathlana and Radaur to Gumthala; if so, the time by which the said roads will be widened?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): इन तीनों सडकों में से किसी को भी चौउा करने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर सर, अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि तीनों सडकों में से किसी भी सडक को चौडा करने का विचार नहीं है। यमुना नगर से करनाल तक जो रोड जाता है इस पर जठलाना मण्डी गुमथला मण्डी घीड मण्डी

गढी बीरबल अनाज मण्डियां पडती हैं। ये मेर रोडज हैं और इन पर इतना ट्रैफिक है जिसको कोई हिसाब नहीं। इतने भारी ट्रैफिक पर चलना किसानों के लिए काफी दुखदायी है। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि ट्रैफिक की अधिकता को देखते हुए क्या इस सडक को टेकअप करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने माननीय साथी की बात से सहमत हूं कि सडक पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा है और यह रोड एक दूसरे गांव को मिलाती हैं। यह रोड न तो स्टेट हाईवे है और न ही डिस्ट्रिक्ट रोड है, यह सारी की सारी लिंक रोड है। इसके साथ ही साथ मैं इनको यह भी बताना चाहूंगा कि इसके साथ ही थोडी दूरी से यमुना नगर करनाल स्टेट हाईवे गुजरती है। मेरे माननीय साथी ने बताया है कि इस सडक पर जठलाना, गुमथला, गढी बीरबल आदि मण्डियां पडती हैं। यह सडक 93.95 किलोमीटर लम्बी है। यह बहुत ज्यादा लम्बी लिंक रोड है इसलिए इसको 12 फुट से 18 फुट चौडा करने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास इस समय नहीं है। इस सडक पर 110 लाख रूपये की लागत आने की संभावना है। धन का अभाव होने की वजह से फिलहाल इसको बनाना असम्भव है।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी खुद मानते हैं कि 53 किलोमीटर लम्बी सडक है तो यह लिंक रोड कैसे हो गई ? जैसे कि मैंने बताया कि 6 मण्डियां इस पर हैं और किसान

अपना अनाज लेकर जाते हैं। यह कोई लिंक रोड नहीं है यह तो मेर रोड है। यह यमुना के किनारे किनारे जाती है और बहुत बढिया रोह है कम से कम इसको तो इन्हैं टेकअप करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय चाहें फंड की कमी है लेकिन फिर भी क्या मंत्री जी इस सडक के लिए फंड का प्रावधान करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, इस सडके के पैरलल दूसरी स्टेट हाई वे सडक है इसलिए इसको चौडा करने की जरूरत नहीं है।

श्री के0एल0 भार्माः अध्यक्ष महोदय, भााहबाद जी0टी0 रोड से जो बबैन को सडक जाती है उस पर भूगर मिल भी पडती है। किसान भाई वहां पर गन्ना लेकर जाते हैं और ज्यादा ट्रैफिक होने की वजह से रोड बंद हो जाती है और किसान भाईयों को असुविधा होती है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इसको चौडा करने का पहले भी एस्टीमेट तैयार हुआ था ? क्या अब इसको चौडा करने का सरकार के पास कोई प्रावधान है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, एक दिन पहले भी यह सवाल आया था। सरकार का इसको वाईडन अप करने का प्रावधान है और तीन फेसिज में पूरा किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, तीन फेजिज में हम इसको पूरा कर देंगे।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल कल भी आया था और लिस्ट में सबसे पीछे लगा था आज भी मेरा सवाल सबसे

पीछे लगा है। मेरा कल का सवाल था कि असराना पुरखा और हरिपुरा के लिए दो मील की सडक है। वहां पर गांव वालों को 20 किलोमीटर का चक्र डालकर फतेहाबाद जाना पडता है जिससे सभी को बडी भारी परे ाानी होती है। अध्यक्ष महोदय, सभी को 20–20 किलोमीटर घूमना पडता है, अगर यह दो किलोमीटर की सडक बन जाएगी तो उनको काफी फायदा होगा। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वे 93–94 तक इस सडक को बना देंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, यह आज का सवाल नहीं है कल का है और मैं कल इसका जवाब दे चुका हूं।

Illegal Possessionof the Land

***546. Sh. Daryao Singh Rajora:** Will the Minister of State for Local Govt. be pleased to state-whether any case of illegal possession of the Municipal Committeed Land (between Yadav Dharamshala and Petrol Pump) in Jhajjar Cantt. has come to the notice of the Govt; if so, the details thereof; togetherwith the action taken to get the said land vacated ?

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चोधरी धर्मबीर गाबा): यादव धर्म ाला और पैट्रोल पम्प के बीच में कच्चे रास्ते पर कुछ अवैध कब्जे ध्यान में आये हैं। रास्ते के अधीन भूमि का अभी तक नगरपालिका के नाम इन्तकाल नहीं हुआ है। इस रास्ते के अधीन भूमि खसरा नम्बर 1134 की मालिक बनने के लिए इस रास्ते का

अवैध कब्जा हटवाने के लिए नगरपालिका द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

उस कच्चे रास्ते का खसरा नंबर 1134 है। अवैध कब्जे को हटाने के लिए हिदायत जारी कर दी गई है, ज्यों ही इन्तकाल कमेटी के नाम होते हैं यह कब्जे हटा दिए जाएंगे।

श्री दरियाओं सिंह रजौराः यह कब्जे कब तक हटवायेंगे ?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मैंने अर्ज किया है कि ज्यों ही इंतकाल कमेटी के नाम हो जाएंगे त्यों ही कब्जे हटा दिये जाएंगे लेकिन जब तक इंतकाल म्युनिसिपल कमेटी के नाम नहीं हो जाता उसकी मलकियत नहीं मिलती तब तक हम कब्जा हटाने का काम नहीं कर सकते।

श्री दरियाओं सिंह रजौराः अध्यक्ष महोदय, म्यूनिसिपल कमेटी के नाम यह इंतकाल कब तक करा लेंगे ?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, हमने इस बारे में इंस्ट्रक ान दे दी हैं, जल्दी से जल्दी म्युनिसिपल कमेटी के नाम इंतकाल कर दिया जायेगा। कब्जा हटवाने के लिए पहले ही म्युनिसिपल कमेटी द्वारा कार्यवाही चल रही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि पलवल भाहर में कुछ भाामलात

जमीनों के इंतकाल म्युनिसिपल कमेटी के नाम दर्ज किये गये हैं। इस संबंध में प्रो0 सम्पत सिंह ने भी और मैंने भी एक सवाल उठाया था कि सरकार की भाह के कारण मुख्य मंत्री के रि तेदारों ने वहां पर दुकानें बनायी हैं। मंत्री जी इन दुकानों पर से कब्जे कब तक हटवाने की कृपा करेंगे ?

Mr. Speaker: This question does not arise out of it.

Surplus Land

***520. Sh. Mani Ram Keharwala:** Will the Chief Minister be pleased to state-the total acreage of un allotted surplus land as on 1-1-1993 in District Sirsa and the time by which it is likely to be allotted ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): जिला सिरसा में 1.1. 1993 को 782 एकड अवि0तरित अन अलाटिड सरप्लस भूमि थी। 747 एकड भूमि जो कि भिन्न भिन्न न्यायालयों द्वारा दी गई स्टे के अधीन है, को छोडकर बाकी 35 एकड भूमि लगभग एक माह तक वितरित कर दी जायेगी।

अध्यक्ष महोदय, इस प्र न के जवाब में थोडी सी गलती है इसलिए इस उत्तर को थोडा ठीक कर लें। इसमें जो फिगर्ज दी हैं वह 782 के बजाये 864 एकड अतिरिक्त अवैध भूमि है। 864 एकड भूमि जिस पर विभिन्न न्यायालयों द्वारा स्टे दिया हुआ है को छोडकर बाकी 117 एकड भूमि है जो लगभग एक माह में लोगों को बांट दी जाएगी।

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि देवीलाल वल्द लेखराम चौटाला, देवीलाल वल्द झुंडू राम गांव भुर्टवाला, मनीराम और मोहन लाल झीरड मिटटी सुरेरा, सेठ नन्द लाल, गनेरीवाला फतेहपुरिया गांव में कितनी जमीन सरप्लस है इसके बारे में मुख्यमंत्री जी बतायें ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस समय मेरे पास व्यक्तिगत नाम नहीं हैं बल्कि गांव की लिस्टें हैं कि सिरसा सब डिवीजन में कितने गावं में कितनी सरप्लस जमीन है ऐलनाबाद और डबवाली में कितनी सरप्लस जमीन है। जहां तक चौटाला गांव का ताल्लुक है, उस गांव में 50 एकड सरप्लस जमीन है, जिसमें से 20 एकड जमीन पर लोगों ने स्टे ले रखा है। 30 एकड जमीन दीवान खेडा में है। पांच एकड जमीन निकली हुई है। इसके अलावा लम्बी में 82 एकड जमीन है जो देवी लाल के परिवार की है, उसमें भी 117 एकड जमीन ऐसी है जो कि सरप्लस है। इस सरप्लस जमीन को एक महीने में गरीब लोगों को बांट दिया जायेगा।

चौधरी फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के नोटिस में यह बात है कि सरप्लस रकबा तो एलाट हो गया है लेकिन जिस गरीब आदमी को यह रकबा ऐलाट हुआ है उसको उस जमीन का मालिक कब्जा नहीं करने देता ? उस जमीन के

मालिक दोबारा से अपनी जमीन पर कब्जा कर लेते हैं। ऐडमिनिस्ट्रे ान भी कई बार इस मामले में निश्क्रिय रहता है। क्या सरकार कोई ऐसा कदम उठायेगी जिससे जो जमीन गरीब आदमी को एलाट हो गयी है उसको मिल सके ? लेकिन उसके मालिक ने दोबारा से कब्जा कर लिया है, क्या सरकार उस गरीब आदमी को उस सरप्लस जमीन पर कब्जा दिलाएगी ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, स्टेट में केवल 121409 एकड सरप्लस भूमि थी जिसमें से 113124 एकड जमीन 1.4.92 तक ऐलाट हो चुकी है और जैसा कि मैंने कहा कि 14500 एकड जमीन ऐसी है जो कि कोर्ट में स्टे में है। हमारा अनुमान है कि यह मुकदमें भी जल्दी ही खत्म हो जाएंगे और हमें आठ हजार एकड जमीन जल्दी ही उपलबध हो जायेगी। इसके अलावा 1.4.92 से 31.3.1993 तक 650 एकड भूमि हम ऐलाट कर देंगे। इस सरकार ने आते ही कोर्ट से रिकवैस्ट की है कि इन मुकदमों को जल्दी से जल्दी निपटाया जाए। 650 एकड में से 268 एकड रकबा उन लोगों को दिया जायेगा जो इसके हकदार बनते हैं। इस तरह से स्टेट में 31145 लोगों को फायदा हुआ है जिसमें से 17685 ि ाडयुल्ड कास्टस के लोग हैं जिनको कि इससे लाभ हुआ है।

Mr. Speaker: Question hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के

लिखित उत्तर

Posts lying vacant in Govt. Colleges/Schools in the State

***550. Dr. Ram Parkash:** Will the Minister for Education be pleased to state-the number of teaching posts of different categories (JBT, C&V., PTI, Masters, Lecturers, Headmasters, Principals (etc.) are lying vacant as at present in Govt. Colleges/Schools in the State and since when ?

अंतरिम उत्तर

अ0स0प0क्र0 8/1/93–ि ा0 111(5)

" ाान्ति राठी

ि ाक्षा मन्त्री,

हरियाणा, चण्डीगढ़।

दिनांकः 5.3.93

विशयः तारांकित विधान सभा प्र न नं0 550, जो दिनांक 10.3.93 को उत्तर देने के लिए लगा हुआ है।

उपरोक्त वर्णित तारांकित प्र न क्रमांक 550 ि ाक्षा विभाग के महाविद्यालयों/विद्यालयों में विभिन्न वर्गों (जे0बी0टी0, सी0 एण्ड वी0, पी0टी0आई0, मास्टरस, प्राध्यापक, मुख्याध्यापक, प्रधानाचार्य इत्यादि) के रिक्त पदों के बारे में सूचना उपलब्ध करवाने से संबंतिध है। यह सूचना सरकार के स्तर पर तत्काल

उपलब्ध नहीं हैं तथा इसे एकत्रित करने में लगभग एक मास का समय लग जायेगा। इन परिस्थितियों में इस प्र न का उत्तर दिनांक 10.3.93 को दिया जाना संभव नहीं हैं अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि इस प्र न का उत्तर देने के लिए सरकार को एक मास का समय देने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

भवदीया,

(ाान्ति राठी)

श्री ई वर सिंह,

अध्यक्ष,

हरियाणा विधानसभा,

चण्डीगढ़।"

Recruitment of Constables

***543. Sh. Pir Chand:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any recruitment of constables in Police Department has been made during the period from 1st June, 1991 to 1st February, 1993; if so, the number thereof, together with the numbher of persons belonging to Scheduled Casted amongst them; and

(b) whether there is any short fall in the reservation quota; if so, the reason therefor ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां। दिनांक 1.6.1991 से 1.2.1993 तक पुलिस विभाग में 4218 सिपाही भर्ती किये गये थे, जिनमें से 718 अनुसूचित जाति के हैं।

(ख) इनमें 125 सदस्यों की कमी है (2.75प्रति ात) जो कि अनुसूचित जाति के सदस्य उपलब्ध न होने के कारण हुई थी। उक्त कमी को पूरा करने के लिए आने वाली/आगे होने वाली भर्ती में सभी प्रयास किये जायेंगे।

Firing Incident

***403. Sh. Amar Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-whether any firing incident took place on (J.E.) an employee of the Irrigation Department at R.D. 26 of Siwani Minor on 27th December, 1992 if so, the details thereof ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): जी हां। इस संबंध में मुकदमा नं0 20 दिनांक 7.1.1993 धाराधीन 379/430/332/353/285/34 भा0द0स0 थाना सदर हिसार श्री छत्तर लाल, जे0ई0 सिंचाई विभाग के बयान पर औम प्रका ा पुत्र भागीरथ, राजाराम पुत्र भागीरथ, राम कुमार पुत्र भजन लाल तथा राम सिंह पुत्र पतराम के विरूद्ध दर्ज किया गया। वे अपने खेतों में

पाईप से अनाधिकृत रूप से पानी दे रहे थे। जब जे0ई0 ने उनसे ऐसा ना करने के लिए कहा तो औम प्रका ा ने अपनी बंदूक से हवा में गोली चलाई तथा जे0ई0 को धमकी दी कि यदि उसने उन्हें रोका तो इसका परिणाम अच्छा नहीं होगा। गोली के चलने पर कोई घायल नहीं हुआ।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Auction of Shops

93. Sardar Jaswinder Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-whether it is a fact that the shops of Grain Market Gumthalagarhu and Ajrana Kalan of Distt. Kurukshetra have not been auctioned so far; if so, the reasons thereof, togetherwith the time by which the aforesaid shops are likely to be auctioned ?

Agriculture Minister (Sh. Harpal Singh): Shops at grain market Gumthlagarhu could not be auctioned since the development works are still in progess. The shops will be aucitoned/sold after completion of the development works in the market.

27 shops/plots out of 46 shops/plots have already been sold in New Grain Market, Ajrana Kalan. The date of sale of remaining plots was fixed twice but no purchaser participated in the draw/auction.

Building of Girls Schools, Ajrana Kalan

94. Sardar Jaswinder Singh: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether the building of Girls Ajrana Kalan of Distt. Kurukshetra has been declared unsafe; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a new building for the said school ?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी)

(क) जी नहीं।

(ख) नहीं। परन्तु राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, अजराना कलां के श्रेणी कक्षों की मरम्मत करवा दी गई। तथा एक कमरे के निर्माण का कार्य इस समय प्रगति में है।

विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओं के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा संबंधित सदस्यों को सूचनाएं देना

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मैंने काल अटैं ान मो ान दिया था उसका विशय था कि कुरूक्षेत्र में महिलाएं जब भाराब का विरोध कर रही थीं तो पुलिस ने उनके साथ ज्यादतियां कीं और उनकी पिटाई की।

श्री अध्यक्षः यह साढे नौ बजे आपने दी है और it is under consideration.

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, मेरा भी काल अटैंशन मोशन है। मैंने कल दिया था और वह यह था कि पानीपत में थर्मल प्लांट के आसपास के गांव आसन घघराना, लोहारी में बहुत प्रदूशण हो गया है।

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, आपकी काल अटैंशन मोशन 11 तारीख के लिए एडमिट की गई है। आप उसी वक्त बोलना।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैंने भी कल एक काल अैंशन मोशन दिया था। उसमें हिसार में 38 खून बेचने वाले लोगों के खून के नमूनों का टैस्ट हुआ। उनमें से पांच में एडज के कीटाणु मिले हैं।

Mr. Speaker: It is admitted for 12th March, 1993.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, दूसरा काल अटैंशन मोशन यह दिया था कि हरियाणा में 15 मंत्री और 2 कांग्रेस के एम0पीज0 ने आवासीय मकान जमीन खरीदनें बेचने और मकान बनाने के लिए एक सोसाइटी बनाई which they cannot do, Sir.

Mr. Speaker: It is under consideration.

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, कल मैंने एक काल अटैंशन मोशन दिया था। उसमें रिवाडी, लोहारू, महेन्द्रगढ एवं रोहतक जिले में पाला पडने व ओला वृश्टि से चने और सरसों की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

श्री अध्यक्षः आपकी काल अटैं ान मो ान 12 तारीख के लिए एडमिट की गई है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, मैंने 9 बजने में 10 मिनट पर आपको काल अटैं ान मो ान दिया था कि चार हजार आदमियों को बेघर कर दिया।

Mr. Speaker: It is under consider.

श्री अमर सिंहः दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि मंत्रीगण अगर कोआप्रेटिव सोसायटीज बनाकर मकान बेंचेंगे, फिर तो कोई बात रह नहीं जाती। वे तो प्रोपर्टी डीलर बन गए मंत्री नहीं रहे।

श्री अध्यक्षः मैंने पहले ही सम्पत सिंह जी को कह दिया है कि इस मामले पर काल अटैं ान मो ान अंडर कंसीड्रे ान है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैं ान मो ान दिया था। पलवल कांस्टीच्युऐंसी में घतीर बधोला अहरना और केराना बडे बडे गांव हैं जहां जानवरों के लिए पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है।

Mr. Speaker: Dalal Sahib, it has been disallowed.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा विभिन्न मन्त्रियों द्वारा दिए गए संक्षिप्त वक्तव्य–

(1) हरियाणा के मन्त्रियों/सांसदों द्वारा बनाई गई हरियाणा आद र्ा जन प्रतिनिधि को आप्रेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटिड, पंचकूला के पंजीकरण सम्बन्धी

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि दो एम0पी0 और पन्द्रह मिनिस्टर्ज ने एक कोआप्रेटिव सोसायटी बनाई है। क्या ये मिनिस्टर्ज अब प्रापर्टी डीलर का काम करेंगे और क्या इन का मिनिस्ट्री से ..... नहीं भरा ?

श्री अध्यक्षः मैंने आपको पहले ही यह कह दिया है कि वह काल अटैंान नोटिस अंडर कंसीड्रेान है।

श्री धर्मपाल सिंहः स्पीकर साहब, प्राईवेट कौलिजिज के टीचर्ज ने एग्जामिनेान का बाईकाट का आवाहन किया है इस बारे में एक काल अटैंान मोान दिया था, उसका क्या हुआ ?

Mr. Speaker: Dharam Pal Singh Ji, it has been disallowed. So far as the question of Call Attention Motion give by Sh. Sampat Singh is concerned, it is still under consideration. You all please sit down, (Noise & Interruptions).

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन से कहना चाहूंगा कि सोसायटी बनाने का हर व्यक्ति को अधिकार है, इसमें एम0एल0एज0 भी और एम0पीज0 भी भाामिल हैं और वे भी कोआप्रेटिव सोसायटी बना सकते हैं। यहां पर जिक्र किया गया कि उस सोसायटी में पन्द्रह मिनिस्टर और दो एम0पीज0 हैं। स्पीकर साहब, कोई अगर सोसायटी

बनाकर बेईमानी करे या कोई गडबड करे तो बहुत बुरी बात है। स्पीकर साहब, कोई पार्टी ऐसी नहीं मिलेगी जिसके एम0पीज0 ने इस तरह की सोसायटी न बना रखी हो। मैंने सैंटर में देखा है कि वहां पर बहुत से एम0पीज0 ने सोसायटीज बना रखी हैं। स्पीकर साहब, ये लोग सोसायटीज के नाम से जमीन ले लेते हैं और फिर सौ सौ, दो दो सौ गज के प्लाट काट कर उन पर अपने मकान बना लेते हैं। इस तरह से अगर लोगों को मकान के लिए प्लाट मिल जाएं तो इसमें बुराई क्या है ? वह जो सोसायटी बनाई गई है इसका नजरिया यह है कि दिल्ली के आसपास या चण्डीगढ के आसपास जमीन मिल जाए उस जमीन में सौ या दो सौ गज के प्लाट काट कर मकान बना लिए जाएं या ग्रुप हाउसिंग स्कीम के अंडर जमीन मिल जाए। ये लोग सारी डिवैल्पमैंट अपने पैसे से करेंगे। आम लोगों ने भी सोसायटीज बनाई हुई है। चपरासी से लेकर बडे से बडे अफसरों ने सोसायटीज बनाई हुई है। इसलिए स्पीकर साहब, जमीन लेना कोई पाप नहीं है। यूं ही किसी बात को उछालना कोई भाोभा की बात नहीं है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा कि कोआप्रेटिव सोसायटी बनाकर जमीन लेना कोई पाप नहीं है। स्पीकर साहब, अब मैं प्राईवेट कोलोनाईजे ान का जो बखेडा सरकार ने भाुरू कर रखा है उस बोर में कहना चाहूंगा। पिछले दिनों हांसी की जमीन कौडियों के भाव की जिसको लोग लेने के लिये तैयार नहीं थे, 7–7 लाख रूपये पर एकड के हिसाब

से बिकी। उस पर प्राईवेट कालोनाइजर्ज ने कोलोनीज बनानी भाुरू कर दी। अगर इस तरह से किसानों की जमीनें हडपने की कोि ा ा की गयी तो फिर अनाज कहां पर पैदा होगा अनाज तो फिर छतों पर पैदा होगा। जमीन नहीं मिलेगी। अगर इस पर रोक लगेगी तो इससे किसानों की इन्कम भी बढेगी। इसलिये मेरा एक सुझाव है, जैसा कि चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि यह काम सरकार को हुडडा और हाऊसिंग बोर्ड जैसे सरकारी विभागों द्वारा करवाना चाहिये ताकि उन पर हर प्रकार से चैक एण्ड बेलैसिंज भी रहे। हर तरह से उनके ऊपर निगरानी भी रहे। गलत काम करने पर उनकी जवाबदेही भी की जा सके अगर निगरानी नहीं होगी तो जो कोलोनाइजर हैं वह पैसा देकर के बच जाएगा। चाहे वह पांच हजार रूपये गज या 10 हजार रूपये गज के हिसाब से जमीन बेचे उसको कोई पूछने वाला नहीं। इसलिये सरकार को यह काम अपने लैवल पर हुडडा व हाऊसिंग बोर्ड की ही होनी चाहिये। प्राईवेट कोलोनाइजर्ज से यह काम सरकार को अपने हाथ में ले लेना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय, आप जाकर देखें गुडगांव जिले में, आप जाकर देखें फरीदाबाद जिले में आप जाकर देखें खुद के जिले सिरसा में और आप जाकर देखें हिसार जिले में, सारे प्रदे ा मके लोगों के साथ उन लोगों ने बडे जुल्म और ज्यादतियां की हैं। इतनी ज्यादतियां और जुल्म किए हैं उसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। उन लोगों ने बहुत सारी जमीनों पर नाजायज कब्जे

किए हैं। जो मु तरका मालिकान जमीन होती है उस पर सारे गांव के लोगों का हक होता है लेकिन चौधरी देवी लाल के परिवार ने प्रदे ा के अन्दर मु तरका मालिका की जमीन को पंचायत के नाम ट्रांसफर करवा करके और पंचायतों से प्रस्ताव पास करवा करके बहुत सस्ते दामों पर फर्जी बोली दिखा करके 15–15 और 20–20 हजार रूपए एकड के हिसाब से हजारों एकड जमीन अपने रि तेदारों के नाम और दूसरे लोगों के नाम बेनामी करवा करके 5–5 और 6–6 लाख रूपए एकड के हिसाब से बेच दी। ऐसा जुल्म और अन्याय आपको कहीं पर भी देखने को नहीं मिलेगा। यह नहीं प्रदे ा के अन्दर कोई मकान, कोई जगह, कोई जमीन ऐसी नहीं जिस पर उस परिवार ने नाजायज कब्जा न किया हो और एक जगह नहीं कई जगह पर तो उन्होंने स्कूलों और अस्पतालों पर भी नाजायज कब्जे कर लिए। यही नहीं यदि कोई भाई अपने मकारन को ताला बंद करके 15–20 दिन के लिए गांव से बाहर चला गया या भाहर से बाहर चला गया तो उसका ताला तोड करके उसमें बैठ गए। इतना जुल्म और अन्याय इन लोगों ने प्रदे ा की जनता के साथ किया है। इन्होंने प्रदे ा के अन्दर किसी भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं रखी। इनके समय में प्रदे ा के अन्दर किसी भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। प्रदे ा में कोई भी बहन बेटी दिन छिपने के बाद अपने घर से बाहर नहीं निकल सकती थी। इन्होंने इस तरह का माहौल पैदा किया हुआ था। इन लोगों ने ग्रीन ब्रिगेड के गुण्डों को बाकायदा कार्ड दिए हुए थे और उन गुण्डों को यह कह रखा था कि अगर

कोई अफसर आपसे पूछे तो यह कार्ड दिखा देना। इन लोगों ने इस तरह का माहौल पैदा कर रखा था। हमने यह फैसला किया है और प्रदे ा के अन्दर हम कानून व्यवस्था ऐसी बनाने जा रहे हैं कि कोई भी बदमा ा आदमी किसी भी बहन बेटी की तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकेगा। अगर कोई बहन बेटी रात के 12.00 बजे भी अपने घर से बाहर जाएगी तो कोई भी बदमार ा आदमी उसकी तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकेगा। यदि कोई बदमा ा कुछ कहेगा तो उसकी जगह जेल में होगी उसकी जगह किसी भाहर में या गांव में नहीं होगी। ऐसे बदमा ा लोगों की अगर कहीं पर जगह है तो वह जेल मे है। अध्यक्ष महोदय, हम ऐसा इन्तजाम करेंगे ताकि हर बहन बेटी की इज्जत बने। हम ऐसा इन्तजाम करेंगे जिससे बहन बेटी की भाान बने। ये कहते हैं कि अब भी कोई गैंग बनी फिरती है। मैं कहता हूं कि दिन में तो लोग ग्रीन ब्रिगेड के लोगों को पहचान लेते हैं इसलिए वही लोग अब किसी और गैंग के नाम से बन गए हैं। कहीं कच्छा गैंग बन गई है, कहीं कहते हैं कैंटर गैंग बन गई है। वही ग्रीन ब्रिगेड के लोग दूसरे लोगों को बदनाम करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय अब 15 दिन के अन्दर अन्दर हम उनका इलाज कर देंगे। यदि 15 दिन के बाद हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कोई गैंग, कोई गुण्डा, कोई बदमा ा बदमा ाी करता हुआ मिल जाए तो कहना भजन लाल क्या कह रहा था। ऐसा इलाज कर देंगे कि पूरे प्रदे ा के अन्दर अमन हो जाएगा। हमारी पूरी कोि ा ा है कि हमारे प्रदे ा के अन्दर अमन और भाांति हो। यदि कोई सरकार

किसी बहू बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं रख सकती तो वह कोई ग सरकार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला कहते थे कि वह मुख्य मंत्री क्या है जिसका नाम रात को यदि सोये हुए व्यक्ति के सपने में आ जाए और वह बहक करके और चमक चमक करके चारपाई से नीचे न पडे। उनकी यह बडी भारी बात है और बडा नाम कमाया चौटाला साहब ने। अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा का मुख्य मंत्री वह होना चाहिए जिसका नाम याद आने पर आराम से नींद आ जाए और वह यह समझे कि तेरी जान माल को कोई खतरा नहीं है। तेरी इज्जत महफूज है। तेरे सामने कोई देखने वाला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप सभी रोजाना अखबारों में पढते थे, रोजाना पब्लिक मीटिंग में चौटाला ने यह बात कहीं कि वह आदमी ही क्या जिसके नाम से हजारों चौंक न पडें। ऐसा मुख्यमंत्री होना चाहिए जिसके नाम से हजारों आदमी चौंक जाएं। क्या ऐसा राज ज्यादा दिन चलेगा ? अध्यक्ष महोदय, हम लोगों के चुने हुए सेवक हैं इसलिए हमारा यह कर्त्तव्य बनता है कि हम लोगों की सेवा करें हमारा कर्त्तव्य यह नहीं है कि हम लोगों के साथ ज्यादती जुल्म और अन्याय करें और लोगों के साथ लूट खसूट करें। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जब चौधरी सम्पत सिंह हाउस में बोल रहे थे तो कह रहे थे कि आप कोई सबूत बताएं। मैं कहता हूं कि अगर कोई एक सबूत हो तो बताएं, पूरे महाभारत की पोथी आपकी बनने वाली है। आपने जो कारनामे किए हैं उनकी महाभारत से भी बडी पोथी आप लोगों की बनेगी। हम किस किस का गुनाह बताएं ? यदि आपने प्रदे ा के अन्दर

कोई एक गुनाह किया हो तो बताएं। इस प्रदे ा में सिपाही से छोटी नौकरी और क्या हो सकती है ? मेरे पास 20 लोगों के ऐफिडैविट आए हैं कि साहब पिछली सरकार ने हमारे से 30–30 हजार रूपए ले लिए और नौकरी लगाए नहीं मेहरबानी करके वह पैसे तो आप हमारे उल्टे दिलवा दें। मेरे पास ऐफिडैविट आए पडे हैं। मैं यह बात सच कह रहा हूं। हम आप लोगों को बताएंगे कि आप लोगों ने प्रदे ा की जनता के साथ क्या क्या बेइन्साफी की है। सिपाही की भर्ती हुई, क्लर्कों की भर्ती हुई, कंडक्टर्ज की भर्ती हुई सभी से पिछली सरकार ने पैसे लिए। केवल यही बात नहीं औफिसर्ज को भी आप लोगों ने प्रदे ा के अन्दर इतना जलील करके रख दिया जिसका कोई अंत नहीं है।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, मैं कोई गलत बात तो नहीं कह रहा हूं। जो सही बात है वही कह रहा हूं। स्पीकर सर, इन लोगों ने प्रदे ा में इस तरह का वातावरण बना दिया जैसे भाखडी में बान्दर चालै सै। इन्होंने ऐसा वातावरण प्रदे ा के अन्दर बनाया कि सारे प्रदे ा का सत्याना ा कर दिया। आज ये कहते हैं कि अफसरों की बदली कर दी। क्या हम ऐसे अफसरों की बदली नहीं करेंगे जिन्हें आपने इतना करप् ान में डुबो दिया जिसका कोई अन्त नहीं है। ये अफसर क्या करेंगे ? अध्यक्ष महोदय, जिले के सब अधिकारी करप्ट कर दिए। फरीदाबाद और गुडगांव इण्डस्ट्रियल एरियाज में जाते थे और कहते थे कि टर्न ओवर पर एक परसैंट हमें मिलना चाहिए। स्पीकर साहब, आप

जानते हैं कि बडी बडी फैक्टरीज की टर्न ओवर करोडों और अरबों रूपयों में होती है लेकिन इसमें घाटा भी हो सकता है। लेकिन इन्हें घाटे से कोई मतलब नीं इन्हें तो टर्न ओवर का एक परसैंट चाहिए। स्पीकर साहब, मेरी जानकारी में है कि एक आदमी बेचारा 10 लाख रूपये लेकर आया और कहा कि मेरे पास तो 10 लाख ही बने हैं तो उसे कहा गया कि यह 10 लाख तो यहां रख दे बाकी कल लेकर आना। उससे दस लाख रूपये भी वहीं रखवा लिए कि कहीं ये भी वापिस न ले जाए। मैं इस बात को साबित कर सकता हूं। उस आदमी ने मुझे खुद आकर बताया था। मुझे यह तो पता नहीं है कि वह आदमी बयान दे सकेगा या नहीं क्योंकि पता नहीं उसके पास पक्का अकाउंट है या नहीं, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन मैं यह बात औन ओथ कह रहा हूं। स्पीकर साहब, उस आदमी ने कहा साहब मैं गया और उसने कहा कि 50 लाख रूपये चाहिएं। मैं बडी मु कल से 10 लाख रूपये का प्रबन्ध कर पाया था। उन्होंने यह नहीं कहा कि ये 10 लाख रूपये वापिस ले जाओ। वह 10 लाख रूपये तो वहां रखवा लिए और कहा कि 40 लाख रूपये कल लेकर आना। उन्हें भाायद यह अन्दे ाा था कि कहीं 10 लाख रूपये ले जाए और फिर वापिस ही न आए। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं इन्हें यह बताना चाहता हूं कि अगर मुझ में कोई कमी होती तो मैं दोबारा यहां नहीं आ सकता था। 4 साल इनका राज रहा है लेकिन इन्हें हमे ाा यही डर लगा रहा कि अगर इनका कोई सियासी दु मन है तो वह चौधरी भजन लाल ही है। मेरे खिलाफ इन्हें जो नहीं करना चाहिए

था वह भी कर के देख लिया जो कोई भी जांच करनी थी वह भी कर के देख ली। दरियापुर में 36 लोग उग्रवादियों द्वारा मौत के घाट उतार दिए गए। यह काण्ड इनका राज बनते ही हुआ था। श्रीमान चौधरी देवी लाल जी यहां पर खडे होकर क्या कहते हैं ? उन दिनों बनारसी दास गुप्ता जी डिप्टी चीफ मिनिस्टर हुआ करते थे, आजकल वे हमारी पार्टी में हैं। सच्चाई कहने में मुझे कोई ऐतराज नहीं है। उन्होंने यहां पर खडे होकर कहा कि यह चौधरी भजन लाल का काम है, इन 36 लोगों के मरवाने में चौधरी भजन लाल का हाथ है। श्रीमान सम्पत सिंह जी ने कहा कि जब हमें पता नहीं चला तो चौधरी भजन लाल को कैसे पता चला और वे सबसे पहले वहां पर कैसे पहुंचे। अरे भाई, मेरा वह जिला है, मेरा गांव है, मेरा घर है तो मुझे कैसे पता नहीं चलेगा ? स्पीकर साहब, मेर गांव का सरपंच बेचारा उस बस में था। फतेहाबाद से मेरे भाई के लडके का टेलीफोन आया कि महमूदपुर गांव का सरपंच उन 36 आदमियों में है जो मारे गए हैं। आप जानते हैं कि दरियापुर फतेहाबाद के पास है। केवल दस किलोमीटर दूर है। ज्यों ही कोई आदमी बस को चलाकर अस्पताल में लाया, सारा भाहर वहां इकटठा हो गया। मेरे पास साढे दस बजे या दस बजे रात को टेलीफान आया। मैंने राजीव गांधी को टेलीफोन किया और कहा कि ऐसा वाक्या हो गया है। छत्तीस आदमी मारे गए और बहुत से जख्मी हो गए हैं। राजीव गांधी ने मुझे आदे ा दिया कि भजन लाल फौरन मौके पर जाओ। मैं वहां से साढे दस ग्यारह बजे चला और डेढ दो बजे के करीब फतेहाबाद पहुंचा। ये

श्रीमान जी कहते हैं कि भजन लाल को कैसे पता लग गया। भजन ला ने उनको मरवाया है इसलिए वह पहुंच गया। स्पीकर साहब, क्या मरवाने वाला सबसे पहले कहीं पहुंचता है ? यह कोई कायदे की बात है ? स्पीकर साहब, आगे ये कहते हैं कि उनको छडियों, दे ाी रिवाल्वरों से मारा गया। मैंने कहा कि खुदा के वास्ते कुछ तो अकल की बात करो। कल को अगर वे असली मुलजिम पकडे जाएं, वे उग्रवादी पकडे जाएं तो उनकी कैद कौन करेगा। स्पीकर साहब, जब प्रदे ा का मुख्य मंत्री यह कहे और प्रदे ा का होम मिनिस्टर यह कहे कि दे ाी पिस्तौल और छडियों तथा लाठियों से लोग मारे गए थे तो क्या कोई मुलजिमों की कैद कर देगा ? इनकी अकल का तो ऐसा दिवाला निकला हुआ है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने कभी यह नहीं कहा कि छडियों या कटटों (दे ाी पिस्तौल) से उनको मारा गया था। बाकायदा यह कहा गया था कि आधुनिक आर्म्ज इस्तेमाल किए गए थे। स्पीकर साहब, यह जो कुछ कह रहे हैं यह सच नहीं कह रहे हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह सब कुछ हाउस के रिकार्ड पर है। मेरे पास कापी है उसकी। कोई कच्ची बात नहीं है। यह सदन है। सदन में जो कहूंगा बिल्कुल ईमानदारी से और सच्चाई से कहूंगा। नहीं तो मेरे खिलाफ प्रिविलिज मो ान ला सकते हैं कोई दिक्कत नहीं है। स्पीकर साहब, मैं तो रिकार्ड की बात कह रहा हूं। दे ा और प्रदे ा की जनता को पता है। मेरे

पास कापी हैं मैं उसको लाकर दिखा दूंगा। वह रिकार्ड में है। स्पीकर साहब, उस रिकार्ड को निकलवाकर देख लेंगे। यह आप लोगों की स्पीच है। स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण बनाने की कोि ा ा की कि कानून नाम की चीज इस प्रदे ा में कोई नहीं रही। रात को किसी की बहू, बहन और बेटी निकल नहीं सकती थी। फिर मण्डल कमी ान पर किस तरह का वातावरण सरकार ने बनाने की कोि ाश की और बसें जलाई गईं। राम बिलास भार्मा ने कल बिल्कुल ठीक कहा। कई इल्जाम उन्होंने सही लगाए। उन्होंने जो कुछ कहा वह ठीक कहा, कोई गलत नहीं कहा। स्पीकर साहब, बनारसी दास पर हमला हुआ। मैं मिलने गया, मेरी गाडी जला दी। स्पीकर साहब, मुझे कोई दुख नहीं आया क्योंकि यह काम सरकार करवा रही थी। कितनी बसें जलाई गईं, कितनी बिल्डिंग्ज जलाई गईं और कितने सरकार मकान जलाए गए कि गिनती नहीं की जा सकती। सरकारी प्रौपर्टी और दूसरे लोगों का बहुत नुकसान हुआ और जो नुक्सान हुआ वह आपके सामने है। जब रक्षक ही भक्षक हो जाए तो वह दे ा और प्रदे ा कैसे चलेगा ? स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण इन लोगों ने बनाकर खडा किया। इन लोगों ने इस प्रदे ा का माहौल इतना बिगाडा कि कुछ कहा नहीं जा सकता। स्पीकर साहब, इस प्रदे ा का नाम सारे संसार में ऊंचा था। हरियाणा प्रदे ा की लोग मिसाल देते थे। इन्होंने इस प्रदे ा का नाम इतना बदनाम करके रख दिया जिसका कोई अन्त नहीं और इसका नतीजा इस प्रदे ा के लोगों ने इनको दे दिया। स्पीकर साहब, इनका राज

पूरे चार साल भी नहीं रहा। क्या यह बिजली इन्होंने चालू की है ? यह बिजली तो हमारी देन है। **एक आवाजः** भोंडसी फार्म वाली बात भी बता दें।

श्री भजन लालः वह तो आप अपने नेता से पूछना। आप चौधरी देवी लाल और ओम प्रका ा चौटाला या सम्पत सिंह से पूछ लेना वे बताएंग आपको। जहां तक हमारे जमीन देने का ताल्लुक है मैंने उनको भाुरू में 25–26 एकड जमीन दी थी। वे एक आश्रम बनाने जा रहे थे। संस्था के लिए कोई ऐसे महानुभाव जमीन मांगे जो दे ा में जनता पार्टी के अध्यक्ष भी रहे हों और एम0पी0 भी रहे हों तो कैसे इन्कार किया जा सकता है। वे बहुत अच्छे इन्सान हैं देवी लाल की तरह से घटिया नहीं हैं और न वे ओम प्रका ा चौटाला की तरह घटिया हैं। मैं उनकी इस बात के लिए तारीफ करता हूं कि उनमें कुछ सिद्धांत हैं, इखलाक हैं। उन्होंने अपनी मां के नाम से आश्रम बनाने के लिए जमीन मांगी थी। मां के नाम से कोई आश्रम बनाए, संस्था के लिए बनाए, और मुख्य मंत्री उसको जगह न दे तो यह अच्छी बात नहीं है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह गलत रजिस्टर हुई है। आप इसके उददे य तो पढिये। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: No please. The Government has clarified the position. The calling attention notice is, therefore, disallowed. (Interruptions). Please take your seat.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्हौंने तो वाक आउट करना है। इसलिए ये भ्ाोर कर रहे हैं ताकि इनका अखबारों में नाम आ जाए।

वाक आउटस

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह गलत रजिस्टर हुई है। हमारी काल अटैं ान मो ान को एडमिट करना चाहिए ताकि सरकार अपनी स्थिति स्पश्ट करें। (व्यवधान व भ्ाोर) अगर आप इसे एडमिट नहीं करते तो हम इसके प्रोटैस्ट में वाक आउट करते हैं।

(इस समय प्रो0 सम्पत सिंह तथा जनता पार्टी के सभी सदस्य सदन से उठकर चले गए।)

11.00 बजे।

श्री बंसी लालः सोसाईटी जिस ढंग से बनाई गई है हम इसको बर्दा त नहीं कर सकते इसलिए एज ए प्रोटैस्ट हम भी वाक आउट करते हैं। कर्ण सिंह दलाल चाहें तो अपनी कालिंग अटैं ान मो ान पढ लें। (विघ्न एवं भ्ाोर)

(इस समय श्री बंसी लाल तथा हरियाणा विकास पार्टी के सभी सदस्य (श्री कर्ण सिंह दलाल को छोडकर) सदन से वाक आउट कर गए।)

प्रो0 राम बिलास भार्मा: सोसाईयटी के मामले पर सरकार अगर पुनर्विचार नहीं करती तो मैं भी इसके विरोध में सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय भारतीय जनता पार्टी के एकमात्र सदस्य प्रो0 राम बिला ा भार्मा भी सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, यह कोई खबर अखबार में छपी है लेकिन मैं इस खबर को पढ नहीं पाया। इस बारे में बडी भारी डिस्क ान भी हुई है और मंत्री जी ने इसको जस्टिफाई भी किया है। अंडर बाईलाज यह ठीक हो सकता है; हो सकता है कि मंत्री जी जस्टिफाईड हों, लेकिन मंत्री हों, चाहे एम0एल0एज0 वे चाहे सत्ता पक्ष के हों, चाहे विपक्ष के हों इनको इस प्रकार के कण्ट्रोवर्ियल मामले में आना वाजिब नहीं है। (विघ्न) स्पीकर साहब, हरियाणा प्रान्त में तकरीबन हर भाहर में हुडडा के बेहतरीन से बेहतरीन प्लाट कटे हुए हैं। मुख्य मंत्री जी अपने डिस्क्रि ानरी कोटे से हर व्यक्ति को एम0एल0ए0 को और किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को बडी आसानी से प्लाट दे सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को प्लाट की दिक्कत है चाहे वह मंत्री है चाहे वह एम0एल0ए0 है अफसर है या जनता का कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति है इनके लिए तो बडी डिस्क्री ानरी रेंज है मुख्य मंत्री जी के पास आपसे मेरी गुजारि ा है कि अच्छी रिवायत कायम करने के लिए जो भी धंधा इन भाईयों ने भाुरू किया है, उसको वे ड्राप कर दें। अगर इनको प्लाटों की जरूरत है तो मुख्य मंत्री जी अपने डी0क्यू0 में से प्लाट

अलाट कर सकते हैं। अगर इस तरह की कोई गलत रिवायत कायम की र्ग तो उसका असर जनता पर बहुत बुरा पडेगा। किसी भी मिनिस्टर या एम0एल0ए0 को इस प्रकार का धंधा नहीं करना चाहिए। चाहे वह कानूनी तौर पर ठीक और जायज ही क्यों न हो, यह मेरी सबमि ान है।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तथा उस पर वक्तव्य–(पुनरारम्भ)

(2) पलवल भाहर के क्षेत्र में पीने के पानी में सीवरेज का पानी मिलने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon'ble members, I have received a notice of calling attention motion No. 16 from Sh. Karan Singh Dalal regarding mixing up of drinking water with sewerage water in the area of Palwal City. I admit it. He may read his Calling Attention Motion.

श्री कर्ण सिंह दलालः मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि पलवल भाहर कैम्प और कालोनी के इलाके में पीने के पानी में सीवरेज का पानी मिल कर आ रहा है। कहीं न कहीं पर पीने के पानी का नल और सिवरेज का नल आपस में टूट कर मिल गये हैं। इसके कारण उक्त इलाकों में पीलिया और पेट की बीमारियों के अलावा संक्रामक बीमारियां फैल रही हैं। सरकार द्वारा इस बारे में कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। अतः मैं सरकार से

निवेदन करता हूं कि वह इस गंभीर समस्या के बारे में सदन में एक वक्तव्य दे।

Mr. Speaker: Now the Miniser of Stae for Local Government will make a statement.

Minister of State for Local Govt. (Ch. Dharambir Gauba): Water supply and sewerage system in Palwal City is being maintained by Municipal Committee, Palwal. Water Supply in Palwal town is tubewell based and on an average 21 lacs gallons of water is being supplied through 8 tubewells. Palwal town has a population of 59168 as per 1991 census and the per capita per day dupply of water comes to about 35 gallons. About 50% of the household area is covered with water supply and there are about 6600 water supply connections, apart from 160 public stand posts. Water is supplied through CI, PVC and AC Pipe lines.

The water supplied is properly chlorinated daily at the water works by adding appropriate dose of bleaching powder. Water Supply to the town is also chemically tested by the S.M.O. from time to time by collecting samples from different parts of the town and no deficiency in the quality of water at any stage has been reported.

2. The sewerage system of the city is maintained by the Municipal Committee. There are about 550 sewerage connections in the Committee area of which about 200 are in the colony area and rest in the city area. No sewerage connections in the camp area have been released though the sewerage has been laid in this area. No intermixing of sewer water with water supply lines has been detected in Palwal in

the recent past. However in January 92 there was such a complaint in the colony area near the Nalah and the problem was set right by disconnecting 72 private connections and reconnecting them after changing the pipes and their location. The problem was found to have been created on account of decay in the water supply lines laid by the owners of the houses. Again in March, 92, 4 other private connections in the grain Market area had a similar problem and they were also corrected by relocating the pipe line. Further as and when any leakage in the water supply lines is detected the same is plugged immediately by the Municipal Committee.

As per report received from S.M.O. Palwal, no case of jaundice and cholera has been reported in the Hospital from 1/92 to 2/93. No deaths on account of jaundice/Cholera/diarrhoea/dysentary diseases have been reported during the above period. Some cases of diarrhoea/dysentary have been reported in the past but from the Hospital report it cannot be said that the cases belong to Palwal town. They may also relate to the adjoining rural areas and further their numbers have also been decreasing in the last six months. The Municipal authorities are vigilant about the quality of water supply in the area and have been taking remedial measures from time to time. It may also be added that at all District Headquarters a water borne diseases Advisory Committee has been set up under the Chairmanship of Deputy Commissioner and problems in this regard can be reported to this Committee.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इन्होंने जो अपने जवाब में

कहा है कि पलवल कैम्प और कालोनी में जांच करवाई है और वहां पर किसी भी सीवरेज पाइप और वाटर पाईप का टूटा हुआ नहीं पाया गया। आगे चलकर ये स्वयं मानते हैं कि पलवल के एक एरिये में सीवरेज पाईप टूटने की वजह से 72 केस डिटैक्ट किए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब से मैं इस हाउस में आया हूं और जितनी बार भी यह सदन बैठा है, हर बार मैंने यह प्र न उठाया है लेकिन इतनी बार यह मामला उठाने के बावजूद भी इन्हौंने यह बात सोचने की जरूरत नहीं समझी कि कहां पर सिवरेज पाइप टूटी हुई है और कहां पर क्या हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, लोगों को बीमारियों की वजह से हास्पीटल जाना पडता हे। लेकिन उनको वहां दवाईयां नहीं मिलती हैं और न ही डाक्टर समय पर मिलता है। लोगों को मजबूर होकर प्राईवेट हास्पीटलज में जाना पडता है। अध्यक्ष महोदय, पीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसके लिए लोग देसी नुस्का ही पसंद करते हैं। सरकार के नोटिस में भी आया है कि पलवल में जो पीने का पानी है उसके सैंपल लिए थे और वह पानी आदमियों के पीने के लिए अनफिट घोशित किया गया था। जिस समय श्री बीरेन्द्र सिंह जी पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर थे उस समय उन्होंने कहा था कि यह पानी आदमियों के पीने के लिए खराब है और पेट और दांतों के लिए हानिकारक है। इन सब बातों के बावजूद भी आज तक इस बारे में कुछ नहीं हुआ है।

जहां तक मंत्री जी का यह कहना कि पलवल के पानी में गडबडी नहीं है, यह सही नहीं है। स्पीकर साहब, मेरा आपसे

अनुरोध है कि मंत्री जी इस बारे में बतायें कि पीने के पानी में जो खराबी है उसके लिए क्या पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर ठीक बात कह रहे हैं या इनका महकमा ठीक बात कह रहा है ?

चौधरी धर्मबीर गाबा: स्पीकर सर, इन्होंने पिछली बार भी इसी पानी के बारे में प्वायंट उठाया था भाायद इनको याद होगा। यह कहते हैं कि इन्होंने कालिंग अटैं ान मो ान एडमिट किया है लेकिन मैं कहता हूं कि ये दोबारा से उसको पढें। जो कालिंग अटैं ान मो ान ऐडमिट किया गया था वह एक साल से पहले का एडमिट किया हुआ है। इसके अलावा इन्होंने पाईप लाईन के बारे में कहा कि पाईप लाइन टूटी हुई है लेकिन इनको भलीभांति यह पता होगा कि यह लाईन म्यूनिसिपल कमेटी की नहीं थी बल्कि यह 72 प्राईवेट लोगों की थी जिन्होंने यह पाईप लाईन डाली थी। यह पाईप जंग लगने के कारण खराब हो गयी थी और इसी वजह से हमने उनके कनैक्ा ान काट दिये थे। ऐसी कोई मिसाल नहीं है कि सिवरेज की लाईन टूट कर पीने के पानी में मिल गयी हो। हमारे पास इस प्रकार की कोई रिपोर्ट नहीं है। स्पीकर साहब मेरे पास पिछले एक साल की रिपोर्ट है। उनको कोई भी जौंडिस की रिपोर्ट जनवरी 92 से लेकर फरवीर 93 तक नहीं मिली। कोई भी बीमारी जौंडिस डाईरिया नहीं हुआ, किस भी आदमी की डैथ नहीं हुई। इसके साथ ही एक बात और मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि आज से सिर्फ पांच दिन पहले ऐक्सियन पब्लिक हैल्थ, एस0डी0ओ0 पब्लिक हैल्थ, जे0ई0 पब्लिक

हैल्थ ओर म्यूनिसिपल कमेटी का मैकेनिक इनसे मिले थे और इनसे पूछा था कि आपको जहां जहां पर भी यह खतरा हो कि गंदा पानी मिक्स हो रहा है तो आप हमें बतायें। हम उसको ठीक कर देंगे। लेकिन यह कोई भी प्वायंट ऐसी डिटैक्ट नहीं कर पाये जिससे यह कहा जा सके कि पानी में मिलावट है या मिक्सिंग हो रही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुझे बेहद अफसोस है कि हमारे माननीय मंत्री जी इतनी गैर जिम्मेदाराना बात सदन के सामने कह रहे हैं। यह बात ठीक है कि इनके अधिकारी मुझसे मिले थे। मैंने उनसे कहा था कि एक पाईप तो रेलवे रोड के ऊपर नाले पर टूटा हुआ है। मैंने उनसे कहा था कि आप वहां पर चले जाइये और देखिये कि रेलवे रोड पर म्युनिसिपल कमेटी का जो नाला है उसमें पाईप टूटा हुआ है और उसमें से पानी निकल रहा है ? इसके साथ ही मैंने उनसे बस स्टैंड के पास तुहीरामा कालोनी में जहां से म्युनिसिपल कमेटी का नाला गुजर रहा है के बारे में कहा और बताया कि वहां पीने के पानी का पाईप टूटा हुआ है। इसी तरह से मैंने उनको न्यू कालोनी के सिवरेज के बारे में बताया था कि कालोनी के सिवरेज का आज तक काई डिसपोजल नहीं है। मैंने उन अधिकारियों से पूछा था कि श्रीमान जी, आप यह बतायें कि आपने जो सिवरेज के कनैक ान दिये हुए हैं इनमें कहां कहां से पानी निकल रहा है लेकिन उनके पास इस बात का कोई जवाब नहीं था। इसलिए यह

इस बात का प्रमाण है कि वह पानी बाहर न निकल कर वहीं पर धरती में घूस जाता है और बीच में जहां सै पीने का पानी गुजर रहा है उनमें मिक्स हो जाता है। और मिक्स होकर यह पानी आगे चला जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं पलवल के बारे में यह बात दावे से कह सकता हूं। साथ ही आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध भी करना चाहता हूं कि सरकार अगर पीने की सुविधा भी लोगों के लिए नहीं कर सकी तो इस सरकार को रहने का कोई हक नहीं है।

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आप यह कहें कि सरकार पीने के पानी की व्यवस्था कब तक कर देगी ?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि सरकार पीने के पानी की कब तक सैम्पलिंग करायेगी और क्या यह पानी हयूमन कंजम्प ान के लिए फिट भी है या नहीं ? अध्यक्ष महोदय, अब तक इनके अधिकारी जो सैम्पलिंग करते हैं वह टंकी से सैंम्पलिंग करते हैं लेकिन मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि लोगों के घरों में जो टैप्स लगे हुए हैं उनमें से पानी लेकर सैम्पलिंग करवायी जाये। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि कब तक पीने के पानी की सैम्पलिंग हो जाएगी और कब तक खराब पानी को ठीक कर दिया जाएगा ?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, जैसा ये कह रहे हैं मैं आपको बताना चाहता हूं कि एक कमेटी अंडर चेयरमैन ाप

आफ दी डिप्टी कमि नार बनी हुई है। आज तक किसी भी भाई की तरफ से यह कम्पलैंट नहीं आयी कि पीने के पानी में मिक्सिंग हो रही है। (विघ्न) आप लोग मेरी अर्ज तो सुनिये। इन्होंने जनवरी 92 में भी ऐतराज किया था लेकिन वह भी प्राईवेट पाईप थी म्यूनिसिपल कमेटी का पाईप नहीं था। उस प्राइवेट पाईप को जंग लग गया था और वह खत्म हो गया था इसलिए हमें वह पाईप काटना पडा। इसके अलावा हम तो इसको टैस्ट भी करते रहतें हैं ? गर्मियों में तो हम दो बार टैस्ट करते हैं। एक बार तो हमने कालोनी के पानी का टैस्ट लिया है और उसके थोडे दिनों बाद कैम्प से टैस्ट के लिए पानी लिया है ताकि उसमें कोई प्रोब्लम न हो, किसी बीमारी का खदसा न हो। मेरे पास सारी रिपोर्ट है। आज तक कोई भी रिपोर्ट ओफिसर्ज की नजर में नहीं आयी है जिसमें कोई बीमारी हो। सारी टैंस्टिंग रिपोर्टस और पानी की रिपोर्ट हमारे पास है। वहां पर पानी पीने के काबिल है ऐसी कोई बात नहीं है कि पानी पीने के काबिल न हो। नंबर दो जो यह कह रहे थे कि ग्रेन मार्किट के साथ की जगह पर पाईप टूटा हुआ है यह बात ठीक नहीं है। वहां पाईप नहीं टूटा हुआ है बल्कि नाली टूटी हुई है। इसके बावजूद भी कि गंदे पानी की कोई मिक्सिंग न हो, इसके लिए हम समय समय पर पडताल कराते रहते हैं। मेरे पास कल लेटैस्ट पोजी ान आई है उसके हिसाब से अब्बल तो कोई कंप्लेट नहीं है उसके बावजूद यदि कोई कंप्लेट इनके नोटिस में है तो उसे ठीक करा दिया जाएगा। (Noise & Interruptions).

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon. Members, now tht Irrigation Minister will move the motion under Rule 30.

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): Sir, I beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly by suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 11th March, 1993.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly by suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 11th March, 1993.

Mr. Speaker: Question is-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly by suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 11th March, 1993.

The motion was carried.

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon. Members, now general discussion on the Budget for the year 1993-94 will take place. Sh. Mani Ram Keharwala, will continue his speech.

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं सबमि ान करना चाहता हूं। आपने कहा था कि हाउस का टाईम एक घंटे रोज बढ जाएगा। मैंने और संपत सिंह जी ने दो घंटे के लिए कहा था और मुख्य मंत्री जी ने एक घंटा समय बढाने के लिए माना था। लेकिन कल आपने हाउस का टाईम 10–15 मिनट बढा कर छुटटी कर दी। आज दो अढाई घंटे बढाओ क्योंकि सारे मैम्बर बोलेंगें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आज कसर निकाल देंगे।

श्री अमर सिंह: आन ए प्वायट आफ आर्डर। स्पीकर सर, मेरा एक क्वै चन था। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Amar Singh Ji, this is no time for a point of order. You please take your seat.

श्री अमर सिंह: स्पीकर सर, मेरा एक क्वै चन था। उसके बारे में एक्सटैं ान मांगी है। उसका जवाब आना चाहिए था और उस पर मुझे बोलने का टाईम देना चाहिए था। इतना टाईम तो नहीं लगना चाहिए था जितना ये कह रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: अमर सिंह जी, आप इस बारे में मेरे से चैम्बर में मिल लीजिए।

(इस समय सभापतियों की सूचि में से एक सदस्य चौधरी फूल चन्द मुलाना पदासीन हुए।)

बैठक का समय बढ़ाना

चौधरी जगदी ा नेहराः चेयरमैन सर, श्री संपत सिंह जी और बंसी लाल जी ने एक बात कही है कि हाउस का टाईम एक घंटा और बढा दिया जाए। खाने का समय होगा और दिक्कत होगी। इसलिए आज आधा घंटा बढा लिया जाए, यह मेरा सुझाव है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः चेयरमैन साहब, आज आप आधा घंटा बढा दीजिए और कल चाहे डेढ घंटा बढा दीजिए। कल के लिए हम स्पीकर साहब से रिक्वैस्ट करके खाने का इंतजाम करा दें।

Mr. Chairman: If it is the sense of the House, the time of the House be extended for half and hour today ?

Voices: Yes, yes.

Mr. Chairman: All right, the time of the House will be extended for half and hour today.

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

साथी लहरी सिंहः चेयरमैन साहब, बात यह है कि कल हाउस में बोलते हुए श्री अमर सिंह ने पंडित नेहरू की एक किताब का हवाला दिया था और उसने कुछ अं ा कोट कर दिए। चेयरमैन साहब, जहां तक चमारों की बिरादरी का ताल्लुक है इन्होंने तो जाटों के साथ मिल कर लडाई लडीं, दे ा के

नौजवानों के साथ मिलकर लडाई लडीं। चमारेां की बिरादरी ने तो अपने दम पर लडाई लडी है। डा0 अम्बेडकर का जो मि ान पूरा किया है, वह चमार बिरादरी ने पूरा किया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अमर सिंहः चेयरमैन साहब, यह बिल्कुल गलत कह रहे हैं। आप इसकी तरफदारी कर रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

साथी लहरी सिंहः आज जितने औफिसर्ज हैं वे बहुत कम्पीटैंट हैं। उनको खुडडे लाइन लगाया हुआ है क्योंकि वे हरिजन हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः यह काई पर्सनल एक्सप्लेने ान नहीं है। Now General discussion on the Budget will take place. Mani Ram Ji, you may continue your speech.

श्री मनी राम केहरवाला (एलनाबाद, अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मैं कल यह बात कह रहा था कि इन्होंने चार साल में क्या क्या कियाथा। 17 जून 1987 को हरियाणा में चुनाव हुए और .....

श्री अमर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि कल चौधरी भोर सिंह ने डिप्टी स्पीकर साहब के पास चिट भेजी कि आप स्पीकर साहब के दफतर में चले जाओ ताकि आप चेयरमैन बन जाएं और इस बारे में श्री भोर सिंह ने श्री लहरी सिंह को डिकटेट किया और वे उसी

तरह बोले जैसे ये सारे पंडित नेहरू की वजह से बैठे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगदी ा नेहरा: चेयरमैन साहब, बात यह है कि इन्होंने श्री नरसिम्हा राव और पंडित नेहरू के पत्र का हवाला दिया और इसका मेन स्ट्रेस यह था कि ि ाडयूल्ड का स्टस की जो बीस परसैंट रिजर्वे ान है, उनमें चमारों को इम्पोरैंटस दी जाती है। इनके अलावा जो बाल्मिकी हैं उनको अहमियत नीं दी जाती। आप सभी ि ाडयूल्ड कास्टस के बारे में तो कह सकते हैं कि उनके साथ डिस्क्रिमिने ान हो रही है लेकिन ये तो चमारों पर ऐलीगे ान लगा रहे हैं that is not correct. I was neither oppositie the letter of Pt. Jawahar Lal Nehru because he had said so many things and we honour that one nor of Narasimharao. His objection was that the Chamar was given importance whereas I have objected it and still I object that and always he is talking in such a sense कि चमारों के खिलाफ थे। यह तो मैं अब भी कहता हूं कि चेयरमैन साहब, ये हर बार चमारों के विरूद्ध बातें करते रहते हैं जो उचित नहीं है। कम से कम सदन में इन्हें ऐसी बातें नहीं करनी चाहिये। इनको कम से कम चमारों के इतना खिलाफ नहीं होना चाहिए था ये टोटली ि ाडयूल्ड कास्टस की खिलाफत करते हैं। (ाोर)

श्री अमर सिंह: चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये खुद चमारों के खिलाफ हैं। इन्होंनें खुद कहा था कि चमार सारे हरियाणा को खा गए। (ाोर)

श्री सभापतिः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। आप बैठिये।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमैन साहब, हमारे दे ा प्रदे ा की बदकिस्मती है। मैं इस बात को मानता हूं कि यहां हाउस में जाति पाति का मामला आपस में चल पडा है जो नहीं होना चाहिये था। भारत सरकार ने बहुत मदद करके जो दबे हुए पिछडे हुए लोग थे, उनको ऊपर उठाने के लिये रिजर्वे ान का प्रावधान किया है इसको फायदा सभी हरिजन भाईयों को उठाना चाहिये। इस समय हमें ठीक बात माननी पडेंगी क्योंकि चमार जाति के लोग कुछ ज्यादा ऐजुके ान में आ गये हैं। बाकी लोग भी अगर ज्यादा ऐजुके ान में आते तो उनको भी बराबर का दर्जा मिल सकता था और मिलना भी चाहिये।

श्री सभापतिः मुख्य मंत्री महोदय, इनकी पापुले ान भी बता दीजियेगा कि कौन सी बिरादरी के ज्यादा हैं। (ाोर)

चौधरी भजन लालः चेयरमैन साहब, अगर धानक, चमार व बाल्मीकी आपस में लडेंगे तो काम कैसे चलेगा ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पूरे इलाके में मैं स्वयं गांवों में जाकर देख कर आया हूं और जिस तरह से मंत्री जी ने सदन में मना किया है कि वहां पर टिडडी दल का कोई प्रकोप नही ंहै। वे हाउस की बैठक के बाद मेरे साथ चलें या किसी आफिसर को वहां भेज दें और वे उन गांवों में जाकर देंखे

कि कितना नुकसान हुआ है ? मैं यह पक्के तोर पर तो नहीं कह सकता कि कुल कितना नुकसान वहां पर हुआ है ? स्पीकर साहब, हमारे यहां हरे रंग का कीडा होता है जिसे लोग राम जी की गाय बोलते हैं, यह 1–1½ इंच लम्बा होता है। उसने फसल को पूरी तरह से नश्ट कर दिया है। जब इस बारे में अधिकारियों को कहा गया तो वे आज तक खेतों को देखने बिल्कुल नहीं गए। हमने बार बार कहा कि वहां पर नुकसान हो रहा है। आज सरकार ने कहा है लेकिन मैं इस बात को नहीं मानता। इन्होंने जबरदस्ती दस्तखत करवाए होंगें। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि इन गांवों में एक स्पै ाल गिरदावरी के आदे ा दें और जिनका नुकसान हुआ, उसे दें। स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कहा कि टिडडी दल पाकिस्तान से राजस्थान में होती हुई आयी है। अध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान हमारे दे ा हमारे दे ा के लिए बहुत भारी पड रहा है और खास तौर पर इस प्रदे ा के लिए क्योंकि कई नेता भी इस प्रदे ा में पाकिस्तान से आए हुए हैं जो इस प्रदे ा को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं।

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, कर्ण सिंह दलाल जी ने जो नोटिस दिया है, मैं इनकी जानकारी के लिए बताता हूं कि जब से हरियाणा बना है, तब से इसमें टिडडी दल का हमला नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, 1962 में जब ज्वायंट पंजाब था, तब हमला हुआ था। दलाल साहब इसका अंदाजा भी नहीं कर सकते

कि वह कितना बडा होता है, कितना लम्बा होता है और वह कितना भारी नुकसान करता है।

श्री अध्यक्षः हरपाल सिंह जी, अभी पीछे टिडडी दल गुजरात में आया है।

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब,मैं हरियाणा की बात कर रहा हूं। जब दलाल साहब ने यह देखा ही नहीं है फिर ये उसकी पहचान कैसे करेंगे कि वह टिडडा होता है या टिडडी होती है ? ये अभी कह रहे थे कि उसको इनके यहां पर राम जी गाय कहते हैं। स्पीकर साहब, इसको पंजाबी में टिडडी कह देते हैं ओर इनके यहां इसको राम जी गाय भी कह देते हैं। वहां पर अभी कोई टिडडी दल नहीं आया है इसलिए प्रकोप की कोई बात नहीं है। इसने तो अभी तक राजस्थान मे ंभी एंटर नहीं किया है, फिर भी राजस्थान और हरियाणा के साथ लगते जो जिले हैं, उनसे हम इन टच हैं। उनके सीनियर आफिसर्ज से हमने कंटैक्ट किया है। अभी तक हरियाणा बिल्कुल सेफ है और टिडडी दल का कोई प्रकोप नहीं है। जहां तक फसलों के नुक्सान की बात है, अगर दलाल साहब हमें नुकसान दिखना चाहें तो मैं इनके साथ एग्रीकल्चर डायरैक्टर या किसी दूसरे अफसर को भेज दूंगा और जितनी किसानों की मदद हम कर सकते हैं, वह हर वक्त करने को तैयार हैं।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से दलाल साहब को बताना चाहूंगा कि टिडडी दल अभी कहीं भी नहीं है। हां, एक टिडडा जरूर है जिसे हमारी भाशा में सरोर कहते हैं जो ज्वार और बाजरे के पत्तों को खा जाता है ओर यह अक्सर हो जाता है। स्पीकर साहब, हमारी फसल टिडडी दल से खराब नहीं हो रही है बल्कि बारि ा और सूखे से खराब हुई है। उनके मुआवजे की बात करें तो ठीक भी है। लेकिन वहां पर टिडडी का कोई प्रभाव नहीं है, वह तो सरोर ही है जो फसल खराब कर रहा है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, चौधरी अजमत खां जी ने सदन में कम से कम इस बात की तो हां की है कि वहां पर कोई रोग फैला हुआ जरूर है जो फसलौं को नुक्सान पहुंचा रहा है चाहे वह कोई भी हो। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जब सरकार के नोटिसमें यह बात है कि फसलों का नुकसान हो रहा है, खडी फसलों को वह पूरी तरह से खाता जा रहा है तो अभी तक क्यों नहीं दवाईयों का प्रयोग करते हैं ? स्पीकर साहब, मैं एक बात और आपको बताना चाहूंगा। ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट जितनी भी दवाईयां किसानों मे ंबांटता है, वे सारी की सारी दवाईयां नकली हैं क्योंकि उन दवाईयों के छिडकने से खडी फसल बर्बाद हो जाती है। चौधरी अजमत खां जी के इलाके के एक गांव गोपाल गढ में जब ईंख में दवाईयों का छिडकाव किया गया तो वह खडी ईंख सूख गयी। अगर मंत्री जी चाहें तो मैं

इनसे अनुरोध करता हूं कि वे किसी भी अधिकारी को हमारे साथ भेज दें ताकि वह हमारे साथ जाकर स्वयं देख लें। स्पीकर साहब, मैं यह चाहता हूं कि ये चण्डीगढ से किसी जिम्मेदार औफिसर को वहां भेज दें हम उनको वह फसलें दिखाएंगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी ने इसके लिए पहले ही कह दिया है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, वहां पर जो फसलें खराब हुई हैं, क्या सरकार उन किसानों को मुआवजा देने के बारे में विचार करेगी ? (व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हमने भी इसके बार में अपनी मो ान दी है।

श्री अध्यक्षः आप भी इस पर एक सप्लीमैंट्री पूछ लेना।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हमारी पार्टी के एम0एल0एज0 के एक कालिंग अटैं ान मो ान दी थी कि नारनौल की घटनाओं के बारे में थी कि वहां पर पुलिस फायरिंग से किसान मारे गये हैं आज भी वहां पर मुकदमें बनाये जा रहे हैं और जो दोशी लोग हैं उनका कुछ नहीं हो रहा है।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have recieved an adjournement motion given notice of by Sh. Om Parkash Beri, M.L.A., Smt. Chandravati, M.L.A. and Sh. Ram Bilas Sharma, M.L.A. regarding the police firing on a peaceful gathering of

people at Narnaul. Hon'ble Members, as I had announced in the House yeasterday I have converted this adjournemtn motion into calling attention motion and had admitted it for today. Now Sh. Om Parkash Beri may read his notice.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, इसी सबजैक्ट पर मेरी भी एक कालिंग अटैं ान मो ान थी उसका क्या बना ?

Mr. Speaker: Dalal Sahab, your call attention motion is also included in this calling attention motion. (Noise & Interruptions).

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, जैसा सदन में विपक्ष के नेता ने कहा है, वैसे ही मैं भी आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूं। कल आपने बहुत लिबरली हमारे एडजर्नमैंट मो ान को काल अटैं ान मो ान में कन्वर्ट किया। हम आपकी बात को सर आंखों पर रखते हैं। इस सदन के सभी लोग इस बारे में कहना चाहते हैं। आप ऐसा कर सकते हैं, यह बात आपके डिस्क्री ान के अन्तर्गत आती हैं लेकिन अगर आप इस पर बहस की अनुमति दे दें तो सारी बात सामने आ जाएगी। स्पीकर सर, वहां बहुत बडा अन्याय हुआ है। हम सभी आपसे रिक्वैस्ट करते हैं कि आप अपने फैसले को रिव्यू करके इस मसले पर बहस करा दें।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, जैसा श्री राम बिलास जी भार्मा ने कहा कि नारनौल में 10 अगस्त को जो गोली काण्ड हुआ आजादी के बाद भाायद पहला ऐसा गोली कांड हुआ है, उन्होंने यह बात बिल्कुल ठीक कही है। हमने जो एडजर्नमैंट

मो ान दी थी, उस पर अगर आप पुनर्विचार करके उसे एडजर्नमैंट मो ान के रूप में एडकिट करके एक घंटे की बहस करा दें तो सारी बात स्पश्ट हो जाएगी। सरकार यह कहती है कि रघु यादव दोशी है। आप जुडीि ायल इंक्वायरी करा लें, इसमें हर्ज की क्या बात है ? सारी बात सामने आ जाएगी।

Mr. Speaker: Beri Sahib, you please read your notice.

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: स्पीकर सर, आप अपने फैसले पर पुनर्विचार कर लें। अगर डैमोक्रटिक सैट अप को चोट पहुंचाने की कोि ा ा की गई तो पूरे दे ा की अखंडता को बडा भारी खतरा हो जाएगा।

श्री अध्यक्ष: ओम प्रका ा जी, आप नोटिस पढें।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर सर, यह जो आपने एडजर्नमैंट मो ान को काल अटैं ान मो ान में कन्वर्ट कर दिया है इसके लिए हमारी रिक्वैस्ट है कि आप इस पर एक घण्टे की बहस करा दें। सम्पत सिंह जी ने भी इस बारे में मो ान दिया है। इस पर सभी के विचार आ जाएंगे। वहां जलसा हो रहा था। उस जलसे पर पानी फैंक सकते थे, अश्रु गैस छोडी जा सकती थीं ये क्या करते हैं जब चाहे गोली इस्तेमाल कर ली। उनकी डिमांड यह थी कि जो पानी दूसरे जिलों में जा रहा है महीने में 23–24 दिन वही दूसरी जगह सिर्फ 3 दिन जा रहा है, यह पानी हमको भी मिलना चाहिए। मैं आपसे यही डिमांड करना चाहती हूं कि सभी लोगों की

काल अटैं ान मो ान इस बारे में थी। वहां आदमी मरे हैं लोगों के घर उजडे हैं, कुल लोग घायल हुए हैं, इसलिए यह बहुत संगीन मामला है, इस पर बहस का मौका दीजिए।

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, मैं अंडर प्रोटैस्ट पढ देता हूं वैसे विचार यह था कि इस पर पूरी बहस होनी चाहिए थी ताकि बात साफ हो जाती। Sir, I want to draw the attention of this August 1993 a public meeting was being held in Narnaul protesting against the discrimination by the State Govt. with the ares of South Haryana in the allocation of Canal Waters and were demanding democratically their legitimate share of Canal Waters which was being denied to them for the last 16 years as revealed by the 25th report of the Estimates Committee of this August House. The gathering was all peaceful and without any provocation the police resorted to firing which was uncalled for leading to the killings of innocent persons. The people of the areas of the South Haryana are agitated over this issue. They, therefore, request the Govt. to make a statement in this regard on the floor of the House.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, सर्वजाति पंचायत के सभापति श्री रघु यादव ने 10 अगस्त 1993 को नहरी जल की समस्या पर नारनौल के आई0टी0आई0 के प्रांगण में एक सभा के लिए आहवान दिया था। उनके संगठन द्वारा दो स्थानीय संस्थाओं, आई0टी0आई0 एवं पोलीटैकनिक का नाम बदलने का भी विचार था। जिला प्राासन/एस0डी0एम0 द्वारा

इस संस्था को माईक बजाने के लिए इस भार्त पर अनुमति दी गई थी कि वह इसका उपयोग सरकार प्रांगण के बाहर ही करें। जब इस आवेदन पत्र पर विचार किया गया उस समय तक आईटी0आई0 में 10–8–1993 को दाखिला हेतु साक्षात्कार होना नि ि चत था। इस साक्षात्कार के लिए उस दिन काफी संख्या में छात्रों को आई0टी0आई0 में आना था। प्रिंसीपल, आई0टी0आई0 ने सलाह दी थी कि प्रस्तावित सभा होने से आई0टी0आई0 के कार्य वि ोशकर दाखिला में काफी बाधा आएगी। इसी कारण प्र ाासन द्वारा आई0टी0आई0 के प्रांगण में सभा करने के लिए अनुमति नहीं दी गई थी।

इन्हीं हालातें को देखते हुए मौके पर उचित मात्रा में पुलिस का बन्दोबस्त किया गया था ताकि कोई दुर्घटना न हो जाए। सभा आई0टी0आई0 के प्रांगण के बाहर हुई और लगभग 2. 30 बजे बाद दोपहर तक भाांति पूर्ण रही लेकिन अपने भाशण के अन्त में श्री रघु यादव ने उपस्थित भीड को प्र ाासन के आदे ा तोड कर आई0टी0आई0 के प्रांगण में घुस जाने को ललकारा। इसके फलस्वरूप उपस्थित भीड हिंसा पर उतर आई।

जब सभा चलती रही स्थानीय अधिकारी मौके पर मौजूद पुलिस भी संयम बरतती रही लेकिन जब भीड ने काफी पथराव किया और आई0टी0आई0 के प्रांगण में घुस आई तो यह आ ांका हुई कि भाायद इससे जान और सरकार माल को काफी क्षति हो सकती है।

लाऊड स्पीकर पर एस0डी0एम0 ने भीड को चेतावनी दी कि वे जगह छोड कर चले जाएं। जब बार बार दी गई चेतावनी पर कोई ध्यान नहीं दिया गया तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोडें। आंसू गैस के गोले हवा के रूख के कारण कामयाब नहीं हुए तो एस0डी0एम0 ने लाठी चार्ज का आदे ा दिया। लेकिन भीड नहीं हटी। इसी बीच भीड की एक टुकडी नजदीक स्थित अधिकारियें की कालोनी में घुस गई और कुछ घरों में घुस कर उनके सामान की तोड फोड करने लगी। भीड ने हरियाणा परिवहन की लगभग 10 बसों को भी नुकसान पहुंचाया। एस0डी0एम0 ने भीड को तितर बितर करने के लिए हवा में गोली चलाने का आदे ा दिया। जब इससे भी हिंसक भीड पर कोई असर न हुआ तो एस0डी0एम0 ने भीड के ऊपर निचले हिस्सों की तरफ नि ाना करके गोली चलाने के आदे ा दिए। कुल मिला कर 30 गोलियां चलाई गई। गोली लगने से एक आदमी मारा गया, 38 आदमी और 9 पुलिस कर्मचारी घटना में घायल हुए। बाद में पता चला कि मृतक आदमी का नाम सुरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सिंह राम, गांव मुडलाना, थाना सदर नारनौल था। इस संबंध में पुलिस द्वारा श्री रघु यादव तथा उसके साथियों के खिलाफ हिंसा भडकाने और डयूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने के आरोपमें एफ0आई0आर0 नं0 359 एवं 360 दिनांक 10.8.93 भा0द0स0 की धारा 148/149/332/353/397/188/427/435/452 के अन्तर्गत थाना नारनौल में दर्ज की गई।

13.8.93 को सरकार ने इस घटना की आयुक्त, गुडगांव मंडल द्वारा एक उच्च स्तरीय जांच किए जाने का आदे ा दिया। आयुक्त गुडगांव मण्डल ने एक विस्तृत जांच की और अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को 18.8.93 को दी। इस जांच रिपोर्ट के मुख्य निश्कर्श निम्न प्रकार से हैं :–

(क) सर्व जाति पंचायत को आई0टी0आई0 के मैदान में सभा करने की अनुमति प्रदान नहीं की गई थी। पंचायत को केवल सरकारी प्रांगण के बाहर लाऊड स्पीकर प्रयोग करने की अनुमति दी गई थी।

(ख) इस बिन्दु पर कि क्या पुलिस द्वारा बल प्रयोग करना जरूरी था, जांच रिपोर्ट में यह निश्कर्श निकाला है कि आयोजकों द्वारा गैस जिम्मेदार एवं गैर कानूनी गतिविधियों के कारण ही स्थिति बिगडी। श्री रघु यादव तथा उसके सहयोगियों ने प्र ाासन द्वारा बार बार गैर कानूनी कार्यवाही न करने बारे दी गई चेतावनी की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इसके फलस्वरूप हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को मजबूरन बल प्रयोग करना पडा।

(ग) जांच रिपोर्ट में माना गया है कि इस हालत में बल का जो प्रयोग किया गया वह ज्यादा नहीं था। बल्कि पुलिस ने काफी धीरज से काम लिया।

(घ) रिपोर्ट में माना गया है कि इस आरोप में कोई सच्चाई नहीं है कि पुलिस ने कुछ ला ाों को गुम कर दिया और

पुलिस की कार्यवाही से हजारों लोग जख्मी हुए। जांच में यह भी पाया गया कि पुलिस द्वारा असत्य कार्यवाही किए जाने का आरोप भी निराधार है।

(ड़) रिपोर्ट में माना गया है कि इस आरोप में कोई सच्चाई नहीं है कि पुलिस ने कुछ ला ाों को गुम कर दिया और पुलिस की कार्यवाही से हजारों लोग जख्मी हुए। जांच में यह भी पाया गया कि पुलिस द्वारा असभ्य कार्यवाही किए जाने का आरोप भी निराधार है।

(च) जांच से साबित हुआ है कि हिंसा की घटनाओं में केवल एक आदमी की मृत्यु हुई है।

(छ) जांच रिपोर्ट से साबित होता है कि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृतक के भारीर में 2–3 धातु के टुकडे मिले हैं। जांच रिपोर्ट में यह निश्कर्श निकाला है कि बैलेस्टिक एक्सपर्ट की रिपोर्ट के बिना यह सही रूप से नहीं कहा जा सकता कि मृतक की मौत पुलिस की गोली से हुई है। बैलेस्टिक एक्सपर्ट की रिपोर्ट अभी आनी है।

(ज) आयुक्त ने यह पाया है कि श्री रघु यादव प्र ाासन के साथ झगडा करने पर तुले हुए थे और उसने भीड को हिंसा के लिए भडकाया। जांच रिपोर्ट के अनुसार यदि खून खराबे के लिए कोई जिम्मेवार है तो वह श्री रघु यादव है जिसके विरूद सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।

सरकार ने पहले ही मुतक के परिवार को 50000/– रूपये का अनुग्रहपूर्वक अनुदान स्वीकृत कर दिया है। हालांकि इस मामले में प्र ाासन की कोई गलती नहीं थी लेकिन इस क्षेत्र के लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए सरकार ने महेन्द्रगढ जिला के उपायुक्त एवं पुलिस अघीक्षक और नारनौल के उप मण्डल अधिकारी का स्थानांतरण कर दिया है।

अध्यक्ष महोदय, इसमें दो तीन बातें और जोड दी और साथ में निसिंग कांड का भी जिक्र कर दिया। (विघ्न) वह आदमी भाराब पिये हुए था। (विघ्न) मैंने जो कहा था वह पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट के आधार पर ही कहा होगा। आप इस बारे में स्पीकर साहब, से अलग से पूछ लेना, या जो जानकार लोग हैं, उनसे पूछ लेना। वहां पर उस दिन क्या हालत थी ? कितने रूपये की भाराब उस दिन ठेके से बिकी ? मरने वाले आदमी ने भाराब पी रखी थी स्पीकर साहब, इन लोगों ने उनको बहकाने की बहुत कोि ा ा की लेकिन वे बेचारे समझ गए कि ये लोग उनको गलत रास्ते पर डाल रहे हैं। सारी यूनियन हमारे पास आई और हमसे बातचीत कर के कहा कि उनकी कुछ मदद कीजिए। हमने उनकी मदद भी की थी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, निसिंग वालों की कोई ि ाकायत नहीं। दूसरे इनहोंने रिलैक्से ान का जिक्र किया। रिलैक्से ान तो हालत को देख कर ही दी जाती है और अगर ऐसी कोई बात होगी तो रिलैक्से ान के बारे में भी विचार किया जा सकता है। जेसे उग्रवादियों से लडते हुए किसी का बाप भाहीद हो गया तो

उसके बेटे या बेटी को नौकरी देना एक अलग बात है, इस किस्म के हालात में नौकरी देने की बात अलग हालात की बात है। कहां तक किस का क्या मामला है, कोई बहादुरी से भाहीद हो गया, क्यों हो गया, कैसे हो गया, सारी बात को देख कर ही रिलैक्से ान दी जाती है। (विघ्न) यह देखना पडेगा कि रिलैक्से ान किन किन हालात में दी जा सकती है और अगर दी जा सकती होगी तो जरूर देंगे। (विघ्न) अगर कोई आदमी किसी के घर डकैती करने जाए और कोई घरवाला आदमी उसको गोली मार दे तो क्या उसको भी दे देंगे ? (विघ्न) यह देखने के बाद कि यह बात कहां तक ठीक है, रिलैक्से ान देंगे। स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह और चौधरी सम्पत सिंह जी के पास सिंचाई का महकमा भी रहा है, इसलिए इस बारे में भाायद ये कुछ जानकारी भी रखते होंगे। स्पीकर साहब, मु कल यह है हमारे इधर के लोग उधर के लोगों को समझाने की बहुत कोि ा ा करते हैं लेकिन इनके दिमाग में कोई बात घुसती ही नहीं, पता नहीं क्यों नहीं घुसती ? ये पढे लिखे प्रोफैसर रहे हैं, आदमी को कुछ तो समझ आनी चाहिए। स्पीकर साहब, ये भली भांति जानते हैं कि नरवाना ब्रांच मेन भाखडा में से निकलती है जो पंजाब से गुजरती है। पंजाब के एरियामें 32 जगह कट कर दिया था बडी मु कल से उनको भरवाया गया। (विघ्न) हम मान लेते हैं कि एस0वाई0एल0 भी चौधरी देवी लाल जी ने बनवाई, हम कमजोर हैं आप बहुत बहादुर हो। अध्यक्ष महोदय, जब मैं पहले मुख्य मंत्री था, हमने ही इसको ठीक करवाया था और 2800 से 3400–3500

तक ले गए थे। यह बात भी ठीक है कि यह 4000 तक जा सकती है इसमें मु कल यह है कि इसको करने के लिए हमने पंजाब वालों को लिखा भी और उनको पैसा भी दिया ताकि हमारी नहर की कैपेसिटी को वे बढा दें लेकिन उन्होंने काम भाुरू नहीं किया, क्यों। इसके लिए नहर 3 महीने बंद करनी पडती है और पंजाब वाले 3 महीने के लिए बंद करने को तैयार नहीं हैं। सिरसा और हिसार में कोई फर्क नहीं है। राजस्थान कैनाल से लिंक कैनाल बनी हुई है उसे बने हुए 2 साल हो गये हैं और पंजाब की सरकार से 15 दिन बंद करवा कर वह नहर जोडी गई थी। बडी मु कल से पंजाब वाले उसके लिए तैयार हुए थे। भारत सरकार ने इन्टरवीन किया तब कहीं जाकर वह जुडी। वे नहर बंद नहीं करते। कोईऐसा कानून नहीं है कि धक्के से उसे बंद करवाया जा सके, 15 दिन पहले नहर बंद करनी पडी थी, तब कहीं जाकर लिंक नहर जुड पाई थी। इसके लिए हम फिर को ि ा ा करेंगे कि नहर की डी सिल्टिंग हो जाए, बर्म्ज ऊंचे हो जाएं और जितना पानी ले सकते हैं, लें, ताकि किसान को ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंच सके लेकिन असली हल तो तभी होगा जब एस0वाई0एल0 की कैनाल बन जाएगी और उसका पानी हरियाणा में आ जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैंने सारी बातों का जवाब दे दिया है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सूखे के बारे में और बाढ के बारे में कल साढे तीन घंटे बहस हो चुकी है और

एक घंटा मैंने जवाब दिया था। इस बारे में डिसक ान करने की कोई आव यकता नहीं है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कहा कि कल डिसक ान हो चुकी है। कल तो फ्लड के बारे में डिसक ान हुई थी और अब हम सूखे के बारे में कह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, फ्लड के बाद सूखा आया है। जैसे आप खुद मानते हैं काम रोको प्रस्ताव के बारे में आपने कहा कि फलड की बात पुरानी हो गई है। स्पीकर साहब, अगली सूखे की बात है। पानी के लिए जगह जगह मुजाहरे हो रहे हैं और औरतें घडें तोड रही हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हाउस का काम पडा हुआ है पहले उसे खत्म कर लें और डेढ बजे के बाद फिर इस बारे में बात कर लेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने एक बात कही ओर यह बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की मीटिंग में भी आयी थी। उसमें इनहोंने माना था कि पहले दिन फलड पर डिस्क ान कर लेंगे और बाद में सूखे पर कर लेंगे। हमें कोई एतराज नहीं है। ठीक है हम आज के अजैंन्डे से फारिग हो कर इस पर बहस कर लेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो भी उचित टाईम है वह तो हमें मिलेगा। हम तो चाहते हैं कि आधा घण्टा और एक घण्टा प्लस करवा लेंगे, हम गुणा करने को नहीं कहेंगे। कल

पीरचन्द जी ने गुणा करने को कहा था परन्तु हम तो प्लस करने को कह रहे हैं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सब मि ान है। सूखे के बारे में कल भी बात हुई थी कि आज डिसक ान कर लेंगे। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में आपकी भी इजाजत होनी चाहिए और मुख्य मंत्री जी को भी मान लेना चाहिए कि पहले डिस्क ान हो। इस तरह हाउस का काम भी जो जाएगा और पहले डिस्क ान भी होनी चाहिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः सर, कल भी इस पर काल अटैंं ान थी और आज यह स्थान प्रस्ताव सूखे पर है। अगर ये सब इकटठी कर देंगे तो हम भी इस पर बोल सकेंगे। अगर नहीं तो मेरी भी एक काल अटैन्ं ान है।

श्री अध्यक्षः ठीक है जी।

श्री लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी भी एक काल अटैंं ान मो ान है। गन्ने की फसल पर जो पैनल्टी डाल दी है, उसके बारे में है।

श्री अध्यक्षः यह अभी अंउर कंसीडरे ान है। Please take your seat.

Hon'ble members, keeping in view the importance of the subject and to save the time of the House, I have converted both these adjournment motions into motions undre

Rule 84 and clubhed them for discussion. Hon'ble members, this motion will be discussed today after the business entered on the order paper is completed. (Interruptions).

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमि ान है। कि इस बिजनैस के निकालने के बाद आप डाउट पर डिसक ान के लिए कितना टाईम रखेंगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में कल सारी बातें सभी सदस्यों ने कह दी थी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, कल तो बाढ पर चर्चा हुई थी। लेकिन आज सूखे पर डिसक ान के लिए टाईम फिक्स होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः बंसीलाल जी, प्रजैन्ट बिजनैस पूरा होने के बाद आपको टाईम बता देंगे।

श्री बंसी लाल (तो ाम): उपाध्यक्ष महोदय, यह तो सभी मानते हैं और सरकार भी मानती है कि स्टेट में सूखे की स्थिति है। उससे निपटने के लिए सुझाव चाहिएं ताकि फौरी तौर पर सरकार जो सहायता कर सकती है, करे। सहायता यह कर सकती है कि भाखडा नहर का कुछ पानी, कुरूक्षेत्र जिले की तरफ, करनाल और पानीपत तथा नरवाना सब डिवीजन को छोडकर जीन्द, सोनीपत, रोहतक और हिसार जिले का हांसी सब डिवीजन और फरीदाबाद, गुडगांव, भिवानी, रिवाडी, महेन्द्रगढ के इलाकों

को, जहां सूखे की बहुत भयंकर स्थिति है, तथा जहां पर चारे का कोई प्रबन्ध नहीं है और मवेि ायों के मरने के पूरे आसार हैं, पहले प ु बाढ से मारे गये थे और अब भी सूखे के कारण मरेंगे, के लिए फौरी तौर से कुछ पानी भेजा जाना चाहिए ताकि लोग चारा पैदा कर सकें और रबी की फसल ले सकें। उपाध्यक्ष महोदय, आज तूडा का भाव 150 रूपये है। कल भी मैंने इसका भाव 150 रूपये बताया था लेकिन जब कल भााम को एक आदमी मुझसे मिला तो उसने कहा कि आपने तूडा का भाव 150 रूपये क्यों कह दिया ? इसका भाव तो 165 रूपये है। उपाध्यक्ष महोदय, एक रूपये 65 पैसे किलो के हिसाब से प ुओं को चारा खिलाना किसानों के लिए गरीब आदमी के लिए कोई आसान बात नहीं है। सरकार को फौरी तौर से सबसिडी देकर चारे का प्रबन्ध करना चाहिए। इसके अलावा, दूसरी चीज यह है कि किसानों को जो कर्जा दिया हुआ है और जिसकी वसूली तेजी से चल रही है, उस वसूली को रोका जाये। जब किसान की अगली फसल यानी रबी की फसल अच्छी हो जाए तो यह वसूली आप कर सकते हैं। अगर रबी की फसल भी अच्छी नह हो तो उससे अगली खरीफ की फसल अच्छी होने पर इसकी वसूली कर सकते हैं, उससे पहले इसकी वसूली न की जाए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा किसानों को अच्छी बिजली देनी चाहिए, चाहे इसके लिए इंडस्ट्रीज को पूरी तरह से बन्द क्यों ने करना पडे। स्टेट में आज भी कई इंडस्ट्रीज चल रही हैं, भाायद मुख्य मंत्रजी को भी इसका पता होगा और आपको भी इसका अच्छी तरह से पता होगा। इसलिए

उन सब इंडस्ट्रीज की बिजली बन्द करके एग्रीकल्चर सैक्टर को देनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा लीडर आफ अपोजी ान ने बताया कि चौधरी अतर सिंह के पास ऐफेडैविट भी है लेनिक वह इस समय सदन में नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, एक नहीं कई ऐफेडेविट ऐसे हैं जिनमें बिजली के महकमें के लोग बगैर रि वत लिए बिजली के कनैक ान नहीं देते। हमारे जिले में आज बिजली की हालत यह है कि अगर कोई आदमी बिजली के कनैक ान के लिए आता है, तो उससे कहा जाता है कि पहले कमि नर के पिता के पास जाकर पैसा दो, तब जाकर उसको बिजली का कनैक ान दिया जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, यह हकीकत है। इसके अलावा पीने के पानी की सब जगह दिक्कत है, कमी है। मैंने कल भी इसके बारे में जिक्र किया था कि सूखे के कारण लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। इसलिए नारनौल, गुडगांव, भिवानी और फरीदाबाद आदि सब जगहों पर सरकार को पीने का पानी भेजना चाहिए तथा बाढ की वजह से जितने वाटर वर्क्स खराब हो गये हैं, जितने बैड खराब हो गये हैं, जो पानी के फिल्टर बैड ठीक नहीं हैं उनको सरकार को ठीक करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा, दूसरी बात यह है कि जो लौंग टर्म पोलिसी है, उसके बारे में मैं आपके माध्यम से सरकार को सुझाव देना चाहता हूं कि जो स्टेट में वाटर लेवल नीचे चला गया उसको ठीक किया जाये। मेरा ख्याल है कि 50–60 फुट से 100 फुट तक वाटर टेबल नीचे चला गया है, उसे ठीक करने का एक रास्ता यह है, सरकार को फौरी तौर से यह काम करना चाहिए कि

वेस्टर्न यमुना कैनाल की कैपेसिटी बढाएं, डिस्ट्रीब्यूटरीज, माईनर्ज, सब माईनर्ज की कैपेसिटी बढाएं और उनकी मुरम्मत कराएं। मानसून के दिनों मं करीब ढाई पौने तीन महीने यमुना नदी में खास पानी चलता है, वह पानी उन इलाकों में दिया जाये। इससे लोगों की फसल ठीक होगी, वाटर टेबल भी ऊपर आएगा और पानी भी री चार्ज होगा। इसके साथ साथ एक काम जो सरकार अगले साल तक पूरा कर सकती है, वह यह है कि दादुपुर नलवी नहर चलाई जाए इससे खरीब की फसल भी अच्छी होगी। आने वाली रबी की फसल का त करवा देने से लोगों को बहुत राहत मिलेगी इसके साथ साथ भााहबाद मारकंडा, टांगडी दरिया है, इनको भी टेम करना चाहिए। ि ावालिक पहाडियों से आने वाले नदी नालों को टेम करना चाहिए। जिस समय मैं मुख्य मंत्री था उस समय राजस्थान में बरकतुल्ला खां साहब मुख्यमंत्री थे। हरीके से पानी पाकिस्तान को जाता है। मेरे और राजस्थान के मुख्य मंत्री के और दोनों स्टेटौं के सिंचाई मंत्रियों के दस्तखत हो गए थे कि पाकिस्तान को जो पानी जाता है वह हम हरीके के स्थान पर राजस्थान कैनाल में डाल देंगे। राजस्थान कैनाल से वह पानी हम सिरसा जिले में ले लें और सिरसा जिले में, जितने दिन वह पानी सरप्लस हो, उसे वैस्टर्न यमुना कैनाल के इलाकों को दे दें इसके ऊपर हमें काम करना चाहिए। सिरसा जिले की ओटू झील के ऊपर दस या पन्द्रह करोड रूपये खर्च करके, रेलवे लाइन से ऊपर ले जाकर, पूरी तरह से डीसिल्ट किया जाए तो उसमें से काफी इलाकों को पानी दिया जा सकता है। अब उसमें सिल्ट भर

गई है, बाढ आई है, जिससे सिरसा जिले का बडा नुकसान हुआ है, भाहर को नुक्सान हुआ है, रतिया के इलाकों को नुक्सान हुआ है। मेरा सुझाव है कि ओटू झील के बारे में पूरा प्रोग्राम बनाकर 10–20 करोड रूपया खर्च करके उन इलाकों को सैराब किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि मैंने हरिद्वार से आगे गंगा नदी के पास भीमगौडा से करनाल तक, की नहर बनाने के लिए प्रौजेक्ट बनाकर भेजा था। इससे यह होगा कि जो पानी करनाल से नीचे जाता है, वह अम्बाला में, कुरूक्षेत्र के इलाकों में, यमुनानगर के इलाकों में इस्तेमाल हो सकता है, गंगा का पानी उसके नीचे के इलाकों में इस्तेमाल हो सकता है। इसी तरह से एस0वाई0एल0 के बारे में मुख्य मंत्री जी का स्टैंड कुछ और है, पंजाब के मुख्य मंत्री जी कुछ और कहते हैं। वे कहते हैं कि एस0वाई0एल0 बनने का सवाल ही नहीं है। लीडर आफ दि अपोजी ान अभी इसके बारे में कह रहे थे। मुझे नहीं मालूम है कि सही स्थिति क्या है ? लेकिन किसी ने किसी तरह से कोि ा ा करके एस0वाई0एल0 बनवाई जानी चाहिए, मेरा ख्याल है कि उसमें 2 मिलियन एकड फुट पानी हमारा है। स्पीकर सर, पिछले दिनों मुझे मालूम हुआ है, मुख्य मंत्री जी पता कर लें कि यह बात कहां तक सही है ? यू0पी0 में एक भाारदा रिवर है, उस रिवर से भारत सरकार एक प्रोजैक्ट बना रही है, जिसका पानी भाारदा नदी से लेकर पानीपत और सोनीपत के बीच यमुना नहीं में डालेंगे। दिल्ली को पीने का पानी देने के लिये मथुरा और आगरा जिलों की आबपा ाी के लिये वह प्रोजैक्ट बनेगा। मैं

हरियाणा सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि आप भारत सरकार को चिटठी लिखें कि अगर ऐसा कोई प्रोजैक्अ हो तो उस प्रोजैक्ट में सोनीपत, फरीदाबाद और गुडगांवा जिलों को भी भाामिल कर लिया जाये। उस प्रोजैक्ट के खर्चे में जो भी हिस्सा हमारा आता हो, वह हम दे दें या फिर उसको सैंट्रल प्रोजैक्ट बनवा दें। उससे क्या होगा, सोनीपत, फरीदाबाद और गुडगांवा जिलों का काम चल जायेगा। इसके अलावा, वैस्टर्न यमुना कैनाल के पूरे सिस्टम की कैपेसिटी हम जितनी जल्दी बढा लेंगे, उतना ही हमें फायदा होगा। इससे पानी रिचार्ज होगा और वाटर टेबल भी ऊपर आयेगा। इससे लोगों को फायदा होगा। जवाहर लाल नेहरू कैनाल, इंदिरा गांधी कैनाल, बी0एन0 चक्रवर्ती कैनाल, जुई लिफट स्कीम तथा झज्जर लिफट स्कीम्ज ऐसी हैं जिनकी बहुत सी डिस्ट्रिब्यूटरीज, माईनर्ज और सब माईनर्ज बननी अभी बाकी हैं। वे हमे ाा सूखाग्रस्त इलाके होते हैं। इसलिये मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि उन इलाकों में जहां डिस्ट्रिब्यूटरीज माईनर्ज और सब माईनर्ज बननी बाकी हैं, उनको बनायें ताकि लोगों को पानी का फायदा हो। मैं समझता हूं बारि ा के दिनों में अकेली वैस्टर्न यमुना से ही पूरी स्टेट को दो अढाई महीने तक आराम से पानी दिया जा सकता है। इसलिए जो लिफट इरीगे ान स्कीम्ज हैं, इन सब के लिये डिस्ट्रीब्यूटरीज बनायें। जवाहर लाल नेहरू कैनाल इरीगे ान की सबसे बडी लिफट स्कीम है। इसी तरह से इंदिरा गांधी कैनाल और बी0एन0 चक्रवर्ती कैनाल है। जुई लिफट स्कीम सबसे छोटी लिफट स्कीम है। इनके अलावा एक बात का मैंने

मुख्य मंत्री जी से पहले भी अनुरोध किया था और अब भी करूंगा। कम से कम आजकल इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड का काम तो ठीक नहीं चल रहा है। मैं चेयरमैन को पर्सनली नहीं जानता नाम से तो जानता हूं लेकिन मैं उसको भाक्ल से नहीं जानता। मैं अभी इस बारे में आपसे यह अनुरोध करूंगा कि किसी फाइनैंि ायल कमि नर को उस बोर्ड का चेयरमैन बना दें ताकि इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड का काम ठीक तरीके से चलने लगे। इस ढंग से चलने से क्या फायदा है ? इस बार तो ऐसे हुआ है, उपाध्यक्ष महोदय, राईस सूटस भी लोगों को अब तक नहीं दिये गये हैं। धान कटन पर आ गया है लेकिन स्अेट में लोगौं को राईस सूटस अभी तक नहीं दिये गये। इसलिये मेरा इस बारे में एक सुझाव है। सरकार से मैं अनुरोध करूंगा कि इरीगे ान के जो प्रोजैक्अस मैंने बताये हैं जैसे भीमगोडा, करनाल, हरीके से पानी लाना, एस0वाई0एल0 वाला, भाारदा रिवर वाला और ओटू झील वाले प्रोजैक्अस की तरफ सरकार ध्यान दे और सरकार को चाहिये कि वह जल्दी से जल्दी कार्यवाही करने की कोि ा ा करके प्रोजैक्ट बनाये। प ाुओं के लिये जितनी जल्दी चारे का प्रबन्ध कर देंगे, उतना ही अच्छा होगा। अगर चारे का प्रबन्ध नहीं होगा तो मवे ाी मरने भाुरू हो जायेंगे। मवे ाी धन एक बहुत बडा धन होता है। इन भाब्दों के साथ ही मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): यह जो इ ाु आज हमारे सामने है मैंने इसके बारे में काल अटैं ान मो ान भी दियाथा।

इस साल एक विचित्र बात यह हुई है कि बाढ भी आ गई और सूखा भी आया। वैसे तो यह सूखा सारे हरियाणा मे ंहै लेकिन हमारी तरफ ज्यादा है। जहां चावल बोया है, वहां पर भी सूखा पडा हुआ है। कहत की वजह से पानी की कमी है। मेरा लोहारू हलका थोडा सा तो भिवानी जिलें में है और कुछ महेन्द्रगढ जिले मे ंभी पडता है। मैं अभी 50–60 गांवों में जाकर आयी हूं। इन गांवों में एक ही बात सब जगह सामने आती है कि बिजली और पानी की कमी है। जब मैं बोल रही थी तो मैंने डिगवा पावर हाउस के ट्रांसफारमर के जलने की बात कही थी। मुझे खुद मिनिस्टर साहब ने यह बताया है कि पहले जो ट्रांसफारमर जल गया था, वह अब लग गया है लेकिन अब दूसरा एक और जल गया है। इस तरह बात तो वहीं की वहीं खडी रह गयी है।

चौधरी भजन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, टाईम तो आधा घंटा ही बढायें लेकिन करीब आधा घंटे बोलने के लिये मुझे भी चाहिये। बाकी जितनी माननीय सदस्यों ने बातें कहीं हैं वह लगभग सारी बातें पहले आ चुकी हैं। उसका रैपीटी ान ही है। चन्द्रावती जी के 5 मिनट बोलने के बाद मेहरबानी करके आप मुझे बोलने की इजाजत दें।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है!

श्रीमती चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात तो कहनी पडैगी कि आज सूखे की हालत प्रदे ा के अंदर है।

प ाुओं के लिए चारा नहीं है उनके लिए चारा चाहिए। लोगों की मदद के लिए राहत कार्य फौरन भाुरू किए जाने चाहिएं। जोहडों की खुदाई होनी चाहिए, नहरों की डिसिल्टिंग होनी चाहिए, नहरों की मुरम्मत होनी चाहिए और स्कूलों की बिल्डिंग्ज जो लोगों ने बनाई थीं, उनकी हालत खस्ता है, उनको ठीक किया जाना चाहिए। आज खेतीहर मजदूरों को कोई काम नहीं मिल रहा है। आज हालत यह है कि दांती डालने के लिए घास भी नहीं रही। डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली के बिना कुछ नहीं होगा। बिजली की हालत यह है कि पंजाब में और हमारे पास दो दो पावर हाउस थे। हमारे पास एक थर्मल प्लांट पानीपत में है और दूसरा फरीदाबाद में है। हमारी हालत यह है कि फरीदाबाद में जो आधा थर्मल प्लांट है, उसको भी हम पूरा नहीं कर पाए। पंजाब में दो पूरे हो गए और दो और बन रहे हैं। भाायद वे भी पूरे हो गए हैं और एक और बन रहा है। इस तरह से वे पांच पर आ गए हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली की कंजम्प ान बढ रही है और टयूबवैल्ज की गिनती भी बढी है लेकिन बिजली का उत्पादन ज्यादा नहीं बढा है। यह नहीं होना चाहिए। यमुनानगर में प्रधान मंत्री जी ने रिमोट कंट्रोल से पावर हाउस की नींव तो रख दी लेकिन सचमुच में पावर हाउस बनेगा या नहीं यह ई वर जानता है। उपाध्यक्ष महोदय नकीपुर जो लोहारू में है के लिए पावर हाउस की प्रोपोजल है। बाढडी जो सतनाली के पास है के लिए भी पावर हाउस की प्रोपोजल है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सतनाल का पावर हाउस 33 के0वी0 से 132 के0वी0 का किया

जाए। यह बैल्ट मीठे पानी का है इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि इस एरिया में पावर हाउसिज बनाए जाएं ताकि बिजली की समस्या हल हो सके। आज बिजली की बहुत बुरी हालते हैं आज अगर बिजली की चोरी रूक जाए तो किसानों को ज्यादा बिजली मिल सकती है। अगर करप् ान रूक जाए तो सारे काम ठीक ढंग से हो सकते हैं और जल्दी से जल्दी हो सकते हैं। आज करप् ान और इनऐफी ैंसी हैंड इन ग्लोव है। पैसा लिए वगैर आज फाइल ही नहीं निकलती। अफसर लोग इसी इंतजार मे ंरहते हैं कि पैसा आए तो फाइल निकाली जाए। गुडगांव में अंग्रेजों के वक्त नौ बांध थे आज उनका बुरा हाल है। कुछ पर लोगों ने कब्जा कर लिया। भी ावाल पिचापा और बादल गांवों में बांध होते थे वे सब डैमेज हो गए हैं। हमारे यहां बाढडा में बांध होते थे लेकिन वे सब खत्म हो गए। मेरा कहना यह है कि उन अफसरों के खिलाफ ऐक ान लिया जाना चाहिए जिन्होनें इन्हें खुर्दबुर्द होने दिया। उन अफसरों को सजा देनी चाहिए और उनकी जिम्मेदारी ठहरानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, बोरिंग टयूबवैल्ज की बुरी हालत है। पता नहीं सरकार ने कितने बौर्ड बना दिए। एम0आई0टी0सी0 बना दिया और कहीं कोई और बोर्ड बना दिया। फाइल पर बोर्ड बना हुआ है लेकिन काम कुछ नहीं हो रहा है। (ाोर एवं व्यवधान) मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि आप इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री हैं आपको दिल्ली के दौरे कम रखने चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय एक बात मैं और कहना चाहती हूं कि जो छोटी छोटी नदियां हैं उनके किनारे पर और जमुना के किनारे पर सब

जगह पेड लगाने चाहिए। अगर पेड लगेंगे तो पानी कम सूखेगा। जहां झील है उनके चारों तरफ पेड लगने चाहिए ताकि पानी कम सूखे। चकबन्दी के समय मुरब्बा बन्दी हुई थी, लेकिन जोहडों के लिए कोई प्लानिंग नहीं की गई। गांव में जोहड छोडने चाहिए। वहां से प ाु पानी पीते हैं लेकिन जोहड न होने के कारण अब सारा प्रै ार नहरों पर आ गया है। अगर मेरे इन सुझावों पर सरकार अमल करे तो जनता की बहुत भलाई हो सकती है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): उपाध्यक्ष महोदय, आज सरकार ने यह तो स्पीकार किया है कि हरियाणा के अन्दर बिजली की कमी और अकाल से गम्भीर स्थिति पैदा हुई है। 40 करोड रूपया इसके लिये एलोकेट किया है। आज एक सवाल के जवाब में यह बताया गया कि 464747 हैक्टेयर भूमि इससे प्रभावित हुई है और पूरे चार पांच जिले सूखे से प्रभावित हुए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बातों को दोबारा दोहराना नहीं चाहता। मैं तो केवल सुजै ान्ज देना चाहता हूं कि इस सारी स्थिति से निपटने के लिये बिजली के जनरे ान का बढाया जाना बहुत ही जरूरी है। हम जिन इलाकों से आते हैं वहां सिंचाई की समस्या नहीं है, वहां पीने के पानी की भी समस्या है। जब तक पावर जनरे ान नहीं बढेगी तब तक हालात नहीं सुधरेंगे। मुख्य मंत्री महोदय ने खुद माना है कि स्थिति चिन्ताजनक हैं पावर जनरे ान बढ नहीं रही और मांग ज्यादा बढ रही है। आज से तीन चार साल पहले लोगों की जितनी डिमांड थी, अब उससे ज्यादा हो गई है। प ाुओं के

लिए चारा काटने वाला टोका है, वह भी आज बिजली से चलता है और भाानी बनाई जाती है। आटा बिजली पीसती है। लिफ्ट इरीगे ान सिस्टम जो हमारे तीन चार जिलों में है वह तब चलते हैं जब पूरी बिजली दी जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के पडौसी राज्यों में कहीं पर भी बिजली की कोई कट नहीं है। कल इस सदन में इस मसले पर चर्चा हुई थी कि किसी भी जगह पर बिजली की कटौती नहीं है। हिमाचल में बिजली की भाार्टेज नहीं है। हिमाचल, सरप्लस इलैक्ट्रीसिटी स्टेट है और समय सयम पर प्र ाासन ने ईमानदार तरीके से पावर जनरे ान को बढाने के प्रयास किये हैं और बिजली का प्राइवेटाईजे ान किया है। जिस तरह राजस्थान में भैरां सिंह सरकार ने किया उसी तरह से हिमाचल में श्री भाान्ता कुमार की सरकार ने प्रयास किये हैं। इसलिये मेरा सुझाव है कि हरियाणा के अन्दर भी पावर जनरे ान को बढाने के प्रयास किये जाने चाहिए। अभी हरियाणा के अन्दर श्री राजपाल जी को इलैकट्रीसिटी बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया। ठीक किया, वे टैक्नीकल आदमी हैं, उनको इसकी ज्यादा नालिज है। परन्तु अब तक जितने पावर मिनिस्टर बने हैं, उनमें सबसे बढिया चौधरी वीरेन्द्र सिंह रहे हैं। चौधरी देवी लाल जी की सरकार में वे मिनिस्टर रहे हैं और लोगों ने यह माना है कि हरियाणा के अन्दर बिजली अगर सबसे ज्यादा मिली है तोउसी समय में मिली है। इसमें कोई दिक्कत है नहीं, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को यह

विभाग दे दिया जाए ताकि इस समय हरियाणा जो बिजली के संकट से गुजर रहा है, वह दूर हो जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, हमें आज किसान के हितों की पूरी चिन्ता है। और उनके बारे में जो कुछ हम ईमानदारी से महसूस करते हैं वहीं सुझाव हम आपके सामने रख रहे हैं। मैं ए0सी0 चौधरी जी का विरोध किसी और कारण से नहीं कर रहा, लेकिन मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि उनको अभी पावर जनरे ान का अनुभव नहीं है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने यह विभाग बहुत देर तक, बहुत वर्शों तक देखा है और उन्होंने कुछ उपलब्धियां भी करके दिखायीं हैं। यदि मुख्य मंत्री जी की पावर जनरे ान बढाने की सचमुच में कुछ इच्छा है, तो जो जो सुझाव यहां सदन में आए हैं उनकी तरफ अव य ध्यान देवें।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा जो इलाका है वह टेल का इलाका है। वहां पर नारनौल, महेन्द्रगढ, नागंल सिरोई में 36 एम0वी0, 66 एम0वी0 ट्रांसफामर्ज था उस को उठाकर सरकार ने डबवाली भेज दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको पता है कि हमारे इलाके में बिजली पहले ही कम आ रही है और इसके बावजूद भी सरकार ने ऐसा कर दिया। नांगल सिरोई का जो पावर स्टे ान है, वहां लोग आते जाते हैं और कर्मचारी बेचारे डर के मारे आते जाते नहीं हैं। (ाोर)

श्री मनी राम केहरवालाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्मा : उपाध्यक्ष महोदय, किस बात का प्वायंट आफ आर्डर ये उठा रहे हैं ? मुख्य मंत्री महोदय मेरी सारी बातों का जवाब देंगे। डबवाली मैंने कह दिया और इनको चिढ लग गई। इसका मतलब यह तो नहीं है कि मनीराम जी ही सारी जानकारी रखते हैं और हम बिल्कुल अनभिज्ञ हैं। (ाोर)

श्री मनीराम केहरवालाः उपाध्यक्ष महोदय, पंडित जी अभी कह रहे थे कि ट्रांसफार्मर एक जगह से उठा कर दूसरी जगह दे दिया। जहां से उठाया है वह भी जगह हरियाणा में है और जहां ले जाया गया है, वह भी हरियाणा में है। यहां तो ऐसा भी देखने में आया था कि जिन लोगों पर हरियाणा के लोगों ने वि वास किया था, उनहोंने हरियाणा के ट्रांसफार्मर यू0पी0 में भेज दिये थे। अब वह बात तो नहीं हो रही।

प्रो0 राम बिलास भार्मा : ऐसी बात नहीं है कि मैं डबवाली के बारे में बुरा सोचता हूं। मैं तो यह कहता हूं कि यह इलाका टेल पर है। पीछे एक योजना चली थी कि कनीना और महेन्द्रगढ के पावर हाउस दिल्ली से जोड दिये जाएं। परन्तु उसके लिए भाायद पैसा नहीं दिया गया क्योंकि उसके साथ इनफरास्ट्रकचर की बात आई। कनीना, महेन्द्रगढ और रेवाडी के 40 हजार के लगभग तो पुराने टयूबवैल्ज हैं और इन सालों में जो

नए लगे हैं, उनकी संख्या अलग है। तो जो भाखडा की लाइन यहां से जाती है, वह दादरी तक जाते जाते क्रिपल डाउन हो जाती है, इसलिए वहां के पावर हाउसिज को दिल्ली के साथ जोडा जाए।

वक्फ राज्य मंत्री (चौधरी भाकरूल्ला खां): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने तो मेवात का नाम नहीं लिया और न ही मेवात के मन्दिरों को तोडने की बात कही है तो भाई भाकरूल्ला जी परे ाान किसलिए हो रहे हैं ?

चौधरी भाकरूल्ला खां: अध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी मेरे बहुत अच्छे साथी रहे हैं। अब ये बी0जे0पी0 के प्रैजीडैंट नहीं रहे, इसलिए भाोक प्रस्ताव पास किया जाए। (हंसी)

प्रो0 राम बिलास भार्मा : मैं चौधरी भाकरूल्ला खां का आभार मानता हूं कि वे मेरी इतनी चिन्ता करते हैं। इनको जानकारी होनी चाहिए कि मैं सर्व सम्मति से प्रदे ा का दो बार अध्यक्ष बना हूं। प्रदे ा की राजनीति की बात को लेकर मैंने स्वयं त्याग पत्र दिया है। आप चिन्ता न करें इससे कोई फर्क नहीं पडता।

Mr. Deputy Speaker: Ram Bilas Ji, you will have to concede or point that he is very considerate to you.

प्रो0 राम बिलास भार्मा : ये मेरा ख्याल रखते हैं इसके लिए मैं उनका आभार मानता हूं। मैं कह रहा था कि यह जो टेल का इलाका है, इसको दिल्ली के साथ जोडने की बात है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे को दोबारा भजन लाल जी ने प्रधान नहीं बनने दिया और राम बिलास जी को इसलिए हटाया गया कि ये भजन लाल जी से मिले हुए थे। (हंसी)

प्रो0 राम बिलास भार्मा : उपाध्यक्ष महोदय, यह जो चौधरी भजन लाल से चौधरी बीरेन्द्र सिंह का दर्द है, मुझे कोई इस कारण से नहीं हटाया गया, मैंने तो स्वयं त्याग पत्र दिया है। इनको भजन लाल से ि ाकायत हो सकती है, मुझे अपने लीडर से कोई ि ाकायत नहीं है। तो मैं गुजारि ा कर रहा था कि मेरा इलाका टेल का है। उस इलाके के लोगों से रिप्रजैंटे ान आई थी और उसके आधार पर एक योजना विचाराधीन हुई थी। इस बार बारि ा नहीं हुई है और नहरों का पानी नहीं आ रहा है। अगर वह योजना अशाढी की फसल से पहले चालू न की गई तो दो जिलों के लोग परे ाान हो जाएंगे। वहां के पावर हाउसिज को दिल्ली के साथ जोडने का काम पूरा हो चुका था। इसलिए प्राथमिकता के आधार पर बजट की कोई नई एलोके ान करके, इन दो जिलों को बचाने की तरफ ध्यान दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ भिवानी और रिवाडी जिले का वाटर लैवल बहुत नीचे चला गया है। भाायद दूसरे जिलों के लोग इस बात को

महसूस नहीं करते हैं क्योंकि दूसरे जिलों में यह समस्या कम है, लेकिन खास तौर से महेन्द्रगढ जिले का, रिवाडी जिले का और भिवानी जिले की लोहारू तहसील का वाटर लैवल, 300–400 फुट नीचे चला गया है। एक योजना 1979 में बनी थी कि साइफन से नहर का पानी नीचे उतार सकते हैं। जो पुरानी नदियां आती थी, दोहान नदी और कृश्णावती नदी, उनमें बरसात के दिनों में नहरों का सरप्लस पानी डैरोली जाट गांव के क्षेत्र में छोडा गया था वह योजना अब बंद हो गई है। उस पानी से, उस क्षेत्र मे ंपानी छोडने से बडी मात्रा में किसानों के टयूबवैलों का पानी ऊपर आया था। मैं निवेदन करूंगा कि अब भी उन नदियों में पानी छोडा जाए ताकि उससे 20–25 गांवों के किसानों को राहत मिल सके क्योंकि पानी छोडने से उस क्षेत्र के किसानों के टयूबवैलों का पानी ऊपर आता है। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं चारे से संबंतिध बात कहना चाहूंगा। यह सरकार पता नहीं किसानों से संवेदन भून्य क्यों है। सिरसा में हम गए। सिरसा की मंडी में लगभग 50 गोडाउन थे, जिनमे ंखल थी, गेहूं थी और सरसों थी, वह सारे का सारा अनाज बाढ के पानी के कारण सड गया। व्यापारियों ने उस सडे हुए अनाज को बाहर डाल दिया। उस सडे हुए खल अनाज को खाकर 100 गऊएं मर गई। उपाध्यक्ष महोदय, यह जांच का विशय है।

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोडा): आप बिल्कुल गलत बोल रहे हैं वहां पर ऐसी कोई बात नहीं हुई।

प्रो0 राम बिलास भार्मा : उपाध्यक्ष महोदय, यह सदन है और वहांपर 100 गाएं मरने की बात है। मैं यह बात बडे कांफीडैंस के साथ कह रहा हूं। मैं वहां 23 जुलाई को गया था। मैंने ला ाों को देखा है और लोगों से मिला हूं। उपाध्यक्ष महोदय, अगर अरोडा साहब यह कहते हैं कि मेरी बात असत्य है, तो आप इनके साथ अपोजी ान पार्टी का एक विधायक, वहां पर भेज दें, वह वहां जाकर पता कर लेंगे कि वहां पर 100 गाएं मरी थी या नहीं।

श्री लछमन दास अरोडाः उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को चेलेंज करता हूं वहां पर कोई गाय नहीं मरी।

प्रो0 राम बिलास भार्मा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूरे कांफीडैंस के साथ यह बात कह रहा हूं। कोई भी इस बारे में जांच कर लें। जहां जहां पर बाढ का पानी आया, वहां वहां पर प ाुओं में बीमारी फैली है। प ाुओं में गल घोटू की बीमारी खराब पानी पीने से और कम चारा खाने से फैली है। उन ईलाकों में एनीमल हसबैंडरी की मोबाइल टीम तुरंत जाकर प ाुओं में जो बीमारी फैली है, उसका उपचार करे। जिन ईलाकों में बाढ है, जिन ईलाकों में सूखा पडा है वहां पर सरकार सबसीडाइज्ड रेट पर चारा उपलब्ध कराए।

चौधरी जिले सिंह (साल्हावास) : डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए बहुत बहुत

धन्यवाद। सारे प्रदे ा में सूखे की भयंकर स्थिति बनी हुई है, जब कि पिछले दिनों बाढ से भी काफी नुकसान हुआ। बारि ा होने की वजह से जहां बाढ आई, वहां हमारी तहसील झज्जर की जमीन रेतीली होने के कारण मुंह बन्द कर गई इसलिए वहांपर अकाल जैसी स्थिति बनी हुई है। पिछले दिनों कोसली के प ा मेले में पानी का एक एक मटका 6–6 रूपये में बिका, दूसरी तरफ सारी फसल तबाह हो गई। जहां एक ओर ज्वार बाजारा और ग्वार सूख गया उनके लिए पानी नहीं है वहीं दूसरीतरफ पीने के पानी की बडी भारी समस्या बनी हुई है। अगर सरकार ने जल्दी ही झज्जर, रिवाडी और महेन्द्रगढ की ओर ध्यान नहीं दिया तो वहां पीने का पानी नहीं मिलेगा। उस इलाके में वाटर लेबल कम से कम 100 फुट नीचे चला गया है। वाटर को रीचार्ज करने के लिए जैसे चौधरी बंसी लाल जी ने भी कहा कि डब्ल्यू0जे0सी0 का पानी वहां बरसात के दिनों में दिया जाए और यह बहुत ही अच्छा सुझाव है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे अपने जिले में 30 दिन में से सिर्फ 3 दिन नहर चलती है। पिछले दिनों 25 तारीख को नहर आई थी और 28 तारीख को बन्द हो गई थी। एक महीने में अगर 3 दिन पानी चलेगा तो उससे सिंचाई तो क्या होगी पीने का पानी भी पूरा नहीं हो सकेगा। एक ओर पीने के पानी की समस्या है, वहीं दूसरी ओर, पानी न होने की वजह से फसलों का भी नुकसान हो रहा है। झज्जर सब ब्रांच नहर की डी सिल्टिंग नहीं हुई है, उसके दो पम्प हाउस अखेडी मदनपुर और लाडैन बन्द पडे हैं ओर इसके आगे झांसवा वाटर सप्लाई और जमालपुर वाटर सप्लाई है उनमें

पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। मैं मुख्य मंत्री जी से डिप्टी स्पीकर साहब, आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि उस नहर की डीसिल्टिंग कब करवाएंगे और जो पम्प हाउस हैं इनको कब तक चालू करेंगे। इसके साथ ही साथ जे0एल0एन0 कैनाल से 3–4 माईनर्ज निकलती हैं निका 90 प्रति ात से ज्यादा काम हो चुका है। झांसवा माईनर पर चार छोटे छोटे पुल बनने हैं। अगर वे पुल बन जाएं तो कम से कम 6 गांवों को पीने का पानी मिल सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मोहन बाडी में, पिछल बार मोर मर गए थे। पानी के बिना प ाुपक्षी पागल हो रहे हैं और लोग 4–4 किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हो गये हैं। अगर झासंवा माईनर के 3–4 पुल बन जाते हजैं तो 5–6 गांवों के पीने के पानी की समस्या हल हो सकती है। इन गांवों का सारे का सारा पानी खारा है। इसी तरह से खाचरोली माईनर है उस पर सिर्फ 2 पुल बनने हैं अगर इनको बना दिया जाए तो 3–4 गांवों को पीने का पानी मिल सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, सिंचाई तो बहुत दूर की बात है हमारे यहां तो पीने के पानी की भी भारी समस्या है इसतिलए सरकार को इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए। साल्हावास माईनर का भी 80 प्रति ात काम हो चुका है, इसको जल्दी पूरा करवाया जाये।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक बिजली का सवाल है, वहां पर बिजली का अन डिवलेयरड कट है। 5 बजे से 7 बजे तक तो डिक्लेयरड कट है लेकिन उसके बाद रात के 11–12 बजे तक

बिजली नहीं आती अगर आती भी है तो बहुत ही डिम आती है। किसान यह समझता है कि बिजली पूरी आ रही होगी। जब वह टयूबवैल चलाता है तो उसकी मोटर जल जाती है क्योंकि दिन में लाईट आती नहीं और रात को आती भी है तो डिम आती है जिसकी वजह से खेतों में टयूबवैलों की मोटरें जल जाती हैं और किसान का बहुत नुकसान होता है। मेरे हल्के में पिछले दिनों 20 मोटरें जल गई जिससे किसानों का बहुत नुक्सान हुआ। बिजली की चोरियां भी होती हैं। लोगों को तंग भी किया जा रहा है। एग्रीकल्चर सैक्टर में विजिलैंस के छापों से लोगों को परे ाान किया जा रहा है। किसी के घर पर थरै ार खडा है, मोटर पडी है तो उसको उठा लिया जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, सेलंगा गांव की बात है, किसान के पास आटा पीसने की चक्की भी थी और अपना थरै ार भी था, उसकी मोटर को उठा ले गए और कहने लगे कि तुम यहां पर थरै ार चलाते हो, जबकि थरै ार वह अपने खेत में चलाता था। मेरे हल्के में कई नाजायज केस पकडे हुए हैं और कई जगहौं पर लोगों को हरास और परे ाान किया गया है। मैं डिप्टी स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इण्डस्ट्रियल सैक्टर में ऐसी चोरियों को डिटैक्ट करने के लिए छापे मरवाए गए हैं ? हमारी सरकार के टाईम में फरीदाबाद और गुडगांव जिलों में इण्डस्ट्रियल एरिया की 100 करोड रूपये की चोरियों को पकडा गया था परन्तु इनकी सरकार ने उनके विरूद्ध कोई कार्यवाही न करके, उनको छोड दिया। इसी प्रकार से डिप्टी स्पीकर साहब ट्रांसफारमर बगैर

पेसे लिए और बगैर लालच के 2 महीने से पहले बदला नहीं जाता है। 2 महीने में भी तब बदला जाता है जब कन्ज्यूमर या टूयबवैल्ज वाले या गांव वाले एस0डी0ओ0 या जे0ई0 को पैसा दें, तब वह ट्रांसफारमर बदला जाएगा और उसके लिए भी ट्रांसपोर्ट अपनी ले जानी पडती है। अपने वहीकल्ज ट्रांसफारमार्ज लाने के लिए इस्तेमाल करनी पडती है जबकि सरकार कहती है कि रूल्ज में प्रोवीजन है कि वे ट्रांसफारमर्ज सरकार खर्चे पर ले जाकर वहां लगाते हैं, लेकिन वास्तव में ऐसी कोई बात नहीं है। कंज्यूमर्ज चंदा इकटठा करके ट्रांसफामर्ज लगवाते हैं। इसके साथ साथ उपाध्यक्ष महोदय, अब पब्लिक हैल्थ विभाग द्वारा वाटर सप्लाई का सवाल है। आज न तो बिजली है और न ही पानी है। यह सब न होने की वजह से जो पब्लिक वाटर वर्कस हैं उनके लिए बिजली नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के कई गांव हैं जैसे साल्हावास, नीलोखेडी और वीरोहड इनके अन्दर छोटे छोटे वाल्व दो दो महीने से नहीं हैं। अगर वह डेढ दो सौ रूपए का वालव लग जाए तो टंकी में पानी चढ सकता है। मैंने एक्सियन से कहा कि टंकी भर के पानी चलाया करें, वह बोला कि वालव नहीं है। मैंने कहा कि परचेज कर लो तो उसने कहा कि पैसे नहीं हैं। डेढ दो सौ रूपये के लिए हजारों लोग परे ाान हों, यह बहुत ही भार्म की बात है। इसलिए वे जो बाल्ज हैं वे बदले जाएं। उपाध्यक्ष महोदय, वाल्ज न होने की वजह से जो बिजली रात में आती है उससे टंकी मे ंपानी नहीं चढ पाता और दिन में बिजली आती नहीं है जिसके कारण नलके बन्द पडे रहते हैं, इसलिए यह सुधार

करवाया जाए। साथ ही जहां जहां पर पब्लिक हैल्थ वालों की मोटरें जली पडी हैं उनकी तरफ भी ध्यान दिया जाए। पानी की समस्या एक अहम समस्या है। पीने का पानी बहुत ही आव यक है। मेरा हल्का झज्जर तहसील में है। मैं आपको दावे के साथ कह सकता हूं कि लोग ट्रैक्टर में गाडियों में पानी की टंकियां भर के लाते हैं। अब भी यह हाल है कि कोसली की मण्डी में दो रूपए का मटका बिक रहा है। यह बडे ही भार्म की बात है। मैंने जब एस0डी0ओ0, पी0एच0 कोसली से पूछा कि कम से कम पीने का पानी तो मुहैया करवाओ, तो कहने लगे कि बिजली नहीं आती। मैंने कहा कि तुम्हारे यहां नांगल में तो इंजन भी लगा हुआ है, तो उन्होंने कहा कि इंजनों के लिए तेल के पैसे नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली तो है नहीं और इंजन लगे हैं लेकिन तेल खरीदने के लिए पैसे नहीं है।। इससे भार्म नाक और क्या बात हो सकती है ? यह मौजूदा सरकार आम जनता को पानी नहीं दे सकती। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक सुझाव और इस सरकार को देना चाहूंगा कि कुछ इलाकै पानी में डूबे हुएहैं लेकिनर वहां पर लोग फसल नहीं बीज सकते। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को चाएिह कि जहां पर फलड है वहां से उस पानी को निकालैं और नहरों के जरिए जहां पर सूखा है, वहां उस पानी को पहुंचाया जाए। ऐसा करने से दोनों जगह फसल हो सकती है। इस बारे में सरकार को ध्यान देना चाहिए और जलदी सख्त कदम उठा कर यह कार्य करना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, पिछली 28 तारीख को श्री के0सी0 भार्मा, कमि नर साहब जमालपुर में गए और लोगों ने उन्हें कहा कि यहां पर पानी नहीं है, लोग प्यासे मर रहे हैं, आप यहां पर पानी का अरेंजमैंट करवाएं। के0सी0 भार्मा जी ने लख्मी चन्द रागनियों की कई कैसेटस बनवा रखी हैं। इसका नाम है– 'लख्मीचन्द की प्रेमधारा', 'ज्याति सतबीर का प्रेम'। मैं यह बात सच कह रहा हूं। वे कैसेटस लोगों को, बी0डी0ओज कोआप्रेटिव बैंक को, तहसीलदार को और सरपंच को देते हैं। और उन्हें कहते हैं कि कम से कम सौ सौ कैसेटस तो आप हमारी बिकवा दो। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर इनके अधिकारी ही व्यापार करेंगे तो जनता का क्या सुधार करेंगे ? इस बात में अगर कोई संदेह हो तो आप इस मामले की इन्क्वायरी करवा सकते हैं।

चौधरी जिले सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा सरकार को यह बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के में पांच गांव ऐसे हैं जिन्हें वाटर सप्लाई नहीं किया गया जबकि पिछले सै ान से सरकार दावा करती रही है कि हरियाणा सरकार ने 6735 गांवों में पानी दे दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, साल्हावास, बिहरोड, लूलाहेडी, जमालपुर, ढालनवास, गोरिया और एक गांव लूखी जो जाटूसाना हल्के का है, इन गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि अगर इन गांवों में आज तक पानी गया हो या वहां पर कोई पब्लिक हैलि का पाईप दबा रखे हों तो ये मुझे बता दें। ये ऐसे ही कह रहे हैं

कि 6735 गांवों को पानी मुहैया करवाया है। उपाध्यक्ष महोदय, ये ऐसे ही कह देते हैं कि इन्होंने इतने गांवों को पीने का पानी दे दिया है। इसके साथ ही एक तरफ आज टिडडी दल का खतरा भी प्रदे ा में बना हुआ है दूसरी तरफ सूखे के लिए भी सरकार कुछ नहीं कर रही है। इससे पहले फल्ड के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। फल्ड से कितने मकान ढह गये और कितने लोग बह गये सारी फसलें बर्बाद हो गईं। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे डर है कि टिडडी दल कहीं प्रदे ा में न आ जाए और इससे किसान न मारे जाएं। किसान तो पहले ही फल्ड के कारण मारे गये, और अब वे सूखे के कारण मर रहे हैं। उनकी फसलें बर्बाद हो गयी हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं। (इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खडे हो गये)

श्री उपाध्यक्षः आप सभी बैठिये। सभी पार्टीज के सदस्येां के प्वायंटस आ गए हैं, इसलिए अब मुख्य मंत्री जी बोलेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कृश्ण लालः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने के लिए पांच मिनट चाहिए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो कल सै ान चलना है ये कल बोल सकते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने सूखे की स्थिति को लेकर चिन्ता व्यक्त की है। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, आप इनको

बैठाईये। ये कल बोल सकते हैं तथा कल ही अपने हल्के की बातों के साथ साथ यह बात भी कह सकते हैं। ये सारी बातें तो कल ही आ गयी हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिये। चन्द्रावती जी, क्या आप बोल चूकीं ?

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सभी सदस्यों को अपने हल्के की बातें कहनी हैं। जिन लोगों ने कालिंग अटैं ान मो ांज दे रखे हैं, उनको तो अंडर रूल आपको बोलने के लिए समय देना ही चाहिए, चाहे इसके लिए आपको और समय क्यों न बढाना पडे।

श्री अध्यक्षः सभी पार्टियों के काफी सदस्य बोल चुके हैं, इसलिए अब मुख्यमंत्री जी बोलेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। स्पीकर सर, यह बडा गंभीर मुददा था जिस पर चर्चा हो रही है और अब यह फलड के बाद आया हुआ सूखा है। दोनों तरफ गंभीर संकट है। इस पर हाऊस में पिछले दो घंटे से डिस्क ान चल रही है लेकिन ट्रैजरी बैंचिज के लोग थपथपी पीट रहे थे, यह बडी भार्म की बात है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस सदन में बहुत से माननीय सदस्यों ने सूखे के बारे में काफी चिन्ता व्यक्त की है और यह चिन्ता का विशय है भी। इस बात से सारे प्रदे ा के चुने हुए नुमाइंदे और सरकार के अधिकाररी चिंतित हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। सवाल तो यह है कि सरकार की तरफ से कोई सहायता दी गई है या नहीं।

अध्यक्ष महोदय, पहले तो भयंकर बाढ आ गई। कल बाढ के बारे में साढे तीन घंटे चर्चा हुई और उस चर्चा में ढाई घंटे सभी माननीय सदस्यों ने अपनी बातें कहीं और एक घंटा मैंने जवाब दिया। बात तो लगभग उसी से मिलती जुलती है क्योंकि बरसात हुए डेढ महीना हो गया है, उसके बाद बरसात नहीं आई। जब बरसात नहीं आती तो प्रदे ा के सामने बडी भारी दिककत आ जाती है चाहे वह प ाुओं के चारे की हो ..... (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अमर सिंह जी, आप डिस्टर्ब क्यों कर रहे हैं।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, आपने आदे ा दिया था कि जो इस बार में एडजर्नमैंट मो ान थी उसे काल अटैं ान मो ान में कनवर्ट कर दिया गया है और पार्टी के हरेक मैम्बर को ज्यादा से ज्यादा समय बोलने के लिए मिलेगा। हमारी पार्टी की तरफ से सिर्फ चौधरी बंसी लाल जी 10 मिनट बोल कर गए हैं, और किसी मैम्बर को टाइम नहीं मिला है। हमारी पार्टी के एक सदस्य श्री

कर्ण सिंह दलाल सदन से वाक आउट कर गए हैं अतः एज ऐ प्रोटैस्ट हम भी सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय श्री अमर सिंह, श्री राम भजन अग्रवाल, प्रो0 छतर सिंह चौहान, श्री पीर चन्द और श्री ओम प्रका ा जिन्दल सदन से वाक आउट कर गए।)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, अभी चौधरी अमर सिंह जी कह रहे थे कि हमारी पार्टी की तरफ से सिर्फ चौधरी बंसी लाल जी 10 मिनट बोले हैं, बाकी किसी और सदस्य को समय नहीं मिला। असल में चौधरी बंसी लाल ही बचेंगे। बाकी तो सारे कांग्रेस में आना चाहते हैं।

चौधरी भजन लालः बंसी लाल जी कैसे बचेंगे, उनका तो सारा परिवार ही कांग्रैस में है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अर्ज कर रहा था कि बरसात न होने की वजह से प्रदे ा में बिजली का भी संकट है। किसान भी बडा परे ाान हो जाता है जब 6 महीने बाद भी कोई फसल न आए। बेचारा कहीं से उधार लेकर काम चलाता है बैंक लोन लेता है, पता नहीं कितने ही मसले किसानों के सामने होते हैं। बरसात न हो तो कितना भी नहर का पानी हो, उसमें कमी आ जाती है, कितना भी पानी हो, बरसात न होने से फसल आधी हो जाती है। प्रदे ा में वाकई सूख पडा हुआ है। सरकार की तरफ से जो बात हम कर सकते हैं उसमें हम कोई भी कसर बाकी नहीं रखेंगे। पहले

माननीय सदस्यो ंने कई बातें कहीं हैं जैसे श्री ओम प्रका ा बेरी ने बिजली के कनैक ान और ट्रांसफार्मर के बारे में कहा है। जहां तक तूडे के भाव का संबंध है, हम इस संबंध में अनाउंसमैंट करने जा रहे हैं। लोन की वसूली की चर्चा मैं बाद में करूंगा। सम्पत सिंह जी ने नहरी पानी और बिजली की बात कही है। एक बात उन्होंने यह कही कि बिजली के मामले को लेकर डिमांस्ट्रे ान हो रहे हैं, घेराव हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि कई जगह ऐसा है। लोग भाायद यह समझते हैं कि बिजली भाायद दफतर में होगी जहां से वे ले लेंगे। भाायद वे यह समझते हैं कि बिजली यह दे सकते हैं। बिजली की समस्या अकेले हरियाणा प्रदे ा में ही नहीं है बल्कि सारे मुल्क में है। सारे दे ा में कट हे, 8–8 घंटे का कट लग रहा है। कोई भी ऐसा प्रदे ा नहीं है जहां बिजली का कोई कट न हो। हमने किसानों को बिजली देने के लिये जितने भी फरनेसिज चलते हैं, उनको बंद कर दिया हैं इस तरह से जो हमें 30–35 लाख यूनिटस बिजली मिली है, वह किसानों को दी है। अभी कल ही मैंने बिजली की सप्लाई के मामले में पिछले साल के मुकाबले में इस साल कितनी ज्यादा बिजली दी गयी है, इस बारे में आंकडें दिये हैं। इस बात को सारा सदन जानता है कि हमने ज्यादा बिजली देने की पूरी कोि ा ा की है लेकिन सूखा पडने की वजह से दिक्कत ज्यादा आ रही हैं। अगर बारि ा हो जाती तो वन फोर्थ बिजली से भी काम चल सकता था, क्योंकि तब जमीन गीली होती हैं जब जमीन गीली हो तो थोडी बिजली से भी काम चल जाता है लेकिन जब

जमीन बिल्कुल सूखी पडी हो तो उसे गीला करने के लिए चार गुना ज्यादा पानी लगता है। जिस जमीन को एक टयूबवैल दो घंटे में 4 एकड में पानी भर पाता है वहीं पर सूखी जमीन में वही टयूबैवल मु कल से 4 घंटे में एक एकड में पानी भर पाता है। सूखी जमीन पानी ज्यादा लेती है। स्पीकर साहब, आप तो किसान हैं, आपको तो बहुत ज्यादा पता है। एग्रीकल्चर के मामले में अगर मैं आपको डाक्टर कहूं तो कोई गलत बात नहीं होगी। यह जो डिमांस्ट्रे ान्ज होते हैं उनमें अगर मैं यह कहूं कि हमारे लोगों का हाथ भी रहता है तो कोई गलत नहीं होगा। सियासी आदमी अपने स्वार्थ सिद्धी के लिये लोगों को बहकाने की बात करते रहते हैं। लोगों को यह समझना चाहिये कि असलीयत में बात क्या है, सरकार की नीयत ठीक है या नहीं। हमारे माननीय सदस्यों को इस तरह के सुझाव देने चाहियें ताकि हम इस समस्या को हल कर सकें।

प्रो0 सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने अभी कहा कि हमें सुझाव देने चाहिये। तो मैं सुझाव ही दे रहा हूं। इनहोंने यहां पर कहा कि सियासी लोग ही ऐसी बातें करते हैं। इनको भाायद याद हो या न हो, इनके खुद के पावर मिनिस्टर ने जब यह महकमा संभाला तो संभालते ही फरीदाबाद में इनका जब स्वागत हुआ, तो इन्होंने कहा कि वे 5 मिनट में बिजली की समस्या हल कर सकते हं, अगर दिल्ली को बिजली देनी बन्द कर दी जाये तो .....

श्री ए0सी0 चौधरीः मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। (व्यवधान व भाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः फिर आपको कन्ट्राडिक्ट करना चाहिये था ?

चौधरी भजन लालः आप क्या बात करते हो। क्या बिजली हरियाणा दिल्ली को देता है ? आप भी इस महकमे के वजीर रहे हैं। आप जानते हैं कि भारत सरकार से हम बिजली लेते हैं। एन0टी0पी0सी0 से हम बिजली संगरोली के माध्यम से लेते हैं पता नहीं ये लोगों को क्यों गुमराह करते हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः 29 तारीख के दैनिक जागरण में यह बयान छपा है।

श्री ए0सी0 चौधरीः इन्होंने छपवा दिया होगा। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः पानी के बारे में तो ये कह सकते हैं क्योंकि पीने के लिये हम उनको पानी देते हैं लेकिन बिजली के बारे में यह कैसे कह सकते हैं, जबकि हम दिल्ली की सरकार से बिजली लेते हैं ? उनको देते नहीं हैं (व्यवधान व भाोर)

श्री सतबीर सिंह कादियानः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। प्रो0 सम्पत सिंह ने जो दिल्ली को बिजली देने की बात कही। जो आरोप उन्हौंने लगाया है वह इस तरह से हो सकता है कि

एन0टी0पी0सी0 से और भाखडा से अपना भोयर ही हरियाणा न ले और उस भोयर को वह दिल्ली को दे दे। गर्मियों में हरियाणा अपना भोयर दे दे और सर्दियों में अपना हिस्सा ले ले।

चौधरी भजन लालः कादियान साहब, आदमी को जिस लाइन की जानकारी न हो उसके बारे में नहीं बोलना चाहिए। जिस चीज की जानकारी हो उसी की बात करनी चाहिए। स्पीकर साहब, हमारे भोयर से ज्यादा बिजली लेते हैं और बिजली उनसे खरीदते भी हैं। पैसा उनको देते हैं और खरीदने पर भी हमको बिजली नहीं मिलती; और वह इसलिए कि आप जैसे लोग किसानों को बहकाते हैं कि बिल का पैमैंट मत करो। स्पीकर साहब, पैसे दिए बगैर बिजली मिलती नहीं है। सम्पत सिंह ने कहा कि पेहवा में लोगों को गिरफतार किया गया। स्पीकर साहब, कोई भी आदमी यदि कानून को अपने हाथ में लेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। जहां तक बिजली की चोरी का सवाल है यह बात बिलकुल सही है। कल हमारी पार्टी मिटिंग में भी यह मामला डिस्कस हुआ था। कल डेढ घंटा तक बिजली का मामला डिस्कस हुआ था कि बिजली के मसले का कोई हल निकाला जाए। इसके लिए हमने एक कमेटी बनाई और उस कमेटी की मीटिंग आज चार बजे बुलाई है। उसमें यह डिस्कस होगा कि बिजली की चौरी कैसे रोकी जा सकती है और बिजली बोर्ड जो आंकडे देता है, वह सही हैं या नहीं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पावर की कमेटी बनी है और इरीगे ान की कमेटी भी बनी है। उसमें टोटल मिनिस्टर और एम0एल0एज0 रूलिंग पार्टी के हैं। आप उस कमेटी में अपोजी ान के एम0एल0एज0 को भी भाामिल करें और उनके सुझाव प्राप्त करें। जो डिपार्टमैंट के मिनिस्टर हैं वे उन कमेटीज के चेयरमैन हैं। इन कमेटीज में चार पांच मिनिस्टर हो गए और एक दो एम0एल0एज0 हैं अगर आप अपोजी ान के मैमबर भी भाामिल कर लें तो आपको अच्छे सुझाव मिल सकते हैं।

चौधरी भजन लालः हमें इसमें कोई ऐतराज नहीं है। जो अच्छे सुझाव होंगे, उनको माना जाएगा। हम कमेटी में एक दो मैम्बर आपके भाामिल कर सकते हैं। स्पीकर साहब, यहां यह कहा गया कि चोरी की वजह से कनैक ान काट दिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई व्यक्ति चोरी करेगा तो उसका कनैक ान तो काटा ही जाएगा .....

प्रो0 सम्पत सिंहः मैं तो गांव के कनैक ान काटने की बात कह रहा था।

चौधरी भजन लालः इसका भी कोई कारण हो सकता हैं स्पीकर साहब, यहां पर ट्रांसफारमर्ज रिप्लेस करने की बात आई और कहा गया कि चीफ इंजीनियर के यहां से दिए जाते हैं स्पीकर साहब ट्रांसफारमर्ज के बारे में नीचे लैवल पर एक्स0सी0ए0

को अधिकार है वह चेंज कर सकता है। स्पीकर साहब, इन्होंने कहा कि एक आदमी से पांच हजार रूपया लिया गया .....

प्रो0 सम्पत सिंहः भोर सिंह फ्रीडम फाइटर हैं जिससे पांच हजार रूपया लिया गया, उसने ऐफीडेविट भी दिया है।

चौधरी भजन लालः आप मेहरबानी करके लिखकर दें। ऐफीडेविट मुझे नहीं मिला है। अगर आपके पास है, तो मुझे दे दें।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः चौधरी साहब, ग्रिवैन्सिज कमेटी की मीटिंग में वह ऐफीडेविट डिप्टी कमि नर की मौजूदगी में श्री ए0सी0 चौधरी को दिया था।

श्री ए0सी0 चौधरीः वह 13 अगस्त को दिया था। उसकी इंक्वायरी के आर्डर्ज किए हुए हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः प्रोफेसर साहब, आपको ऐफीडेविट देने की जरूरत नहीं है। आप वैसे ही कागज पर लिख कर दे दें, हम उसकी जांच करवा लेंगे। अगर सही बात होगी तो हम अव य ही कार्यवाही करेंगे। (ाोर एवं व्यवधान) दूसरा प्रोफेसर सम्पत सिंह जी ने कह दिय कि यमुना नगर के अंदर कब काम होगा, क्या होगा ? अगर मैं कुछ कहूंगा तो इनको तकलीफ होगी। बिजली बोर्ड का प्रोग्राम था यमुना नग्रर के अंदर थर्मल प्लांट लगाने का लेकिन जब इनका राज आया इनकी ऐसी मेहरबानी हुई कि इनहोंने वह प्रोजैक्ट ही एन0टी0पी0सी0 के हवाले कर दिया।

श्री अध्यक्षः वह जमीन किसने ऐक्वायर की थी ?

चौधरी भजन लालः जमीन हमने ऐक्वायर की थी। हमने वह प्रोजैक्ट बनाया था और हमारा बना बनाया प्रोजैक्ट इनहोंने एन0टी0पी0सी0 के हवाले कर दिया। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, चार साल इनका राज रहा लेकिन जो प्रोजैक्ट बनने जा रहा था, उसको इन्होंने कुएं में धकेल दिया। हमने आने पर एन0टी0पी0सी0 से बात की और जब वे नहीं माने, यह मैं रिकार्ड की बात बता रहा हूं फिर हमने उनको चिटठी लिखी कि या तो आप 15 दिनों के अंदर अंदर इसका फैसला कीजियेगा नहीं तो हम अपना प्रोजैक्ट अपने हाथ में ले लेंगे। तो इना करने पर वे जरा तेज हुए और उसके बाद बाहर की कंपनियों के साथ नेगोि ाऐ ान हुआ, कुछ कंडी ांज के साथ नेगो ीिऐ ान चला। काम भाुरू हो रहा है, एग्रीमैंट हो रहा है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, यह काम जल्दी भाुरू होने वाला है, पत्थर रखा गया है। एक इन्होंने हिसार व फरीदाबाद के बारे में भी कहा। उसका बाकायदा एम0ओ0यू0 साईन हो गया है। उस पर भी एग्रीमैंट बहुत जल्द होने वाला है। इसी तरह से इन्होंने फरीदाबाद गैस बेस्ड प्रोजैक्ट का भी जिकर किया इसको जापान गवर्नमैंट बनाएगी तकरीबन सारा मामला तय हो चुका है और काम भाुरू होने जा रहा है। साथ में इन्होंने एस0वाई0एल0 के बारे में भी कहा है कि 1986 में कितना काम हुआ, 1987 में 1988 में कितना हुआ, 1990 में कितना हुआ और 1991 में कितना काम हुआ। इस बारे में मैं इतना ही कह सकता

हूं कि जो कुछ मेरे वक्त में काम हुआ था, जो काम हम भाुरू करवा के गये थे, उतना ही रहा। जितना पैसा हम देकर के गये थे उससे ज्यादा पैसा नहीं दिया गया इनके राज में। यह सब कुछ इनके राज में नहीं हुआ। जब भजन लाल चीफ मिनिस्टर था तब यह सारा काम भाुरू हुआ था और वही काम चलता रहा। (ाोर) इसके लिए पैसा भी हमने ही भारत सरकार से तय करवाया था। हमारे जाने के बाद इनकी सरकार ने एस0वाई0एल0 का कुछ काम नहीं किया। भारत सरकार ने करवाया और 95 परसैंट काम इस नहर पर हम करवा के गये थे (ाोर) अध्यक्ष महोदय, इनको इस तरह से भाोर नहीं करना चाहिए जरा इत्मिनान से सुनना चाहिए। हम इनके बीच में कभी नहीं बोले। बहुत दिन हो गए हैं इनको हाउस में बैठे। इनको जरा यहां बैठने की सभ्यता भी सीखनी चाहिए। इनको हिमाकत समझनी चाहिए। (ाोर) इनको यहां बैठकर कुछ सीखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई बात होती है तो इनके मैम्बर और ये खुद बीच में उठ कर बोलने लगते हैं (ाोर) अध्यक्ष्ज्ञ महोदय, मैंने पहले भी कहा कि 95 परसैंट नहर का काम हम कर गये थे। भोश काम के लिए भारत सरकार से बातचीत चल रही है और बहुत जल्द काम चालू हो जाएगा। 6 महीने के अंदर अंदर वह नहर बन जाएगी, देर का सवाल नहीं है। बात नजदीक लगी हुई है। इसके साथ साथ इन्होंने एक बात का और जिकर कर दिया कि चूंगा गांव के अंदर पीने के पानी की जो पाईप लाईन जाती थी। वह उखाड दी गई। मैं इनको बताना चाहता हूं कि ऐसी कोई बात नहीं है। वह लाईन

बीच में से खराब हो गई थी उसकी मुरम्मत करवा दी गई है, अब कोई दिक्कत वाली बात नहीं है। हम कोई ऐसा काम नहीं करते जिसको पहले हमने भाुरू किया और फिर बाद में उसको उठा दें। अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ने तो बीच में ऐसे ही बातें करनी हैं इसलिए इनकी बातों का जवाब देने का कोई फायदा नहीं है। चौधरी बंसी लाल जी ने कुछ बातों के बारें में बहुत अच्छे सुझाव दिए और मैं इनके अच्छे सुझावों की ताईद करता हूं। इन्होंने बिजली और इंडस्ट्री के बारे में कहा और वाटर लैवल नीचे चले जाने के बारे में कहा। यह बात कुछ हद तक ठीक है। नहरों में पानी डाल कर कुछ कर सकते हैं और इस पर भी विचार किया जा सकता है। दादुपुर नलवी नहर की स्कीम बाकायदा बन चुकी है लेकिन इस नहर का काम तभी भाुरू करेंगे जब एस0वाई0एल0 कैनाल पर काम भाुरू हो जाएगा। क्योंकि एस0वाई0एल0 नहर का पानी जिस एरिया में जाएगा, अब उस एरिया को जो पानी यमुना का जाता है, उसको काट कर वह पानी वहां देंगे, तब जाकर दादुपुर नलवी कैनाल में वैस्टर्न यमुना कैनाल का पानी जा सकता है। इसलिए वह नहर बनती जरूरी है। जयों ही वह बनेगी, उस इलाके में नीचे का पानी दे देंगे और ऊपर पानी रोक कर यमुना का इस इलाके में दे देंगें। इन्होंने हरिके ा से राजस्थान की बात कही है। हमने ओटू झील को भी ठीक किया और उसका बांध भी ऊंचा किया लेकिन उसमें सिलट इतनी आती है कि वह एक साल में भर जाती है। एक इन्होंने भाारदा रिवर से पानी आ सकने की बात कही। भीम गोडा का भी जिक्र किया। ये स्कीमें कुछ समय

पहले बनी थी लेकिन बाद में कह दिया गया कि इसका लैवल ठीक नहीं है, फिर कही लिफट लगानी पडेगी। कुछ ऐसी दिक्कतें हैं इनको भी हम दिखाएंगे। जो भी उचित बातें इन्हौंने कहीं हैं उनको हम जरूर करने की कोि ा ा करेंगे। हम इनके अच्छे सुझावों को मानते हैं। चन्द्रावती जी ने पावर हाउस की बात कही थी कि उसकी कैपेसिटी बढाई जाए। मैं बाढडा के बारे में बहिन जी को बताना चाहता हूं कि वहां पर 132 के0वी0 के सब स्टे ान पर काम चल रहा है और वह तीन चार महीने मैं चालू हो जाएगा। राम बिलास भार्मा जी ने कहा कि नारनौल से पावर उठा कर डबवाली में ले गए .....

श्रीमती चन्द्रावतीः नकीपुर पहाडी पर एक स्टोन रखा गया था उसके बारे में क्या कर रहे हैं ?

चौधरी भजन लालः इसको भी दिखाएंगे। जो बात होने वाली है उसको हम करेंगे। राम बिलास भार्मा जी ने कहा कि उनका टेल का एरिया है और वहांपर वाटर लैवल नीचे चला गया है, यह भी ठीक बात है।

एक आवाजः ट्रांसफार्मर उठाने वाली बात तो बता दो।

चौधरी भजन लालः कहीं से उठा कर लाने का सवाल नहीं है। या तो कहीं पर बडा लगाना हो या वह छोटा पड गया होगा, इसलिए कोई चेंज करने की बात हो सकती है।

श्री कृश्ण लालः पानीपत में एक किसान को टयूबवैल का अभी कनैक ान नहीं मिला है, लेकिन बिजली का 17 हजार रूपए का बिल आ गया है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः कोई इंडीविजयुल बात है तो वह मन्त्री जी को अलग से बताएं।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, पंजाब में तो पावर हाउस 5–6 बन गए हैं जबकि हमारे यहां केवल दो ही हैं, इसक क्या कारण है ?

चौधरी भजन लालः आपकी बात ठीक है लेकिन बात पैसे की है। हरियाणा प्रदे ा सारे दे ा में अकेला प्रदे ा है जो किसान को ज्यादा बिजली देता है। पांजब किसानों को 45 प्रति ात बिजली देता है और हम 62 प्रति ात देते हैं। इस तरह हर यूनिट के पीछे एक रूपए का हमें नुकसान होता है।

श्री धीरपाल सिंहः इसके बावजूद भी गांवों में बिजली का बहुत अभाव है ?

चौधरी भजन लालः मैं खुद मानता हूं कि अभाव है, लेकिन अभाव का असली ईलाज तो तब होता है जब परमात्मा साथ देता है। लेकिन हमें यह देखना पडेगा कि किसान अपने बिल दें। अगर वे बिल नहीं देंगे और बिजली की मांग करेंगे तो बिजली कहां से बनेगी, अगर नए प्रोजैक्ट नहीं लगेंगे। नए

प्रोजैक्ट पैसे से बनते हैं। आपने तो उनको बहुत बहकाया कि बिल मत दो।

श्री धीरपाल सिंहः वे किसान आपके मित्र हैं। एस0जे0पी0 ने कभी भी किसानों को नहीं कहा कि बिल मत भरो।

चौधरी भजन लालः चलो, ठीक है। चौधरी जिले सिंह ने जे0एल0एन0 के बारे मैं कहा कि इसमें तीन चार माईनर्ज का काम 95 प्रति ात हो चुका है। (विघ्न)

(इस समय श्री कृश्ण लाल सदन के वैल में जाकर एक बिजली का बिल दिखाने लगे और उन्होंने बतायाकि पानीपत के एक किसान को अभी बिजली का कनैक ान नहीं मिला है लेकिन उसका 17 हजार रूपए का यह बिल आया है।)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य के कहने का मतलब यह है कि उसको बिजली का कनैक ान नहीं मिला है और बिजली का बिल आ गया। (ाोर)

चौधरी भजन लालः माननीय सदस्य मंत्री जी से मिल लें और उनको बता दें, इसमें क्या दिक्कत है ? अध्यक्ष महोदय, तीन चार माइनर्ज का 95 परसैंट काम हो गया है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, जहां पर पीने का पानी कुओं से सप्लाई करते हैं जिनको वाटर लैवल नीचे चला गया है उनका बिजली का खर्च बेहद आता है। उनका खर्चा आम

टयूबवैलों के खर्चे के अनुसार आना चाहिए। उनकी कन्जम्प ान भी आम टयूबवैल के अनुसार होनी चाहिए डोमैस्टिक कन्जम्प ान के हिसाब से नहीं होनी चाहिए।

चौधरी भजन लालः ठीक है। अध्यक्ष महोदय, जिन माइनर्ज का 95 परसैंट काम हो चुका है, उनका बाकी काम जल्दी ही पूरा करवाएंगे। इसके अलावा तीन चार पुलौं के बारे मे बात कही है कि उन पुलों को बनाने से पांच छः गांवों में पीने का पानी चला जाएगा। हम उन पुलों को भी जल्दी ही पूरा करेंगे। इसके अलावा, बिजली की चोरी रोकने के लिए और ट्रांसफारमर्ज के बारे में मैंने बता दिया है। इस बारे में हमने आज भााम को भी एक मीटिंग रखी है। माननीय सदस्यों ने टिडडी दल का भी जिक्र किया है। इसके अलावा माननीय सदस्यों ने एक बात कमि नर रोहतक के बारे में कही कि कमि नर रोहतक श्री के0सी0 भार्मा ने लखमीचन्द की रागनियों की कैसेटस बेचने के लिए अपने अधीन काम कर रहे कर्मचारियें को दी हैं। इन्होंने यहां पर भी वह कैसेट दिखाई हैं। अध्यक्ष महोदय, लखमी चन्द कोई मामली आदमी नहीं थे, मैं कहूंगा कि वे बहुत भाानदार कवि थे। उन्होंने बहुत सी बातें कही हैं, जिनके कारण इस प्रदे ा के लोग उनका सम्मान करते हैं। टी0वी0 वगैरह तो अब आए हैं, उन दिनों लोग नाच गाने देखा सुना करते थे। मैं यह कहता हूं कि नार्दन इंडिया में लख्मी चन्द एक टाप के इन्सान थे, यह गलत बात नहीं है। कमि नर रोहतक के बारे में यह बात कहना कि वह बी0डी0ओ0,

एस0डी0ओ0 तहसीलदार या किसी दूसरे को यह कहता है कि आपको कैसैटस आकर लेनी हौंगी। यह बात उनको भाोभा नहीं देता। जो औफिसर यहां हाउस में अपने आपको डिफैंड नहीं कर सकता, उस औफिसर पर ऐसे इल्जाम नहीं लगाने चाहिएं। (ाोर)

श्री जिले सिंह जाखड़: मैं जानना चाहूंगा कि श्री के0सी0 भार्मा ने ये कैसेटस किस खु ाी में बंटवाई हैं ? अगर इन कैसेटस को उनका बेचने का इरादा नहीं था तहसीलदार को या मिनि बैंाकें से पैसा नहीं लेना है, तो क्यों बंटवाई ? अगर कैसेटस बंटवानी थी तो आम पब्लिक में बंटवा देते, लेकिन यह हार्ड फैक्ट है कि उन्होंने कैसेटस बेचने के लिए सरकारी कर्मचारियों के जिम्मे काम लगाया है कि आपको इतनी कैसेटस देनी हैं, आपको इतनी कैसेटस देनी हैं अगर उन्होंने कैसेटस नहीं बेचनी थी तो किस लिए बनवाई हैं ?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इसको दिखवा लेंगे। अगर यह सही बात है तो इसको हम चैक करेंगे, ऐसी बात नहीं होनी चाहिए। कमि नर का यह काम नहीं है। हम सारी बातें देखेंगे। अध्यक्ष महोदय, बाढ के बारे में मैंने कल बता दिया था और आज भी एक क्वै चन था, उसका हमने जवाब दिय है, इसलिए इस बारे में दोबारा दोहराने की जरूरत नहीं है। सूखे की जो दिक्त है उसमें 3–4 बातें आती हैं। सबसे पहली जो दिक्कत आती है, वह प ाुओं के पीने के पानी की दिक्कत है। हमने बाकायदा सारी स्टेट के अन्दर यह आदे ा दे दिए हैं कि प ाुओं

के पानी पीने के जितने भी तालाब हैं वे भरवा दिए जाएं। कहीं पर भी कोई ऐसा तालाब न हो जो भरा हुआ न हो। गांव की पंचायतें, अगर कहीं पर इस काम में दिलचस्पी न लें तो अधिकारी, खुद दिलचस्पी ले कर हर हालत में तालाबों को पानी से भरवाएं ताकि प ाुओं को पीने के पानी की कोई दिक्कत न हो। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात है प ाुओं के चारे की। हमने यह फैसला किया है कि चारा चाहे कहीं से मिले, वहीं सें लाया जाए। तूडी जहां से मिले, लोग ला सकते हैं। उस पर 50 परसैंट सबसिडी देंगे और ट्रक पर लाने में जो किराया भाडा लगेगा, उस पर भी 50 परसैंट सबसिडी देंगे। बाकी का 50 फीसदी जो पैसा है, वह तकावी की भाक्ल में जब फसल आएगी, तब उनसे वसूल किया जाएगा। यह फैसला हमने किसानों और गरीबों के हित में किया है। हमने बाकायदा हिदायतें जारी कर दी हैं कि डी0सी0 चारा वगैरा खरीदने में लोगौं को मदद दें। इसके साथ साथ ऐग्रीकल्चर सेक्टर को प्रायरिटी दे कर बिजली दी जाएगी। हमारे पास जितनी बिजली अवेलेबल है वह हम कृशि सैक्टर को देंगे, चाहे उसके लिए हमें 15 दिन के लिए इंडस्ट्रीज को बंद ही क्यों न करना पडे, हम बंद करेंगे। जो छोटी इंडस्ट्रीज हैं जिनमें लेबर काम करती है और खाने पीने की चीजें बनती हैं या आम आदमी के इस्तेमाल की चीजें बनती हैं, उनको बंद नहीं किया जाएगा ताकि आम आदमी को कोई दिक्कत न हो। बाकी की जो बडी इंडस्ट्रीज हैं अगर वे सारी बन्द करनी पडी तो वह भी करेंगे ताकि किसान को पूरी बिजली मिल सके।

श्री अध्यक्षः बंद करने की तो अब जरूरत है, अगर अब बंद नहीं करेंगे तो फिर कब बंद करेंगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आज भााम को ही हमने इसके बारे में एक बैठक बुलाई है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, इस सदन में आने वाले हर सम्मानित सदस्य को सदन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए और चेयर की गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए। हम लोग जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं और सही तथ्य जनता के सामने भी आने चाहिए। स्पीकर साहब, मैं यह तो मानकर चलता हूं कि यह नैचुरल कैलेमिटी है इनकी वजह से नहीं हुई। सरकार ने अखबार में लम्बा चौडा इ तहार दिया है, वह कितना सच है, मैं उसमें भी नहीं जाऊंगा। मुख्य मंत्री जी आंकडे भी बता रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं आन ए प्वायंट आफ आर्डर पर खडा हुआ हूं। मैं कहना चाहता हूं कि हो सकता है मुख्यमंत्री जी के सामने तथ्य गलत आए हों, इनको भी पूरा ध्यान रखना चाहिए। अगर तथ्य सही नहीं है तो उनको बोलते समय ध्यान रखना चाहिए ताकि असत्य न बोला जाए। स्पीकर सर, आपके आसन के ऊपर खम्बे पर और मुख्य मंत्री जी के सामने लिखा है– इस हाउस में आकर सत्य बोला जाए। स्पीकर साहब कल भी चर्चा हुई थी ओर आज भी चर्चा चल रही है। जो आंकडे दिए गए हैं, उनमें हरियाणा की सरकार सच बोलती या केन्द्र की सरकार सच बोलती है उसका

निर्णय स्पीकर साहब, आप स्वयं करेंगे। मैंने कल भी यह बात कही थी आज फिर पढ कर सुना रहा हूं। राज्य सभा के सम्मानित सदस्य श्री दलीप सिंह दूबे ने प्र न पूछा था, मैं इसकी डिटेल में न जाते हुए जो सरकार की तरफ से जवाब मिला है कि किन किन स्टेटस में इलैक्ट्रिसिटी बोर्डों को घाटा है, उसमें आता हूं। हरियाणा प्रदे ा के इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड को 1225 करोड 21 लाख रूपए का घाटा बताया गया है, जबकि माननीय मुख्य मंत्री जी कल भी इस बात पर वजिद थे कि 720 करोड रूपए का घाटा हैं इन्होंने कल कहा था कि झूठ बोल रहे हैं वैसे भी 'झूठ' भाब्द अन पार्लियामैंटरी है लेकिन यह असत्य है। मैं आज फिर इस बात को दोहराता हूं कि क्या असत्य कह कर हाउस को गुमराह किया जा सकता है ? स्पीकर साहब, अब दोनों बातें आपके सामने हैं आप स्पयं इस बात की पडताल कर लें कि हरियाणा सरकार असत्य कहती है या केन्द्रीय सरकार असत्य कहती है ? अध्यक्ष जी, मुख्य मंत्री जी इस पर भी रो ान डालें और इसकी इन्क्वायरी करके बताने की कृपा करें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने जो आंकडें दिए थे वे सही हैं और उनमें कोई गलत बात नहीं है। दूसरे ये 1225 करोड रूपये का जिक्र कररहे हैं इसमें कई चीजें हैं– लोन पुराना भी इसमें है, कुछ दूसरी चीजें भी हैं और लौसिज भी हैं टयूबवैल्ज की बोरिंग के जो लोन लेते हैं उसका हिसाब किताब अलग है। कोई आदमी अगर लोन लेकर काम करना चाहे तो वह

इस घाटे में भाामिल नहीं होगा। घाटे में वह भाामिल होता है कि कोई चीज किस भाव में बनती है और किस भाव में बिकती है। इसमें जो घाटा होता है, वह रकम घाटे में भाामिल होती है। वह घाटा 735 करोड रूपए का है। अध्यक्ष महोदय, इन्हें थोडा सा अपना दिमाग इस्तेमाल करना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, बोरिंग की बात अलग है और घाटे की बात अलग है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह घाटा 12 सौ करोड रूपए है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, स्टेट गवर्नमैंट से इन्फर्मे ान ली जाती है और स्टेट गवर्नमैंट इन्फर्मे ान देती भी है। जितने भी बिजली बोर्ड हैं उनमें कितना कितना घाटा है ? यह सवाल कलीयर कट घाटे का है, लौजिस का है। लोसिज की बात मुख्यमंत्री जी कर रहे हैं और लौसिज की ही बात चौटाला साहब कर रहे हैं। कल मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि घाटा सात सौ कुछ है और पार्लियामैंट में इन्हीं की सरकार ने जो जवाब दिया है, वह 12 सौ करोड रूपए का है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं ठीक कह रहा हूं। वह जो बता रहे हैं बोरिंग को मिला कर के है। मैं लोन की बात कर रहा हूं।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, लोन अलग चीज है यह सवाल तो लौसिज का है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब ने तो क्वै चन पढ कर नहीं बताया था, सिर्फ जवाब ही पढ कर बता दिया। जो भी इन्फर्मे ान है, वह बिजली बोर्ड की दी हुई होगी।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं क्वै चन भी पढ सकता था परन्तु मैंने हाऊस का समय बचाने की कोि ाश की है। साथ ही यह क्वै चन अंग्रेजी में था। अगर मैं पढ देता तो मुख्य मंत्री जी समझ नहीं सकते थे, इसलिए भी मैंने यह रियायत करने की कोि ा ा की थी। अब आप ही यह पढकर सुना दें, और अध्यक्ष महोदय, सुना ही ने दें बल्कि इन्हें समझा भी दें कि प्र न क्या था और उसका क्या जवाब है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला तो डबल एम0ए0 और पी0एच0डी0 हैं, इस बारे मैं तो मैं ज्यादा जानता नहीं। मैं तो सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि जिस भजन लाल ने दोनों बाप बेटे को पढा रखा हो, वे आदमी यहां आकर भजन लाल को ऐसा कहें ? अध्यक्ष महोदय, इन्हें कुछ तो भार्म करनी चाहिए। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, फलड वाले एरिया पर, जहां जहां पर जरूरत है वहां के लोगों को हम जे0आर0वाई0 के तहत रोजगार दैगें, काम देंगे। उसके लिए हम पैसे सी0आर0एफ0 से लिफ्ट करने जा रहे हैं ताकि लोगों की तकलीफ दूर की जा सके और रोजगार दिया जा सके। जहां तक वसूली का ताल्लुक है उस बारे में हम आज ही फैसला करने जा

रहे हैं कि हम इस बार वसूली को मुलतवी कर देंगे और उससे अगली फसल में वसूली करेंगे।

श्री धीर पाल सिंहः क्या आने वाली फसल के बारे में कह रहे हैं ?

चौधरी भजन लालः जी हां, मैं आने वाली फसल के बारे में ही कह रहा हूं।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं सरकार को लास्ट सुझाव देना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी ने बडे वायदे भी किए हैं कि यह हो जाएगा, वह हो जाएगा। इन्होंने जो वायदे किए हैं, उनके बारे में कुछ होना ही नहीं है, इसलिए एक वायदा और कर लें कि जिससे सारा क्ले ा ही खत्म हो जाएगा कि ये राम जी को फोन कर लें कि बारि ा कर दें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने टेलीफोन परमात्मा को किया था और कहा था कि अब इस बाढ को बन्द करो और उन्होंने टेलीफोन सुन भी लिया था, लेकि अब उनका टेलीफोन खराब हो रहा है, इसलिए मुझे दिक्कत हो रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं इन्हीं भाब्दों के साथ अपनी बात को समाप्त करता हूं।

श्री अध्यक्षः अब वित्त मंत्री जी बोलेंगे। अब आप जवाब सुनें। आपने सुनना न हो तो दूसरी बात है। चौ0 अमर सिंह जी,

आप बैठिए। कल आपको टाइम देंगे। कल और परसों दो दिन अभी और बहस होनी है।

वित्त मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, आपके आदे ा के अनुसार 2 मार्च को मैंने सदन मं 1993–94 का बजट पे ा किया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी आपको कह दिया कि आज टाइम नहीं मिलेगा। चौधरी अमर सिंह जी कृपया बैठ जाईए। इंसिस्ट न करें। (ाोर)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, बजट पर बोलते हुए माननीय सदस्यों ने ट्रेजरी बैंचिज के भाईयों ने जहां बजट की सराहना की वहां ..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादयान साहब आपको और आपकी पार्टी को कम्परेटिवली सबसे ज्यादा टाइम दिया गया है। अब तक जो मैंबर साहिबान बजट पर बोले हैं उनमें श्री सतबीर सिंह कादयान 64 मिनट, श्रीमती चन्द्रावती 27 मिनट, डा0 राम प्रका ा 16 मिनट, श्री अमर सिंह 49 मिनट, श्री लहरी सिंह 25 मिनट, श्री कर्ण सिंह दलाल 27 मिनट, श्री सूरजभान 23 मिनट, श्री कृश्ण लाल 21 मिनट, श्री किताब सिंह मलिक 29 मिनट, श्री मनीराम केहरवाला विद इंट्र ंज 51 मिनट, श्री राम बिलास 67 मिनट हैं। अब आप खुद ही देखें कि इसमें अपोजी ान के ज्यादा मैंबर साहिबान बोले हैं।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने बजट पर बहस में हिस्सा लेते हुए विरोधी पक्ष के सदस्यों ने इसका विरोध किया है और ट्रेजरी बैंचिज के माननीय सदस्यों ने बजट की सराहना की है। अध्यक्ष महोदय, बजट से पहले इस सदन में गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर चर्चा हुई। विरोधी पक्ष के भाईयों ने गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर जो कुछ कहा, वही बातें इनहोंने इस बजट पर कहीं हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप अपने मैम्बर्ज को डिसिप्लिन में रखें। ऐसी कोई बात नहीं सुनी जायेगी।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जो बात आप कर रहे हैं वही होगी। ये लोग आपसे रिकवैस्ट कर रहे हैं कि आज हमारी पार्टी का मैम्बर नहीं बोला।

श्री दरियाओं सिंह रजोराः आप हाउस को एक्सटैंड कर दें। मैं तो बोला ही नहीं हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आज टाईम ऐक्सटैंड नहीं होगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों ने वर्श 1993–94 के बजट पर बोलते हुए कहा कि यह बजट नीरस है और दि ााहीन है। इन सदस्यों ने कहा कि यह बजट दि ााहीन है इसमें किसानों के लिए कुछ नहीं किया गया है और हरिजनों तथा बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए भी

कुछ नहीं किया गया है। स्पीकर साहब, माननीय सदस्यों ने अपने मन के गुबार निकालने के लिए और अपने हल्के के लोगों को खु ा करने के लिए कुछ बातें यहां पर रखी हैं। (ाोर एवं व्यवधान) । स्पीकर साहब, मैं एक बात आपकी सेवा में अर्ज करना चाहता हूं। मैं फाइनैंस के मामले में कोई बहंत बडा अर्थ ाास्त्री तो नहीं हूं, लेकिन एक बात मैं अर्ज करना चाहता हूं। इन नब्बे के हाउस में आप पहले भी आते रहे हैं और अब की बारे भी बन कर आए हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

वाक आउटस

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, आप हाउस का समय बढा दीजिए और हरेक मैम्बर को पांच पांच मिनट दे दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब वित्त मंत्री जवाब दे रहे हैं, इसलिए आप लोग बैठ जाएं।

श्री सतबीर सिंह कादियानः हमारा कहना तो यह है कि आप थोडा सा टाईम बढा दें जिससे कि सभी मैम्बर्ज अपनी समस्याएं सदन में रख सकें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब वित्त मंत्री बोल रहे हैं इसलिए आप लोग बैठ जाएं। अब किसी और को टाईम नहीं मिलेगा।

श्री धीरपाल सिंहः ठीक है जी, अगर आप हमें टाईम नहीं देते तो हम वाक आउट करते हैं।

(इस समय श्री धीरपाल सिंह तथा सजपा के सभी सदस्य जो हाउस में उपस्थित थे, सदन से वाक आउट कर गए)

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, हम भी एज प्रोटैस्ट वाक आउट करते हैं।

(इस समय श्री अमर सिंह तथा हविपा के सभी सदस्य जो सदन में उपस्थित थे, सदन से वाक आउट कर गए)

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि यह हाउस 90 का है। इस हाउस में दो मुख्यमंत्री इस समय ऐसे हैं जो दो तीन बार पहले भी मुख्य मंत्री रह चुके हैं और कई ऐसे सदस्य भी हैं जो पहले मंत्री रह चुके हैं और कई ऐसे सदस्य भी हैं जो पहले मंत्री रह चुके हैं। श्री वीरेन्द्र सिंह जो उठकर गए हैं वे भी काफी सीनियर मिनिस्टर रहे हैं। चौधरी सम्पत सिंह जी जो चले गए हैं वे भी बहुत सीनियर मिनिस्टर रहे हैं। स्पीकर साहब मैं एक बात की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। इस 90 के हाउस में मुख्य मंत्री तो दूसरी बार और तीसर बार बनकर आए हैं और कई विधायक जो पहले मंत्री थी वे भी दूसरी और तीसरी बार बन कर आए हैं लेकिन हरियाणा में जो फाइनैंस मिनिस्टर रहा है, वह दूसरी बार बनकर नहीं आया। चौधरी बंसी

लाल जब मुख्य मंत्री थी तो इन्हौंने बहुत सारे महकमे सम्भाले हुए थे और हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल के पास भी काफी विभाग रहे हैं। श्री वीरेन्द्र सिंह बहुत सीनियर मंत्री रहे और वकील भी रहे यह सुपर चीफ मिनिस्टर बनकर चले। उन्होंने महकमें छांटे पावर एण्ड इरीगे ान, होम डिपार्टमैंट और ऐजुके ान लेकिन फाइनैंस के वे बिल्कुल नजदीक नहीं लगे। इसी तरह से चौधरी सम्पत सिंह जी ने जितने इम्पोर्टैंट विभाग थे, होम, पावर एण्ड इरीगे ान, वे संभाले। जिन विभागों पर बजट का 50 प्रति ात खर्चा होता है वे विभाग चौधरी सम्पत सिंह जी ने अपने पास रखे लेकिन फाइनैंस का विभाग किसी ने भी अपने पास नहीं रखा क्योंकि ये एक ऐसा विभाग है जिसको संभालने में बहुत बडी कठिनाई आती है और जिससे हमारे विरोधी पक्ष के भाईयों ने हर बार नाराजगी जाहिर करनी ही है। मैं तो यह सब कुछ प्रैक्टीकल बता रहा हूं कि फाईनैंस मिनिस्टर से तो सभी नाराज रहते हैं। सारे अधिकारी नाराज, सभी कर्मचारी नाराज, और जनता भी नाराज फिर जनता को ये लोग खु ा करने के लिये कहते हैं कि फलां फलां स्कीमज हमने मनवा ली हैं। अब की बार तो हमने यह स्कीमें मनवा ली हैं लेकिन फाइनैंस मिनिस्टर बिल्कुल नहीं मानते। काम बन जाए तो साथियों को खु ा कर लो और अगर न बने तो लोगों की, अधिकारियों की, कर्मचारियों की कोई नाराजगी हो तो वह फाइनैंस मिनिस्टर के जिम्मे लगा दो। ये तो मेरे इन विरोधी पक्ष के भाईयों का कर्त्तव्य है।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ एक बात और कहना चाहूंगा कि इन्होंने यहां पर बोलते हुए जीभ की बात कही। इनको मैं बताना चाहता हूं कि यह जो जीभ है, यह बहुत बडी कीमती चीज है। इसी जीभ के कारण ही सम्पत सिंह जी ने एक बात हाउस में कही थी कि मेरी गर्दन कट सकती है, झुक नहीं सकती। लेकिन आपको पता ही है कि वह गर्दन झुकी भी ओर उन्होंने हाउस के अंदर माफी भी मांगी। (ाोर) यह फैक्टस की बात है सबके सामने की बात है। मैं फैक्टस पर आधारित बातें हाउस में कह रहा हूं, किसी पर ऐलीगे ान नहीं लगा रहा। न ही मैं किसी के बीच में किसी भी प्रकार का इंटरफीरैंस ही करना चाहता हूं। मैं तो फैक्टस बता रहा था। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी, यह तो चिढाने वाली बातें हैं जिनका सबको पता है कि उसको बार बार कुरेदने की कोि ा ा न की जाए। (ाोर)

श्री मांगेराम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि फाइनैंस विभाग ऐसा विभाग है जिसके पास स्टेट के सारे रिसोर्सिज होते हैं और उन्हीं रिसोर्सिज के अनुसार वह हर विभाग को फण्डज ऐलोकेट करता है और उन फण्डज को विभाग अपने लैवल पर अलग अलग खर्चा करता है। फाइनैंस विभाग के पास कोई जादू की छडी नहीं है कि चाहे कोई डिपार्टमैंट जितना पैसा मांगे, वह उतना ही उसे दे दे। कोई भी मांग जो एम0एल0एज0 उठाएं वह फाइनैंस डिपार्टमैंट दे दे और बजट में प्रावधान कर दे,

यह बात फाइनैंस विभाग के बस की नहीं है। जो कुछ ये लोग बोलते हैं कहते हैं मैं उनकी हर बात नोट करता हूं और उनका सही सही उत्तर भी देता हूं। मैं इनको साफ तौर पर बता देना चाहता हूं कि स्टेट के अपने निि चत रिसोर्सिज होते हं लेकिन मेरे जितने भी बैठने वाले माननीय व आदरणीय तजुर्बेकार सदस्य हैं, उनमें से किसी ने भी यहां पर यह नहीं कहा कि स्टेट के अंदर विकास के कार्यों के लिये फलां फलां रिसोर्सिज पैदा किये जाएं। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने मांग की कि बिजली के रेट न बढाए जाएं, सेल्ज टैक्स और मार्किट फीस नहीं लगनी चाहिए, वह खत्म कर दी जाए। माननीय सदस्यों ने कहा कि भाराब के ठेके नहीं बिकने चाहिए, दवाईयों मुफ्त मिलनी चाहिए। और ि ाक्षा मुफ्त मिलनी चाहिए। बेरोजगारी खत्म होनी चाहिए तथा खाद तथा बीज पर भारी सबसिडी रखनी चाहिए। हर गांव में स्कूल अपग्रेड होने चाहिएं कोई स्कूल बगैर टीचर के नहीं रहन चाहिए और स्कूलों की बिल्डिंगें अच्छी होनी चाहिएं, सडकें बढिया बढिया होनी चाहिए। हस्पताल की बिल्डिंग अच्छी होनी चाहिए। पीने का पानी इतना चाहिए कि भााम तक टूटियां चलती रहें और कोई लिमिट नहीं होनी चाहिए। किसान के खेत में जितना पानी चाहिए उतना देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये जितने काम लोगों के हित के हैं, इनके लिए साधन जुटाने पडेंगे। सभी कामों के लिए आर्थिक व्यवस्था करनी पडेगी। अगर सरकार सभी माननीय सदस्यों की एक भी मांग पूरी मान लें जैसे ि ाक्षा के संबंध में कोई मांग है, तो अगर उस पर वर्श 1993–94 का पूरा बजट भी

खर्च कर दे तो भी वह मांग सारी स्टेट में पूरी नहीं हो सकती। इसलिए माननीय सदस्यों को सोच समझ कर ही सुझाव देने चाहिए। सभी साथी सरकार की नुक्ताचीनी अकेले चौधरी भजन लाल की ही नहीं है और न ही फाइनैंस मिनिस्टर की है। लोगों ने यहां पर 90 प्रतिनिधि चुन कर भेजे हैं, इन सबकी बराबर जिम्मेदारी है। बजट पर तो लोगौं की भलाई के बारे में बोला जाता है, इसीलिए लोगों ने आपको यहां पर चुन कर भेजा है। आप अपने हल्के के लोगों की और प्रदे ा के लोगौं की मांग के लिए सुझाव देते लेकिन इन्होंने कोई अच्छा सुझाव नहीं दिया।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। फायनैंस मिनिस्टर साहब कह रहे हैं कि हमने कोई सुझाव नहीं दिए। यहां पर बहुत अच्छे सुझाव आए हैं। खुद फाईनैंस मिनिस्टर ने सुझाव दिया था और अपोजी ान के मैंबरों ने उसकी ताइद की थी कि कैबिनेट के साईज को कम कर लो तो खजाने पर अपने आप भार कम पडेगा। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कोई खास वजह हो या किसी ने कोई खास बात कह दी हो तब तो माननीय सदस्यों को बीच में उठ कर प्वायंट आफ आर्डर करना चाहिए लेकिन अब वित्त मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। और इन्होंने कोई ऐसी बात भी नहीं कही ये तो अपना जवाब दे रहे हैं। इसलिए मेहरबानी करके माननीय सदस्य बीच में टोकने की कृपा न करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हमनें जो 1993–94 का बजट पे ा किया है इस बारे में मेरे साथी कादयान साहब ने कहा कि इस बजट का प्लान बहुत कम है इन्होंने इस बारे में कोई आंकडे तो बताए नहीं, वैसे ही नुक्ताचीनी के नाते कह दिया। अध्यक्ष महोदय, हमारा जो प्लान है उसके अनुसार हमने पिछले साल 820 करोड रूपए खर्च किए जबकि इस साल यानि 1993–94 में हम 910 करोड रूपए खर्च करेंगे यानि 90 करोड रूपए ज्यादा खर्च करेंगे। मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों के समय में प्लान 529 करोड रूपए के लगभग था। हमने 15 परसैंट के करीब बढौतरी की है। हमारे पास प्रदे ा के विकास के लिए जितने रिसोर्सिज थे उनमें ज्यादा से ज्यादा पैसा बचा करके खर्च किए हैं। पिछले साल 1991–92 के बजट में 87.34 करोड रूपए का घाटा था। हमने उस घाटे को अपने खर्च कम करके रिडयूस किया है और यह बजट ईयर 7.16 करोड रूपऐ के घाटे में समाप्त हुआ। पिछले साल 119.84 करोए का घाटा था लेकिन हमने अपने खर्चे कम करके पिछले बजट ईयर को 79.87 करोड रूपऐ के घाटे के साथ समाप्त किया और जो 40 करोड रूपया हमने बचाया, वह हरियाणा प्रदे ा के लोगों के विकास के लिए खर्च किया। इस तरह हमने अपने खर्चे में कमी की है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय हमारे माननीय सदस्य सतबीर सिंह कादियान ने कहा कि बिजली में लाईन लौसिज 39 परसैंट हो गए। मैं इनको बताना चाहूंगा कि आपके राज में वर्श 1990–91 में बिजली में 26.4 परसैंट लाइन लौसिज थे, 1991–92 में 24.2 परसैंट थे, 1992–93

में 23.2 परसैंट रह गए और 1993–94 में 22.5 परसैंट रह जाएंगे। आपने कैसे कह दिया कि 39 परसैंट बिजली में लाइन लौसिज हैं ? अध्यक्ष महोदय बिजली तैयार करने का जो खर्चा है वह 1 रूपया 25 पैसे या 30 पैसे प्रति यूनिट है। इन्होंने एक बात यह कही कि किसानों के साथ बहुत भारी अन्याय किया गया है। सरकार ने बिजली का रेट 50 पैसे प्रति यूनिट कर दिया, सारे दे ा में बिजली का इतना रेट कहीं नहीं है। अध्यक्ष महोदय, सारे दे ा में हरियाणा प्रदे ा एक ऐसा प्रदे ा है जो किसानों को एग्रीकल्चर सैक्टर में 59.2 परसैंट यानि 60 परसैंट बिजली दे रहा है जिस पर 80 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से नुक्सान होने की वजह से हर साल बिजली बोर्ड को 300 करोड रूपए का नुकसान हो जाता है। दूसरे किसी भी प्रदे ा में एग्रीकल्चर सैक्टर में इतनी बिजली नहीं दी जा रही। मेरे विरोधी पक्ष के भाई इस बात को ले कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं कि आप बिजली के बिल न भरो। अगर किसान बिजली के बिल नहीं भरेंगे तो आज बिजली की जो मांग बढ रही है, यह अगले पांच साल में भी पूरी नहीं होगी। आज बिजली जिस रेट के हिसाब से मिल रही है वह दो रूपए यूनिट के हिसाब से भी नहीं मिल सकेगी और बिजली के नए प्रोजेक्ट नहीं लगेंगें। मैं यह कहूंगा कि इन भाईयें को चाहिए कि वे प्रदे ा के लोगौं को, किसानों को सही स्थिति की जानकारी दें, गुमराह न करें। मैं फिर कहूंगा कि यदि ये प्रदे ा के सच्चे हितैशी हैं तो इनको सही बात कहनी चाहिए। अरग ये

गलत जानकारी देंगे तो प्रदे ा का बहुत बुरा हाल हो जाएगा। इसलिए इनको लोगों को गुमराह नहीं करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, कादियान जी ने उद्योग कुंज के बारे में कहा है कि इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही। मैं बताना चाहूंगा कि इस स्कीम पर चार जिलों में काम हो रहा है। सोनीपत, रोहतक, गुडगांव में तो साईट ले ली गई जबकि हिसार जिले में साईट की तला ा की जा रही है। ज्योंही जमीन मिल जायेगी हिसार में भी इस स्कीम पर काम भुरू कर दिया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, एक बात कादियान जी ने यह कही कि पानीपत की एच0एफ0सी0 में किसी अधिकारी/कर्मचारी ने 3 लाख रूपए का गबन किया है। इस बारे में मैं इनको बताना चाहता हूं कि जिन अधिकारियों/कर्मचारियों ने यह गबन किया था उनको सस्पैंड कर दिया है और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि कानून के अनुसार उनके खिलाफ पूरी कार्यवाही की जाएगी, चाहे कोई कितना ही बडा अधिकारी क्यों न हो।

अध्यक्ष महोदय एक बात चन्द्रावती जी ने जे0पी0 गुप्ता जी के बारे में कही। इस बात की इंकवायरी हुई है। उन दिनों गुन्ता जी छुटटी पर थे पूरी इंकवायरी हुई। आपको भी पता है कि जो इंकवायरी में दोशी पाया जाता है उसके खिलाफ पूरी कार्यवाही की जाती है और उसको परमोट नहीं किया जाता। मेरे

कहने का मतलब यह है कि जो भी दोशी हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही की है।

अध्यक्ष महोदय, एक बात कादियान साहब ने यह कही कि पानीपत के थर्मल प्लांट में प्रदूशण बहुत अधिक है। यह बात सही है इसे मैं मानता हूं। मैं बताना चाहता हूं कि प्रदूशण को कम करने के लिए काफी पग सरकार उठा रही है। इस पर भारी खर्च होने की संभावना है। सरकार इस मामले में पूरी तरह से सजग है, जल्दी ही इसको कोई न कोई समाधान ढूंढ लिया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह इन्होंने यह कहा कि स्टेट वाटर एंड एयर पोल्यू ान बोर्ड के जो पहले चेयरमैन मि0 आर0ए0 गोयल थे, उनको हटा दिया गया और उनकी जगह एस0पी0 ग्रोवर को चेयरमैन लगा दिया गया। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि सैंट्रल एन्वायरमैंट बोर्ड की सलाह पर ही हरियाणा स्टेट पोल्यू ान बोर्ड को खत्म किया गया है और दोबारा गठन किया गया है। चेयरमैन मि0 आर0 ए0 गोंचल ने इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में रिट की है। हाई कोर्ट ने उसके खिलाफ डिसीजन दिया है। अब श्री आर0ए0गोयल ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक स्पे ान याचिका डाली है। यह मामला अब सब जूडिस है, इसलिए इस पर मैं ज्यादा कुछ नहीं कहता।

श्री सतबीर सिंह कादियानः पहले बोर्ड को तोड दिया, फिर बना दिया और आर0ए0 गोयल से कम क्वालिफिके ान के आदमी को चेयरमैंन लगा दिया गया।

श्री अध्यक्षः गवर्नमैंट की अपनी कम्पीटैंसी है, जिसको वह चाहे, चेयरमैन लगाये।

14.00 बजे।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, बहुत से माननीय सदस्यों ने पानी के बारे में चर्चा की और यह भी कहा कि एस0वाई0एल0 पानी की नहर की तरफ सरकार का वि ोश ध्यान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आपकी मार्फत मैं हाउस में एक बात कहना चाहता हूं ..... (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, यदि हाउस की सैन्स हो तो हाउस का टाईम 15 मिनट के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम 15 मिनट के लिए बढाया जाता है।

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मांगे राम गुप्ताः एस0वाई0एल0 पानी के बारे मं हर विधायक और सरकार बहुत ही चिन्तित हैं कोई भी व्यक्ति उसको इग्नोर नहीं कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, हर विधायक यह मांग करता है कि जिन माईनरों के फाउन्डे ान स्टोन रखे गये हैं उनका काम जल्दी पूरा किया जाए और यह कहा गया है कि माईनरज के लिए पैसा नहीं रखा गया हैं अध्यक्ष महोदय, अगर पानी नहीं आया तो नई माईनरज बना कर क्या करेंगे ? माईनरज बन जाएं और उनमें पानी न आए तो उनको कोई फायदा नहीं है। टेल पर पानी पहुंचाने के लिए एक करोड रूपया खर्च किया गया। हरियाणा के 75–80 प्रति ात लोग यह मानते हैं कि टेल पर पानी पहुंच रहा है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात कहना चाहता हूं कि जब तक एस0वाई0एल0 का पानी हरियाणा में नहीं आएगा, तब तक माईनरज पर ज्यादा पैसा खराब करने की जरूरत नहीं है। एस0वाई0एल0 के बारे में विरोधी पक्ष के भाई चाहे कुछ भी कहें, सरदार बेअन्त सिंह की पंजाब की जनता को खु ा करने के लिए चाहे कुछ भी कहते रहें, लेकिन हरियाणा की यह वर्तमान सरकार एस0वाई0एल0 का पानी लाकर हरियाणा के किसानों को देगी, जिससे किसान के खेत को पानी मिलेगा, हरियाणा की एक एक एकड जमीन को सिंचाई का पानी मिलेगा। (विघ्न)

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय वित्त मंत्री जी फरमा रहे हैं कि यह सरकार एस0वाई0एल0 का पानी लाकर हरियाणा को देगी। बजट

में इसके लिए इन्होंने कोई खास पैसे का प्रावधान नहीं रखा है। यह एस0वाई0एल0 का पानी कब और कैसे लाएंगे, यह भी जरा बताने की कृपा करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को बने अभी 18 महीने का अर्सा ही हुआ है। 4 साल इनकी सरकार रही जिसमें भार्मा जी खुद मंत्री रहे और बाद में मंत्रिमंडल से निकाल दिए गए थे। (विघ्न) अमर सिंह जी भी कह रहे थे कि चौधरी बंसी लाल जी ला सके और नही यह लोग ला सके। हालांकि हर कोई इस पानी को हरियाणा में लाना चाहता है। लेकिन केवल चाहने से ही तो कोई काम नहीं हो जाता है। एस0वाई0एल0 का पानी हरियाणा में लाना केवल हमारे हथ की ही बात नहीं है, आज हम ही चिन्तित नहीं हैं केन्द्रीय सरकार भी चिन्ि'तत है। पंजाब में उग्रवाद हावी होने के कारण जब भी इस नहर को बनाने का काम भ्ाुय होता था तो उग्रवादियों ने कभी इंजीनियरों को मार दिया, कभी वर्करज को मार दिया कभी लेबर को मार दिया और भारत सरकार जो भी फैसला करती थी वह सिरे नहीं चढ पाता था। लेकिन अब दे ा के प्रधानमंत्री, इरीगे ान मंत्री और हरियाणा सरकार इस बारे में कई मीटिंगे कर चुके हैं। इस काम में कुछ टाईम तो लगैगा ही एक दो दिन में यह काम होने वाला नहीं है। मुझे पूरा वि वास है कि हरियाणा की जनता ने जिस वि वास के साथ हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाई थी, यह सरकार अपने कार्यकाल में ही हरियाणा की

जनता को एस0वाई0एल0 का पानी उपलब्ध करवाएगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथियों से यह कहना चाहूंगा कि अभी वे माईनरज के लिए ज्यादा पैसे की तरफ ध्यान न दें। जहां तक एस0वाई0एल0 के लिए 20 करोड रूपये का ताल्लुक है इस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि जैसे ही इस बारे में कोई फैसला हो जाएगा, नहर खुदनी भाुरू हो जाएगी हम सप्लीमैंटरी बजट मंजूर करवा सकते हैं और इस सप्लीमैंटरी डिमांड के लिए कोई भी इंकार नहीं कर सकता है। 20 करोड रूपया हमने इसलिए रखा है कि कभी भी एमरजैंसी में एस0वाई0एल0 का काम भाुरू करना पड सकता है तो पैसा कम नहीं हो। अध्यक्ष महोदय, हमैं चाहे कितना ही पैसा क्यों न रखना पडे हम एस0वाई0एल0 का काम करेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है, यह पैसा तो सैंटर से आता है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है गुप्ता जी अभी जिक्र कर रहे थे कि माईनर्ज तब खुदवायेंगे जब एस0वाई0एल0 का पानी आएगा गुडगांव में एस0वाई0एल0 का पानी नहीं पडेगा तो क्या वहों पर अटवाल माईनर को खुदवाने की व्यवस्था करेंगे ?

श्री अध्यक्षः यह क्वे चन आवर नहीं है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अभी रामबिलास भार्मा जी कह रहे थे कि बजट में एस0वाई0एल0 के लिए पैसा नहीं रखा है। हम यह कहते हैं कि जब भी एस0वाई0एल0 का काम भ्रारू होगा तो उसमें पैसे की कमी नहीं आएगी और न ही हम आने देंगे।।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है ये इररेलवेन्ट बात कर रहे हैं कि पैसा हम लगाएंगे। अध्यक्ष महोदय, यह पैसा तो पंजाब गवर्नमैंट ने खर्च करना है। ये सदन को गुमराह कर रहे हैं कि पैसा इन्होंने लगाना है। इन्होंने कोई पैसा नहीं लगाना है लेकिन ये बार बार कह रहे हैं कि बेअन्त सिंह कुछ भी कहें। .....

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी यह बात तो मुख्यमंत्री जी ने पहले ही क्लीयर कर दी है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, नहर को बनाना तो पंजाब सरकार के हाथ में है। साथ ही पंजाब सरकार कह रही है कि वे पानी के ई ाुज को रीओपन करके फिर काम भ्रारू करेंगे। तो मुख्य मंत्री जी इस बारे मं हाउस को ऐ योर करें कि इसका निर्माण बी0आर0ओ0 करेगी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बात हाउस मं बार बार आई है और केन्द्रीय सरकार भी इस बारे में चितिंत है। मैं हाऊस को ऐ योर करता हूं कि बी0आर0ओ0 ही इस नहर को

बनाएगी। जहां तक पैसे का सवाल है इस बारे में विरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि पैसा भारत सरकार से आता है। तो इन्हें याद होगा जब चौधरी देवी लाल जी हरियाणा स्टेट के मुख्य मंत्री थी तो उस वक्त दो करोड रूपया पंजाब सरकार को दिया गया था। लेकिन जब बाद में हम आए तो हमने यह फैसला किया कि भारत सरकार ही एस0वाई0एल0 के लिए पैसा देगी और इसको सैंट्रल गवर्नमैंट ही कम्पलीट करवाएगी। यह फैसला हमारा है इनका नहीं है और इसको भारत सरकार ही पूरा करेगी।

श्री अध्यक्षः आप यह बताएं कि आपने कितना पैसा रखा हुआ है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 495 लग चुका है और यह पहले का है।

श्री अमर सिंहः यह तो चौ0 बंसी लाल जी के टाईम का है।

श्री अध्यक्षः लेकिन बाद में 150 करोड रूपए और भी दिए थे।

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस नहर को हम कम्पलीट करवाने की जल्दी से जल्दी कोि ा ा करेंगे।

श्री अध्यक्षः हरियाणा का जो पैसा इस पर खर्च हुआ था, उस समय श्री राजीव गांधी ने भी यह कहा था कि यह पैसा

हरियाणा को वापिस दे दिया जाएगा। इसलिए आप यह बता दें कि यह पैसा कौन सी सरकार को मिला है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह पैसा नहीं आया है। गलत बात कहने में कोई फायदा नहीं है लेकिन उसके बाद टोटल पैसा भारत सरकार ने इस पर लगाया है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने ऐजुके ान की तरफ ध्यान दिलाया है कि इस सरकार ने स्कूलों की अपग्रेडिंग में ज्यादती की है और बहुत से स्कूली टीचर्ज के बगैर चल रहे हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि पहली बार छः साल के बाद स्कूलों में कालेजों में टीचर्ज और लैक्चर्ज की जो पोस्टें खाली थीं हमने तकरीबन उन सभी को भरने का पूरा प्रयास किया है। सभी पोस्टों की सैंक ान दे दी है और इनके लिए अब इन्टरव्यू भी हो गये हैं। भाायद अब कोई स्कूल ही ऐसा बचा होगा जहां टीचर्ज की कमी होगी। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो कुछ भी इस बारे में नहीं सोचा था। हमने 181 स्कूलों की अपग्रेडिंग की बात एक साल मैं करने के बारे में कहा है। इनके समय में तो 20 या 25 स्कूल भी अपग्रेड नहीं हुए थे। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने ि ाक्षा पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च किया है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो लोगों को खु ा करने के लिए 350 स्कूलों को अपग्रेड करने की लिस्ट ही बनायी थी किन्तु स्कूल अपग्रेड नहीं किये थे। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ि ाक्षा के मामले में तहेदिल से यह चाहती है कि हमारे

हरियाणा का कोई भी बच्चा अनपढ न रहे। इसलिए हमारी सरकार ने ि ाक्षा के लिए हर सुविधा जुटाने की कोि ा ा की है। गरीब और बैकवर्ड क्लासिज के बच्चे जो फीस नहीं सकते, वर्दी नहीं ले सकते, किताबें नहीं ले सकते हैं, ऐसे बच्चों की हमारी सरकार ने फीस मुफ्त कर दी है और वर्दी का इंतजाम किया है, किताबों का इंतजाम किया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ हमारी सरकार ने लडकियों की ि ाक्षा पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। हमारी सरकार ने पहले ही लडकियों की ि ाक्षा को बी0ए0 तक मुफ्त कर दिया था लेकिन अब सरकार ने महसूस किया है कि लडकियों को टैक्नीकल ऐजुके ान भी फ्री दी जाये। हमने लडकियों के लिए टैक्नीकल ऐजुके ान को अब फ्री कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ हमने यह भी फैसला किया है कि पहले जो लोग अपने बच्चों को पढाया नहीं करते थे लेकिन अब साक्षरता अभियान के तहत हमने यह फैसला किया है कि हरियाणा का कोई भी नागरिक अनपढ नहीं रहेगा। जो अंगूठा टेक लोग पहले हुआ करते थे अब ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं रहेगा। अब हरियाणा का हर व्यक्ति पढा हुआ होगा ताकि उनके साथ किसी प्रकार का कोई व्यक्ति धोखा न कर सके। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे साथियों ने ला एंड आर्डर की बात भी की। लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने ला एण्ड आर्डर पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। पिछली सरकार के समय में लोग बहुत ही दुखी थे, यह हम ही नहीं कहते हैं बल्कि सारे हरियाणे के लोग कहते हैं। अगर हम यह बात कहें कि उस समय विकास

के कार्य नहीं हुए थे तो भाायद लोग बर्दा त भी कर लें लेकिन इनके समय में तो लोगों का जीना ही दूभर हो गया था, गरीब लोगों की जमीनों पर कब्जे कर लिये गये थे, बहन बेटियों की इज्जत पर हाथ डाला जाता था। इस तरह इनके समय में लोग बहुत दुखी हो गये थे और कहते थे कि उनसे कौन सा ऐसा जुल्म हो गया है जिसकी सजा उन्हें मिल रही है। वे कहते थे कि जल्दी से जल्दी उन्हें इस सरकार से छुटकारा मिलना चाहिए। इस तरह से उन सभी गरीब लोगों की आवाजें भगवान के घर गयीं और लगभग साढे तीन साल के बाद ही प्रदे ा में इलैक ान हुआ और उस इलैक ान में हरियाणा की जनता ने इनके खिलाफ फतवा दिया। स्पीकर साहब, यह फतवा ला एंड आर्डर खराब होने की वजह से प्रदे ा की जनता ने दिया था हो सकता था कोई छोटी मोटी घटना घट जाती और वह इसलिए क्योंकि इन्होंने प्रदे ा में बडे बडे डैकैत पैदा कर दिये थे, बडे बडे चारे पैदा कर दिये थे, बडे बडे ग्रीन बिग्रेड के सिपाही पैदा कर दिये थे। अब सरकार इन सभी को तला ा कर रही है। आज कोई नहीं कह सकता कि जमीनों पर कब्जे होते हैं, किसी की बहन बेटी की इज्जत पर हाथ डाला जाता है। आज किसी की हिम्मत नहीं है कि कुछ भी सौदा खरीद कर ताऊ के खाते में डाले।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, हाऊस का कितना समय बढा दें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हाऊस का समय दस मिनट बढा दें।

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 10 मिनट और बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है–ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 10 मिनट और बढाया जाता है।

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सतबीर सिंह कादियानः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मंत्री जी बजट परी न बोलकर पर्सनल ऐलीगे ान लगा रहे हैं, गरीबों की जमीन पर कब्जे का जिक्र कर रहे हैं। एक भी कब्जा ऐसा नहीं जो इन्होंने छुडाया हो। मौजूदा सरकार ने पलवल में म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन पर कब्जा किया है। होडल में जमीन पर कब्जा किया है। इस तरह के जो ऐलीगे ान लगाए गए हैं इन्हें एक्सपंज किया जाए।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, सरकार के प्रयास से हरियाणा मैं आज लोग अमन से अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कोई आदमी किसी के सहारे तो नहीं बैठ सकता। श्री कृश्ण लाल ने दो तीन घटनाओं का जिक्र किया। इसी तरह से करनाल जिले में सालवना गांव का भी जिक्र किया और साथ में मेरे हल्के

में भााहपुर एक गांव है उसमें हरिजन बाल्मिकी के कत्ल का जिक्र किया। अध्यक्ष महोदय, इन तीनों केसों में पूरी कार्यवही हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बाल्मिकी का कत्ल हुआ लेकिन किसने किया, कैसे किया इसका इन्होंनें जिक्र करने की कोि ा ा नहीं की। कत्ल करने वाले लोगों के बारे में तो इन्होंने बताया ही नहीं। मैं कहना चाहूंगा कि जिन लोगों ने यह कत्ल किया है वे इन्हीं के आदमी थे। वे यह समझते थे कि अब भी देवी लाल जी जैसा ही राज है वे इन्हीं के आदमी थे। वे यह समझते थे कि अब भी देवी लाल जी जैसा ही राह है किसी को कोई परवाह नहीं। अब वो पकडे गए हैं, एक मुलजिम को तो हमारी पुलिस ने गिरफ्तार किय है, दो फरार होकर दूसरी स्टेट में भाग गए। उनमें से एक भी मुलजिम आज बाकी नहीं है सब के सब गिरफ्तार हो चुके हैं।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफर आर्डर है। 30 अक्तूबर को उसका कत्ल हुआ था और 20 दिसंबर 1992 को पूरे प्रान्त की तरफ से बाल्मिकी समुदाय की तरफ से जींद के अंदर मांगे राम गुप्ता जी की कोठी के सामने प्रद र्ान किया था। अगर उस टाईम कातिल गिरफ्तार होते तो बाल्मीकी समुदाय की तरफ से धरना क्यों दिया जाता ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, श्री कृश्ण लाल ने फिर वही बात कह दी। वे मुलजिम उसी रात को फरार हो गए, रात का वाकया था। (ाोर)

श्री कृश्ण लालः हां, अध्यक्ष महोदय, वे इनके लोग थे उनको पोस्टमार्टम भी नहीं होने दिया गया।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इन्होंनें उन लोगों के नाम नहीं बताए। मैं नाम भी बता देता हूं। राहमेर, फूल सिंह एव चतरू ये तीनों जाट क्म्यूनिटी से संबंध रखते हैं और मैं पूरे एफीडेविट के साथ सदन में कह रहा हूं जो बाल्मीकी मरा है वह मेरा इलैक ानों में सपोर्टर और वोटर रहा जबकि यह तीनों मुलजिम हमे ाा मेरे खिलाफ रहे, कभी मेरे हक में नहीं रहे और मैंने अपने हल्के में कभी किसी बदमा ा चोर को पनाह नहीं दी और आज मैं पूरी गारंटी के साथ कह सकता हूं कि मेरे हल्के में किसी की कब्जा करने की हिम्मत नहीं है न किसी बहू बेटी की इज्जत पर हाथ उठाने की हिम्मत पड सकती है। मैं वो गुप्ता नहीं हूं जिसका हरियाणा भवन में पीट कर इस्तीफा ले लिया था।

सम्पत सिंह जी, मैं वह गुप्ता नहीं हूं जिससे नोट भी लेते हैं और वोट भी लेते हैं और फिर पीटकर उससे इस्तीफा ले लेते हैं। मैं वह गुप्ता हूं जिसकी रगों मैं भोरे पंजाब लाला लाजपतराय का खून दौडता है, जिसके भारीर के अंदर महात्मा गांधी का खून है। मैं आपके दबाव से चलने वाला नहीं हूं। मैने तो हमे ाा आपका मुकाबला किया है और आगे भी जैसा चाहूं कर सकता हूं। स्पीकर साहब, अमर सिंह ने हरिजनों की चर्चा की। उन्होंने चौपालों के बारे में चिन्ता व्यक्त की। अध्यक्ष महोदय, आज हमारी सरकार ने हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के भाईयों का

वि ोश ध्यान रखा है। सर्विसिज के अंदर इनकी सरकार ने जो बैकलोग छोड दिया था उसको हमारी सरकार ने पूरा किया है। यह बैकलोग चाहे पुलिस में था, चाहे किसी नौकरियों में था, हमने उस बैकलोग को पूरा किया है। हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लडकों को नौकरी दी जा रही हैं। इनके राज में जो कमी रह गई थी उसको पूरा किया जा रहा है। चौपालों के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने चौपालों के लिए पचास हजार रूपया कर दिया है जो पहले पच्चीस हजार होता था और मुरम्मत के लिए हमारी सरकार ने पच्चीस हजार रूपए किया है। हरियाणा सरकार सभी चौपालों को, चाहे वह धानकों की है चाहे चमारों की है और चाहे वह खटीकों की चौपाल है सबको पूरा करेगी। कोई चौपाल अधूरी नहीं रहेगी सबको पूरा किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा गांवों में सेनीटे ान के लिए एक नई स्कीम के द्वारा एक लाख भौचालय हरियाणा सरकार ने बनाए हैं। मल उठाने की जो पुरानी प्रथा थी, उसको जल्दी ही खत्म किया जा रहा है। बाल्मीकी जो पहले मैला उठाते थे, अब भविश्य में मैला नहीं उठाएंगे।

श्री राम कुमार कटवालः अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री ने कहा है कि जींद में किसी प्लाट पर कब्जा नहीं है और न ही वहां पर कोई गुण्डागर्दी है। मैंने इस हाउस में वित्त मंत्री के बारे में एक फाईल रखी थी जिसमें प्लाटों के कब्जे का जिक्र था। प्लाटों का जो घपला था उसमें इस बात का जिक्र है। दूसरी बात यह है

कि जींद के एस0पी0 श्री सिन्हा ने एक छापा मारा था जिसमें इनका लडका भी भाामिल था और उस लडको को थाने में बिठाया गया था। ये आज कैसे कहते हैं कि जींद में कोई गुण्डागर्दी नहीं है। आप इनके लडके के बारे में मिस्टर सिन्हा से पूछ सकते हैं।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह तो वह बात हो गई जैसे आपने भी यह मिसाल सुनी होगी "तेली ए तेली तेरे सिर पर कोल्हू।" तेली ने कहा कि तेल तो मिला नहीं तो जाट ने कहा कि बोझ से तो मरेगा। इसी तरह से इन्होंने अपने मुंह से बात निकाल दी। स्पीकर साहब, मेरा हाउस के अंदर चैलेंज है कि कोई भी ऐलीगै न चरित्रहीनता का या बेईमानी का लगा दें, अगर वह साबित हो जाए तो हमें इस कुर्सी से कोई प्यार नहीं है, हम इस कुर्सी को छोड कर चले जाएंगे। हमारा पूरा प्रयास है कि हरियाणा के किसान को खेत में पूरा पानी मिले, लोगों को पूरा पीने का पानी मिले, हरियाणा के अस्पतालों में दवाईयां अच्छी मिलें, लोगों के लिए अच्छे साधन जुटाए जाएं जिससे कि जनता का जीवन स्तर ऊंचा उठे और जनता के हित के जितने काम हैं उनको पूरा करने के लिए हरियाणा सरकार पूरा प्रयास कर रही हे। हमारी पूरी कोि ा ा है कि आय के साधन बढाएं जाएं जिनसे जनता की भलाई के जितने काम हैं उनको पूरा किया जा सके। स्पीकर साहब, हरियाणा की जनता ने हरियाणा सरकार और कांग्रेस पार्टी में जो वि वास व्यक्त किया है, उसको यह सरकार पूरा करेगी और अगले चुनाव में इन लोगों की जमानत जब्त

होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं प्रार्थना करूंगा कि वर्श 1993–94 का जो बजट पे ा किया है, आप इसको पास कराएं।

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow the 11th March, 1993.

***14.25 बजे।**

(The Sabha then*adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 11th March, 1993.)